मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	29.1	16.0
जमशेदपुर	31.2	18.0
डालटनगंज	30.4	16.4

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * * * *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

रांची ● शुक्रवार, 01 दिसंबर 2023 ● मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष 4, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 223

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

सुर्खियां

इंटरनेशनल

- सबसे गर्म वर्ष की राह पर 2023, होंगे दुष्परिणाम : यूएन
- यूक्रेन में रूसी मिसाइलों ने इमारतों को तबाह किया
- तोशाखाना मामले में नवाज शरीफ का बयान दर्ज
- यरुशलम में गोलीबारी में तीन लोगों की मौत

नेशनल

- ज्ञानवापी रिपोर्ट : एएसआई को 10 दिन का और समय मिला
- 150 प्रचंड हेलीकॉप्टर व 97 तेजस खरीद को मंजूरी
- सिलक्यारा सुरंग से निकले श्रमिक जल्द जा सकते हैं घर
- राजकोषीय घाटा अक्टूबर में पूरे साल के लक्ष्य का 45%

स्टेट

- झारखंड में भ्रष्टाचार की 25,500 शिकायतें लंबित
- 4 और 5 दिसंबर को लगेगा जैक का कैंप
- देश का 70 प्रतिशत तसर उत्पादन झारखंड में
- दो साल में झारखंड में बिछेगा सड़कों का जाल

स्पोर्ट्स

- राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफानल में
- जू.महिला हॉकी विश्व कप में भारत ने कनाडा को हराया
- पंघाल-थापायुगांडा ने टी-20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया
- जू.विश्व चैंपियनशिप में 8 मुक्केबाजों के पदक पक्के

किसने क्या कहा

- जलवायु कार्रवाई के संबंध में भारत ने जो कहा उसे पूरा किया : **नरेंद्र मोदी**
- 2014 से पहले चेहरा देख कर बनायी जाती थीं योजनाएं : **योगी आदित्यनाथ**
- हरियाणा की सरकार चुनाव से पहले ही हार मान चुकी है : **भूपेंद्र सिंह हुड्डा**

सर्राफा

सोना (बिक्री)	59,000
चांदी (किलो)	79,000

ब्रीफ खबरें

जेएनयू के 'लोगो' में जुड़ेगा 'तमसो मा ज्योतिर्गमय'

नई दिल्ली। जेएनयू के 'लोगो' में अब इसका आदर्श वाक्य 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' जोड़ा जाएगा और इसे पेटेंट के लिए पंजीकृत किया जाएगा. जेएनयू की कुलपति शांतिश्री धूलिपुडी ने बताया कि कार्यकारी परिषद की बैठक में 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' आदर्श वाक्य को शामिल करने के लिए विवि के पुराने, अपंजीकृत लोगो को संशोधित करने का निर्णय पारित हुआ. हम बदलाव नहीं कर रहे. पुराना लोगो पंजीकृत नहीं था. हम अपने आदर्श वाक्य के साथ उसी लोगो को पंजीकृत कर रहे हैं.

विधानसभा चुनाव 2023 — 5 राज्यों का एक्जिट पोल

छत्तीसगढ़

चैनल-एजेंसी	कांग्रेस	भाजपा	अन्य
न्यूज18-मािट्रज	46	41	3
एबीपी-सी वोटर	41-53	36-48	0-4
इंडिया टीवी सीएनएक्स	46-56	30-40	00
इंडिया टुडे- माई एक्सिस	40-50	36-46	1-5
रिपब्लिक टीवी	42-53	34-45	03

राजस्थान

चैनल-एजेंसी	भाजपा	कांग्रेस	अन्य
न्यूज18-मािट्रज	111	74	14
टाइम्स नाउ-ईटीजी	108-128	56-72	13-21
TV9-पोलस्टार	100-110	90-100	5-15
इंडिया टुडे- माई एक्सिस	80-100	86-106	9-18
रिपब्लिक टीवी	100-122	62-85	14-15

मध्य प्रदेश

चैनल-एजेंसी	कांग्रेस	भाजपा	अन्य
न्यूज18-मािट्रज	116	111	3
एबीपी-सी वोटर	113-137	88-112	2-8
TV9 पोलस्टार	106-116	111-121	0-6
न्यूज 24 चाणक्या	151	74	05
इंडिया टुडे- माई एक्सिस	100-110	90-100	5-15
रिपब्लिक टीवी	118-130	97-107	0-2

तेलंगाना

चैनल/एजेंसी	बीआरएस+	भाजपा+	कांग्रेस+
एबीपी-सी वोटर	38-54	5-13	49-65
इंडिया टीवी सीएनएक्स	31-47	2-4	63-79
टीवी 9 पोलस्टार्ट	48-58	05-10	48-64
जन की बात	46-56	4-9	58-68
न्यूज 24 चाणक्या	30-33	07	65-71

मिजोरम

चैनल/एजेंसी	एमएनएफ	जेडपीएम	अन्य
एबीपी-सी वोटर	15-21	12-18	0-5
इंडिया टीवी सीएनएक्स	14-18	12-16	0
इंडिया टुडे- माई एक्सिस	14-18	10-14	0
जन की बात	10-14	15-25	

■ कांग्रेस 5-9 ■ बीजेपी 0-2

एग्जिट कौन..?

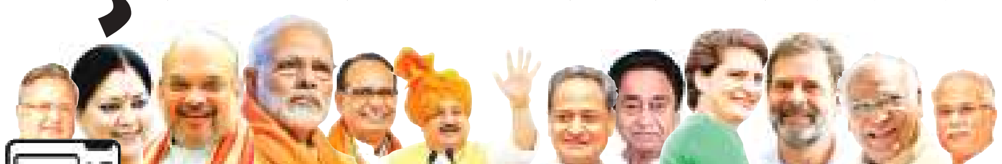

राजस्थान, एमपी में भाजपा को बढ़त, छत्तीसगढ़, तेलंगाना में कांग्रेस आगे, मिजोरम में मिजो फ्रंट की वापसी के संकेत

एजेंसियां। नई दिल्ली

5 राज्यों के विस चुनावों के लिए वोट के बाद आए ज्यादातर एग्जिट पोल में राजस्थान और एमपी में भाजपा को बढ़त मिलने का अनुमान है, वहीं तेलंगाना तथा छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के आगे रहने की संभावना है. तमाम एक्जिट पोल को देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा है कि छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार बन सकती है. वहीं राजस्थान और मध्य प्रदेश में भाजपा की तरफ से कांग्रेस को कड़ी टक्कर मिल रही है. इन दोनों राज्यों में थोड़ा सा भी पलड़ा इधर से उधर हुआ, तो भाजपा या कांग्रेस में से किसी की भी सरकार बन सकती है. मिजोरम में सत्तारूढ़ दल के जीतने का अनुमान है. हालांकि कुछ चैनल वहां भी खंडित जनादेश का अनुमान लगा रहे हैं.

अब कीजिए 3 दिसंबर का इंतजार

5 राज्यों के विस चुनाव को अगले साल के लोकसभा चुनाव का सेमीफाइनल माना जा रहा है. एग्जिट पोल के नतीजों में सबकुछ गोलमोल है. कुछ एक्जिट बीजेपी तो दूसरे कांग्रेस को उत्साहित करने वाले हैं. तस्वीर साफ नहीं है. अब तस्वीर 3 दिसंबर को ही साफ होगी. ऐसे में अभी इंतजार ही करना होगा. हालांकि, इसमें बीजेपी और पीएम मोदी के लिए कई संकेत हैं. एमपी और राजस्थान में बीजेपी व कांग्रेस में कांटे का मुकाबला कई मायनों में अहम है. राजस्थान में बीजेपी दोबारा काबिज होती है, तो भी अंतर बहुत ज्यादा नहीं होगा. एमपी में सस्पेंस है. इससे यह पता चलता है कि कांग्रेस उसके पीछे तेजी से आ रही है. जो जमीन उसने खोई थी वह उसे वापस हासिल कर रही है.

केंद्र की सत्ता जीते, तो पूरे देश का हेल्थ बीमा: राहुल

एजेंसी। वायनाड (केरल)

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राजस्थान सरकार द्वारा गरीबों के लिए शुरू किए गए स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम की तारीफ करते हुए गुरुवार को कहा कि यदि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद उनकी पार्टी अगर केंद्र की सत्ता में आई, तो पूरे देश में यह योजना लागू की जाएगी. राहुल गांधी ने अपने संसदीय क्षेत्र वायनाड के सुल्तान बथेरी में स्थित एक निजी अस्पताल के नये खंड के उद्घाटन के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही.

राहुल गांधी ने स्वास्थ्य तक पहुंच में असमानता का उल्लेख करते हुए कहा कि आर्थिक रूप से संपन्न लोग बड़े अस्पतालों में बेहतरीन इलाज करवा सकते हैं, वहीं वित्तीय संसाधनों के अभाव में लोगों को कैंसर और हृदय रोग जैसी बीमारियों से निपटने में बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है. उन्होंने कहा कि चिकित्सा विपदाओं के सबसे बड़े पीड़ित अक्सर गरीब लोग होते हैं. उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र के पुनः मूल्यांकन की जरूरत रेखांकित की. कांग्रेस नेता ने कहा, मैं भारत में बहुत घूमता हूं और मैं देखता हूं कि चिकित्सा विपदाओं के सबसे बड़े शिकार गरीब लोग होते हैं. आपके पास पैसे हैं, तो आप अच्छे अस्पताल में इलाज करा सकते हैं. राहुल ने कहा, केंद्र सरकार को, गरीबों को बुनियादी गारंटी के तौर पर सस्ती स्वास्थ्य सुविधाओं को प्राथमिकता देनी चाहिए. उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमें स्वास्थ्य देखभाल में अपने तरीके पर पुनर्विचार करना होगा. मेरा मानना है कि सरकार को जिस एक गारंटी के बारे में सोचना चाहिए, वह वास्तव में कम मूल्य पर, विशेष रूप से गरीबों को स्वास्थ्य सुविधाएं देने के बारे में हो. कांग्रेस ने राजस्थान में अपनी चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना की तारीफ करते हुए इसे पूरे देश के लिए 'मॉडल' बताया. पार्टी का कहना है कि इसके तहत मेडिकल कवरेज 50 लाख रुपए तक बढ़ाने से गरीबों और मध्यम वर्ग दोनों को लाभ मिलेगा.

सुलभ हो इलाज

- स्वास्थ्य सुविधाओं में असमानता से है बड़ी दिक्कत
- **चिकित्सा विपदाओं के सबसे बड़े शिकार हो रहे हैं गरीब**

ब्रीफ खबरें

1-8 तक की अर्धवार्षिक परीक्षा का शेड्यूल जारी

रांची। झारखंड एकेडमिक कॉउंसिल ने क्लास वन से लेकर आठ तक की अर्धवार्षिक परीक्षा का शेड्यूल जारी कर दिया है. परीक्षा 20 दिसंबर से 23 दिसंबर तक चलेगी. परीक्षा दो पालियों में चलेगी. परीक्षा के लिए दो घंटे का समय निर्धारित किया गया है. जानकारी के अनुसार क्लास वन की परीक्षा लिखित नहीं होगी, बच्चों से मौखिक सवाल जवाब किये जाएगे. वहीं क्लास टू से आठ तक के बच्चों की परीक्षा लिखित होगी.

मुस्लिम मजलिस उलमा का सम्मेलन तीन को

रांची। मुस्लिम मजलिस उलेमा झारखंड की ओर से संविधान बचाओ- लोकतंत्र बचाओ सम्मेलन का आयोजन 3 दिसंबर को किया जा रहा है. राष्ट्रीय अध्यक्ष मुफ्ती अब्दुल्लाह अजहर कासमी ने बताया कि आयोजन कर्बला चौक स्थित गुलशन हाल में दिन के 10 बजे से होगा. उद्घाटन मंत्री सत्यानंद भोक्ता करेंगे. मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, पूर्व सांसद फुरकान अंसारी, भुवनेश्वर प्रसाद मेहता शामिल होंगे.

पीएच. डी. उपाधि

कुलपति, रांची विश्वविद्यालय, रांची के आदेशानुसार श्री अमित कुमार (UGC-NET/JRF) संप्रति सहायक प्राध्यापक, जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग (भाषा-खोरठा) मारवाड़ी महाविद्यालय, रांची विश्वविद्यालय, रांची, माता- श्रीमती कुन्ती देवी, पिता - स्व० गुलेश्वर महतो, ग्राम- बगदं प्रखण्ड- दुलमी, जिला - रामगढ़, झारखण्ड - 825101, को रांची विश्वविद्यालय रांची की जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा संकाय द्वारा अगस्त - 2023 को आयोजित मौखिकी परीक्षा में पीएच. डी. उत्तीर्ण घोषित किया गया। इन्होंने डॉ. विनोद कुमार विभागाध्यक्ष, खोरठा भाषा विभाग डी०एस० पी० एम० यु ० रांची के निर्देशन में "श्याम सुन्दर महतो और उनका रचना संसार : एक विश्लेषण" - विषय पर अपना शोध कार्य पूर्ण किया.

अगले दो साल में बदल जाएगी झारखंड की तस्वीर, 27 परियोजनाओं को मिली मंजूरी

सूबे में बिछेगा सड़कों का जाल, सरपट दौड़ेंगी गाड़ियां

प्रमुख संवाददाता। रांची

अगले दो साल में झारखंड की तस्वीर बदल जाएगी. सड़कों का जाल बिछ जाएगा. गाड़ियों के सरपट दौड़ने के अलावा आर्थिक गतिविधियां भी बढ़ेंगी. झारखंड में अब तक 27 बड़ी सड़क परियोजनाओं को मंजूरी मिली है. वहीं सूबे की 21 सड़क परियोजनाओं में लगभग दस हजार करोड़ खर्च किए जाएंगे. परियोजनाओं में भारत माला प्रोजेक्ट और एक्सप्रेस वे भी शामिल हैं.

बढ़ेंगी आर्थिक गतिविधियां : सड़कों का जाल बिछने से झारखंड में आर्थिक गतिविधियां भी बढ़ेंगी. खास कर वाराणसी-कोलकाता एक्सप्रेस वे रांची से होकर गुजरेगी. यह एक्सप्रेस वे बिहार और झारखंड दोनों राज्यों को जोड़ेगी, जबकि चार राज्यों यूपी, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के लिए लाइफ लाइन साबित होगी. इस प्रोजेक्ट की लंबाई 610 किलोमीटर है. यह छह लेन का होगा.

छत्तीसगढ़ सीमा तक बनेगी फोर लेन सड़क : गुमला से झारखंड-छत्तीसगढ़ सीमा तक भारत मामला प्रोजेक्ट के तहत फोर लेन सड़क बनेगी. इस प्रोजेक्ट पर 1300 करोड़ रुपए खर्च होंगे. खास बात यह है कि रांची से पलामू तक फोर लेन का काम पूरा हो गया है. वहीं पलामू से गुमला तक फोर लेन योजना पर काम चल रहा है. इसके पूरा होने पर रांची से सिमडेगा की दूरी डेढ़ से दो घंटे में पूरी हो जाएगी. धनबाद से रायपुर तक फोर लेन निर्माण में मदद मिलेगी.

रांची में तीन फ्लाईओवर और एलिवेटेड कॉरिडोर

राजधानी रांची में तीन फ्लाईओवर-एलिवेटेड कॉरिडोर पर तेजी से काम चल रहा है. रांची के रातू रोड में साढ़े तीन किलोमीटर की परियोजना 2025 में पूरी हो जाएगी. जबकि कांटाटोली फ्लाईओवर और सिरमटोली से डोरंडा तक बनने वाले फ्लाईओवर का काम भी अगले साल के अंत तक पूरा जाएगा. वहीं रांची में रातू रोड-हरमू, अरगोड़ा चौक, करमटोली चौक और कचहरी-लालपुर चौक में फ्लाईओवर बनाने की योजना का डीपीआर बन कर तैयार है. जल्द ही इन चार परियोजनाओं की मंजूरी मिल जाने से शहर में जाम की समस्या से काफी हद तक निजात मिल जाएगी.

जमशेदपुर में डबल डेकर एलिवेटेड कॉरिडोर

औद्योगिक नगरी जमशेदपुर में 10 किलोमीटर से अधिक लंबा डबल डेकर एलिवेटेड कॉरिडोर पर काम चल रहा है. डबल डेकर का निर्माण दो वर्षों में होना है. इससे झारखंड-ओडिशा-बंगाल की लाइफ लाइन एनएच-33 में ट्रैफिक जाम से मुक्ति मिलेगी.

क्या है फैक्ट फाइल

- पिछले तीन साल में 40 परियोजनाओं को मिली मंजूरी
- चल रहा 27 सड़क परियोजना, नौ रेलवे ओवरब्रिज और चार पुलों का निर्माण कार्य चल रह
- 14 हजार करोड़ से अधिक की लागत वाली योजनाओं में 5 योजनाएं पूर्ण
- चार योजनाओं पर 50 प्रतिशत से अधिक काम
- साहिबगंज में 1977 करोड़ की स्टैंड एलोन पुल परियोजना का चल रहा काम

आपकी बात

इरादें मजबूत और इच्छाशक्ति प्रबल हो, तो महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी कामयाबी का परचम लहरा सकती हैं.

नाम : रीमा घोष
पेशा : फैशन डिजाइनर
जन्मस्थल : झुमरी तिलैया
कार्यक्षेत्र : नागपुर (महाराष्ट्र)

रीमा घोष का जन्म 1976 में कोडरमा जिले के झुमरी तिलैया शहर में हुआ था. वह बचपन से ही पढ़ाई में काफी तेज थीं. उन्होंने 10वीं एवं 12वीं की पढ़ाई कोलकाता से की. रीमा को बचपन से कुछ अलग करने में रूचि थी. इसलिए उन्होंने 1996 में झुमरी तिलैया में पहला बुटीक खोला. यहां से जो भी कमाई होती थी, उससे थोड़ा बचाकर रीमा बच्चों को निःशुल्क पढ़ाती थीं. वहीं, जिन बच्चों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होती थी, उन्हें किताब और कॉपी खरीदने में मदद भी करती थीं. वर्ष 2005 में शादी हुई और नागपुर चली गईं. नागपुर जाने के बाद वहां बच्चों को पढ़ाने लगीं और उससे मिले पैसे से गरीब बच्चों की मदद करने लगीं. इसके बाद रीमा घोष ने नागपुर में भी एक बुटीक खोला. इसमें वह खादी के कपड़े को अलग-अलग अंदाज देकर डिजाइन करती हैं. खादी कपड़ों में बेहतरीन डिजाइन करने के लिए रीमा घोष को खादी ग्रामोद्योग की तरफ से अवार्ड देकर सम्मानित भी किया गया. इसके साथ ही अभी रीमा वेडिंग और इवेंट प्लानर के रूप में बड़े-बड़े आयोजनों को संचालित करवाती हैं. इसके साथ ही वह अपना एक नया व्यापार ट्रैवल वेल डिलाइट के नाम से चला रही हैं. रीमा कहती हैं कि अगर इरादें मजबूत और इच्छाशक्ति प्रबल हो, तो महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी कामयाबी का परचम लहरा सकती हैं. रीमा आज भी गरीब व असहाय बच्चों की मदद करने के साथ-साथ उनकी शिक्षा के लिए प्रयासरत रहती हैं.

रिसर्च प्रोजेक्ट के लिए होगी नियुक्ति, आज साक्षात्कार

रांची। वन एवं पर्यावरण मंत्रालय भारत सरकार के रिसर्च प्रोजेक्ट नेशनल एनवायरमेंटल हेल्थ प्रोफाइल के लिए रिम्स में संविदा के आधार पर 6 महीना अथवा प्रोजेक्ट के पूरा होने तक के लिए तीन पदों पर नियुक्ति के लिए विज्ञापन प्रकाशित किया गया है. डिपार्टमेंट ऑफ़ कम्युनिटी मेडिसिन के प्रोफेसर डॉ एसबी सिंह की देखरेख में शोध कार्य पूरा किया जाएगा. इनमें रिसर्च अस्सिटेंट के एक पद, फील्ड इन्वेस्टिगेटर सह टेक्नीशियन के एक पद और डाटा एंट्री ऑपरेटर के एक पद के लिए 1 दिसंबर को प्रशासनिक भवन के तीसरे तल्ले में डीन रिसर्च के कार्यालय में साक्षात्कार का आयोजन किया गया है.

परीक्षा तिथि आगे बढ़ाने के लिए वीसी को प्रतिवेदन

रांची। रिम्स के बीडीएस के सत्र 2022-27 के छात्रों ने पहले साल की परीक्षा की तिथि बढ़ाने की मांग की है. इसके लिए रांची विश्वविद्यालय के कुलपति से मिलने पहुचें थें. 5 दिसंबर से होने वाले परीक्षा को आगे बढ़ाने की मांग है. छात्रों ने बताया कि 5 दिसंबर से परीक्षा होने वाली इसकी जानकारी उन्हें 17 नवंबर को हुई, इससे पहले परीक्षा की तिथि लगभग दो महीना पहले परीक्षा के लिए नोटिफिकेशन जारी किया जाता है.

झारखंड में भ्रष्टाचार की 25,500 शिकायतें लंबित

कौन सुनेगा, किसको सुनाएं

संवाददाता। रांची

झारखंड में भ्रष्टाचार सहित अन्य दूसरी शिकायतें सुननेवाला कोई नहीं है. लोकायुक्त कार्यालय और सूचना आयोग में भ्रष्टाचार सहित अन्य शिकायतों की सूची लंबी होती जा रही है. लोकायुक्त कार्यालय में लगभग 2500 शिकायतें लंबित हो गई हैं. वहीं राज्य सूचना आयोग में लगभग 23,000 हजार शिकायतें लंबित हैं. तीन साल गुजरने के बाद भी राज्य में न तो लोकायुक्त और न ही सूचना आयुक्त की नियुक्ति हो पाई है. नेता प्रतिपक्ष के चयन के बाद भी राज्य में सूचना आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाई है. सूचना आयुक्तों के लिए दो बार आवेदन लिए गए थे. इसमें कई हेवीवेट आईएएस और पत्रकारों ने भी आवेदन किया था.

खास बातें

- सूचना आयोग में 23,000 हजार शिकायतें हैं लंबित
- सूचना आयुक्तों की नियुक्ति का विज्ञापन निकला

तीन साल से खाली है लोकायुक्त का पद

झारखंड में लोकायुक्त का पद पिछले तीन साल से खाली है .लोकायुक्त की नियुक्ति राज्य सरकार लोक सेवकों के भ्रष्टाचार पर काबू पाने के लिए करती है. झारखंड में अब तक तीन लोकायुक्तों की नियुक्ति की गई है. अंतिम लोकायुक्त रिटायर्ड जस्टिस डीएन उपाध्याय थे. जून 2021 में तत्कालीन लोकायुक्त ने अस्वस्थता के कारण अपना दायित्व सचिव को सौंप दिया. उसी साल उनका निधन हो गया. इसके बाद से नए लोकायुक्त की नियुक्ति नहीं हो पाई है.

जनवरी 2020 में निकला था सूचना आयुक्तों की नियुक्ति का विज्ञापन : हेमंत सरकार ने जनवरी 2020 में सूचना आयुक्तों की नियुक्ति का विज्ञापन जारी किया था. इसमें कार्मिक विभाग को लगभग 417 आवेदन प्राप्त हुए थे. इसमें सूचना आयुक्त के लिए 354 और मुख्य सूचना आयुक्त के लिए 63 लोगों ने आवेदन किया है.

आवेदन मंगाने के तीन साल बाद भी नियुक्ति नहीं हो पाई है. इसकी वजह यह है कि सूचना आयुक्तों की नियुक्ति के लिए जरूरी तीन सदस्यों वाली चयन समिति में मुख्यमंत्री के अलावा नेता प्रतिपक्ष भी होते हैं. तीन साल तक नेता प्रतिपक्ष का मामला फंसा रहा, जिससे मामला अटका ही रहा. फिलहाल नेता प्रतिपक्ष का चयन हो चुका है.

रांची नगर निगम कार्यालय में शुरू किया गया दीदी कैंटीन

रांची। रांची नगर निगम के पांचवें तल्ले पर स्वयं सहयाता समूह की महिलाओं द्वारा दीदी कैंटीन शुरू किया गया. यह कैंटीन धुर्वा की मंजिल स्वयं सहायाता समूह और बरियातू के द्वीप स्वयं सहायता समूह द्वारा शुरू किया गया है. यह पहल नगर प्रशासक अमित कुमार और अपर नगर प्रशासक कुंवर सिंह पाहन आदेश के बाद की गयी. मौके पर मौजूद स्वयं सहायाता समूह की महिलाओं ने नगर प्रशासक और अपर नगर प्रशासक का इस फैसले के लिए आभार जताया.

4 और 5 को लगेगा जैक का कैंप

संवाददाता। रांची

झारखंड के स्कूलों में वोटर आईडी बनवाने के लिए कैंप लगाया जाएगा. ये कैंप झारखंड के उन सभी प्लस टू स्कूलों और जहां इंटरमीडिएट की पढ़ाई होती है, में लगाया जाएगा. यहां उन बच्चों को चिन्हित किया जाएगा, जिनकी उम्र 18 वर्ष होने वाली है या हो चुकी है. कैंप 4 और 5 दिसंबर को लगाया जाना है. इसके लिए झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने लेटर जारी किया है. दरसअल झारखंड एकेडमिक काउंसिल ने सभी प्लस टू स्कूलों में डेटा जांच कैंप लगाने के लिए सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को पत्र लिखा था, पत्र में कहा है कि रजिस्ट्रेशन और परीक्षा फार्म में छात्र अपने अपने नाम, माता-पिता का नाम, जन्म तिथि, फोटो, हस्ताक्षर और अन्य त्रुटियों की सुधार करने के लिए स्कूल के कैंप में आएं और सुधार कर लें. ताकि किसी विद्यार्थी को किसी प्रकार की कोई दिक्कत ना हो और बाद में चक्कर काटना ना पडे. इसके बाद झारखंड के निर्वाचन पदाधिकारी ने लेटर जारी कर कहा कि कैंप में डाटा सत्यापन के लिए आवश्यक दस्तावेजों के साथ आने वाले सभी छात्र - छात्राओं का नाम सहजता से मतदाता सूची से जांच करते हुए मतदाता सूची में दर्ज करने हेतु प्रपत्र 6 प्राप्त किया जाए. इसमें वे छात्र शामिल होंगे जो 11वीं और 12वीं की परीक्षा 2024 में देंगे.

जैक ऐसा पहली बार करने जा रहा है. पहले कैंप लगा कर त्रुटियों का सुधार नहीं किया जाता था. कई बच्चों के रजिस्ट्रेशन और परीक्षा फार्म भरने में कई प्रकार की त्रुटियां हो जाती थीं, जिसकी वजह से परेशानी होती थी. स्कूल से लेकर जैक ऑफिस का चक्कर काटना पढ़ता था. ऐसे में कई छात्रों का लंबा वक्त लग जाता था, सुधार करने में.

शीर्ष 25 स्कूलों का होगा चयन

संवाददाता। रांची

केंद्र सरकार द्वारा आयोजित 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के तहत राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में भारतीय भाषा उत्सव 2023 का आयोजन किया जा रहा है. इसके आयोजन में सक्रिय भागीदारी निभाने वाले शीर्ष 25 विद्यालयों का चयन राज्य स्तर पर किया जाएगा. इसके लिए राज्य शिक्षा परियोजना ने सभी जिलों के शिक्षा पदाधिकारियों को पत्र जारी किया है.

प्रत्येक जिले से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एक-एक स्कूल का चयन कर राज्य शिक्षा परियोजना कार्यालय को भेजने का निर्देश दिया गया है. चयनित शीर्ष 25 स्कूलों के बच्चों को गोवा राज्य के स्कूली बच्चों के साथ वर्चुअल इंटरैक्शन करवाया जायेगा. इस पारस्परिक वार्तालाप से राज्य के बच्चे गोवा के स्कूली बच्चों के साथ वर्चुअल बातचीत कर एक दूसरे के सांस्कृतिक और भाषायी विविधता की जानकारी प्राप्त करेंगे. भारतीय भाषा उत्सव का समापन 11 दिसंबर को महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के अवसर पर होगा.

भारतीय भाषा उत्सव में सक्रिय भागीदारी निभावाली बच्चियां.

महिला सहायता समूहों को 15 हजार ड्रोन देगा केंद्र : पीएम

संवाददाता। रांची/देवघर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को दिल्ली से देवघर एम्स में स्थित पीएम जन औषधि केंद्र का ऑनलाइन उद्घाटन किया. इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड के कई जन औषधि केंद्र के लाभार्थियों से बात भी की. उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा पूरे देश में सरकार की प्रमुख योजनाओं की संपूर्ण पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुरू की गई है. ताकि इन योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से सभी लक्षित लाभार्थियों तक पहुंचे. कहा कि केंद्र सरकार महिला सहायता समूहों को 15 हजार ड्रोन देगी. पीएम ने झारखंड के कई जन औषधि केंद्र के लाभार्थियों से बातचीत की.

मोदी की गारंटी वाली गाड़ी जा रही है गांव-गांव : पीएम ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा 'मोदी की गारंटी' वाली गाड़ी है और गांव-गांव जा रही है. उन्होंने ओडिशा के लाभार्थी से आग्रह किया कि उन्हें अब देश को विकसित बनाने में योगदान का संकल्प लेना चाहिए और इस अभियान में गांव के लोगों को भी जोड़ना चाहिए.

अगले 14 महीने में राज्य कैडर के 26 आईएएस हो जाएंगे सेवानिवृत्त

एपी सिंह और मनोज जायसवाल रिटायर

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड कैडर के मुख्य सचिव रैंक के अफसर एपी सिंह गुरुवार को रिटायर हो गए. वहीं कमिश्नर मनोज जायसवाल भी 30 नवंबर को सेवानिवृत हो गए. अगले 14 महीने में 26 अफसर रियायर हो जाएंगे. विकास आयुक्त अरुण कुमार सिंह 30 दिसंबर को रिटायर होंगे. मुख्य सचिव सुखदेव सिंह और राजीव अरुण एक्का 31 मार्च 2024 को रिटायर होंगे. अगले साल रिटायर होने वाले अफसरों में मुख्य सचिव रैंक के अफसर एनएन सिन्हा, सुखदेव सिंह, एल खियांग्यते, एमएस भाटिया, एसकेजी रहाटे के अलावा सुरेंद्र सिंह, राजीव अरुण एक्का, कमलेश्वर प्रसाद, यतींद्र प्रसाद, चंद्रकिशोर उरांव, सुनील कुमार, राजीव रंजन मिश्र, आलोक त्रिवेदी,संजय सिन्हा, अनिल कुमार सिंह सहित अन्य शामिल हैं.

खास बातें

- अपर मुख्य सचिव रैंक के अफसर हैं एपी सिंह
- मुख्य सचिव सुखदेव सिंह 31 मार्च को रिटायर हो जाएंगे

कौन-कब होंगे रिटायर

अरुण कुमार सिं- 30-12-2023, एपी सिंह- 30-11-2023, मनोज जायसवाल- 30-11-2023, एनएन सिन्हा- 31-07-2024, सुखदेव सिंह- 31-03-2024, एल खियांग्यते- 31-10-2024, एमएस भाटिया- 30-09-2024, एसकेजी रहाटे- 30-04-2024, सुरेंद्र सिंह- 30-06-2024, राजीव अरूण एक्का- 31-03-2024, कमलेश्वर प्रसाद- 31-01-2024, यतींद्र प्रसाद- 31-01-2024, चंद्रकिशोर उरांव- 31-05-2024, सुनील कुमार- 31-01-2024, राजीव रंजन मिश्रा-31-01-2024,आलोक त्रिवेदी- 31-08-2024, संजय सिन्हा- 31-05-2024, अनिल कुमार सिंह-29-02-2024, इंदू रानी- 31-01-2024, दशरथ चंद्र दास- 20-02-2024, गायत्री कुमारी- 31-03-2024, संजय अंबष्ठ- 31-01-2024, अंजनी दूबे- 30-04-2024, अमित प्रकाश- 31-12-2024, अरविंद कुमार- 29-02-2024, राजू रंजन राय—31-12-2024 और अनिल कुमार- 30-06-2024.

बड़ी लकीर तसर फूड प्लांट, रेशम कीट व कोकून से उत्पादकता में सुधार के लिए 25 अनुसंधान परियोजनाएं शुरू

70% तसर उत्पादन झारखंड में, 30 करोड़ का कारोबार

रवि भारती। रांची

झारखंड में सिल्क इंडस्ट्रीज ने एक बड़ी लकीर खींच दी है. इस उद्योग को और बढ़ावा देने के लिए लोगों को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है. अब तक इस उद्योग से प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से 2.50 लाख लोग जुड़े हैं. वर्ष 2022-23 में राज्य में 900 मिट्रिक टन कच्चे रेशम का उत्पादन किया गया था. वर्ष 2023-24 में इसे बढ़ा कर 2300 मिट्रिक टन उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है. वहीं इस उद्योग को बढ़ावा देने के लिए लिए तसर फूड प्लांट, रेशम कीट और कुकून से संबंधित उत्पादकता में सुधार के लिए 25 अनुसंधान परियोजनाएं शुरू की गईं हैं. साथ ही रेशम उत्पादन से जुड़े 6300 लोगों को उन्नत कीट पालन का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है. इसके अलावा रीलिंग, स्पिनिंग व पोस्ट कुकून क्रियाकलापों से संबंधित विभिन्न योजनाएं भी चल रही हैं.

कोल्हान में होता है 35 फीसदी तसर कोसा का उत्पादन : झारखंड में 35 फीसदी तसर कोसा का उत्पादन कोल्हान में होता है. उद्योग विभाग ने कोल्हान में तसर का उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया है। इसके लिए छह क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान स्टेशनों,तीन अनुसंधान विस्तार केंद्रों से अत्याधुनिक तकनीकी जानकारी प्रदान की जा रही है।

तसर उत्पादन के लिए झारखंड की जलवायु उपयुक्त : तसर उत्पादन के लिए झारखंड की जलवायु उपयुक्त है. अर्जुन, आसान व साल की पत्तियों को ग्रहण कर तसर उत्पादित करने की दुर्लभ क्षमता प्रकृति ने कुछ विलक्षण एवं विशिष्ट प्रकार के कीटों को प्रदान की है. राज्य में संबंधित पेड़ों की बहुलता तसर उत्पादन का बड़ा आधार है. इन पेड़ों की पत्तियां इन कीटों के लिए बेहतरीन भोज्य हैं, जो बेहतरीन तसर के उत्पादन का वाहक है. वहीं तसर कीटपालन परोक्ष रूप से पर्यावरण एवं वन संरक्षण में भी सहायक है.

खरसावां-कुचाई आर्गेनिक रेशम के लिए पूरे देश में प्रसिद्ध

देश में कुल उत्पादित तसर का 70 फीसदी उत्पादन अकेले झारखंड में ही होता है. झारखंड का खरसावां-कुचाई आर्गेनिक रेशम उत्पादन के लिए पूरे देश में प्रसिद्धि पा चुका है. झारखंड में सिल्क का सालाना कारोबार लगभग 30 करोड़ रुपये का है. यहां के कुकून की भारी मांग है. राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत संचालित जेएसएलपीएस द्वारा महिलाओं को इसकी खेती का प्रशिक्षण दिया जा रहा है.

ऑर्गेनिक तसर का मिल चुका है दर्जा

खरसावां- कुचाई में तैयार तसर को आर्गेनिक का दर्जा मिल चुका है. इसकी मांग विदेश में भी है. कुचाई प्रखंड में सबसे अधिक सिल्क का उत्पादन होता है. झारक्रॉफ्ट की ओर से कुचाई सिल्क के नाम से सिल्क साड़ी विदेशों में भी धूम मचा रही है. राज्य सरकार और एनजीओ के माध्यम से वान्या कलस्टर संवर्धन कार्यक्रम, महिला किसान सशक्तीकरण परियोजना जैसे विभिन्न कार्यक्रमों की शुरुआत की गई है. महिला किसान सशक्तीकरण परियोजना के अंतर्गत राज्यों को नर्सरी स्थापित करने और खाद्य पौधों, बीज फसल, रिंग वाणिज्य ग्रेडिंग के साथ रेशम कीट भी उत्पादन के लिए सहायता प्रदान की गई है.

अवैध खनन की जांच कर लौटी सीबीआई टीम

रांची। साहिबगंज जिले में हुए अवैध खनन मामले की जांच करने वहां पहुंची सीबीआई की टीम रांची लौट आयी है. रांची आने से पहले टीम ने बुधवार को दिनभर व्यवहार न्यायालय के एडीजे कोर्ट 2 से ईडी के मुख्य गवाह विजय हांसदा से जुड़े मामले की जांच की. उसके बाद बुधवार देर रात भागलपुर रांची वनांचल एक्सप्रेस से रांची लौट आयी. एक सप्ताह के अंदर दूसरी बार आने के बाद इस बार टीम कुछ साक्ष्य लेकर वापस लौटी है. जानकारी के मुताबिक, टीम कोर्ट से जरूरी दस्तावेज की नकल लेकर गयी है. उम्मीद जताई जा रही है कि सीबीआई साहिबगंज एसपी नौशाद आलम के अलावा ईडी के गवाह विजय हांसदा को प्रभावित करने के आरोपी विजय हांसदा के बॉडीगार्ड और अन्य पुलिसकर्मियों से जल्द ही पूछताछ कर सकती है.

क्लासिफाइड

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | शुक्रवार, 01 दिसंबर 2023 ● मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष 4, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 223 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

ब्रीफ खबरें

नारी, युवा, किसान व गरीब हैं सबसे बड़ी जातियां : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्न मोदी ने गुरवार को को कहा कि 'विकसित भारत' का संकल्प नारी, युवा, किसान और गरीब के चार 'अमृत स्तंभों' पर टिका है और यही चार उनके लिए सबसे बड़ी जातियां हैं, जिनका उत्थान ही भारत को विकसित बनाएगा.

97 तेजस विमानों की खरीद को मिली मंजूरी

नई दिल्ली। भारत ने सशस्त्र बलों की समग्र लड़ाकू क्षमता को बढ़ावा देने के लिए 97 तेजस हल्के लड़ाकू विमानों और लगभग 150 प्रचंड हेलीकॉप्टर की अतिरिक्त खेप की खरीद के लिए गुरुवार को प्रारंभिक मंजूरी दे दी. आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी.

दूसरी तिमाही में 7.6% पर सरकारी आंकड़ा

नई दिल्ली। विनिर्माण क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन के साथ देश की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 7.6 प्रतिशत रही. एक साल पहले इसी तिमाही में यह 6.2 प्रतिशत थी. गुरुवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गयी.

सर्वेक्षण रिपोर्ट जमा करने के लिए 10 दिन

वाराणसी। वाराणसी की जिला अदालत ने गुरुवार को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को ज्ञानवापी परिसर की वैज्ञानिक सर्वेक्षण रिपोर्ट पूरी करने और जमा करने के लिए 10 और दिन का समय दिया है. हिंदू पक्ष के वकील ने यह जानकारी दी.

पेट्रोल, डीजल की कीमतों में संशोधन

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां पेट्रोल और डीजल की कीमतों में दैनिक आधार पर संशोधन तभी शुरू करेगी, जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 80 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से नीचे स्थिर हो जाएंगी.

पांचों राज्यों में भाजपा हारेगी: गहलोत

नई दिल्ली। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गुरुवार को कहा कि चुनाव बाद सर्वेक्षणों (एग्जिट पोल) में कुछ भी आंकड़े दिखाए जाएं, लेकिन मुझे लगता है कि राजस्थान ही नहीं सभी पांच राज्यों में कांग्रेस की ही सरकार बनेगी.

श्रमिक जांच में स्वस्थ जा सकते हैं अपने घर

ऋषिकेश। उत्तरकाशी जिले की सिलक्यारा सुरंग से निकाले गए सभी 41 श्रमिक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), ऋषिकेश में हुई चिकित्सकीय जांचों में स्वस्थ पाए गए हैं और अब वे अपने घर जा सकते हैं.

संसद सत्र से पहले कल सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने संसद के शीतकालीन सत्र से पहले शनिवार को लोकसभा और राज्यसभा में विभिन्न दलों के नेताओं की बैठक बुलाई है. इसमें तमाम मुद्दों पर चर्चा होगी.

भारत से संबंधों के पैरोकार थे किसिंजर

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री हेनरी किसिंजर का बुधवार को निधन हो गया. वह 100 वर्ष के थे. उन्हें 1970 के दशक में भारतीय नेतृत्व के प्रति उनकी उपेक्षा और उदासीनता के लिए जाना जाता है.

झारखंड के 15 श्रमिक आज घर पहुंचेंगे

रांची। सुरंग से बचाए गए झारखंड के 15 श्रमिक गुरुवार को देहरादून पहुंचे, जहां से उन्हें विमान के जरिए दिल्ली ले जाया जाएगा. श्रमिकों को विमान से दिल्ली लाने के बाद फिर हवाई मार्ग से रांची भेजा जाएगा.

शूटरों पर कठोर कार्रवाई चाहते हैं धनबाद के व्यवसायी

संवाददाता। धनबाद

धनबाद के वासेपुर में नन्हे खान की हत्या के बाद दो साल से फरार गैंगस्टर प्रिंस खान का आतंक खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है. प्रिंस खान और गैंग के गुर्गे लगातार दो साल से बैंकमोड़, पुराना बाजार, हीरापुर समेत शहर के अन्य इलाकों के व्यवसायियों से फोन कर रंगदारी मांग रहे हैं. इनकार करने पर दहशत फैलाने के लिए फायरिंग कर लहूलुहान कर देते हैं. कई व्यवसायों को अपनी जान भी गंवानी पड़ी है. दहशतजदां व्यवसायी अब गैंग के शूटरों के खिलाफ कठोर कार्रवाई चाहते हैं. वे कहते हैं कि यदि पुलिस एक-दो शूटरों पर कठोर कार्रवाई करे, तो गैंग का आतंक खत्म हो सकता है. पुलिस को रिस्क उठाना होगा, वरना कारोबारी गोलियां खाते रहेंगे.

प्रिंस खान गैंग के शूटरों ने तीन दिन में बैंकमोड़ के 50 व्यवसायियों से मांगी रंगदारी

गैंगस्टर प्रिंस खान की फाइल फोटो

व्यवसायियों ने 1 नवंबर को किया था धनबाद बंद

ज्ञात हो कि 12 अगस्त को बैंकमोड़ स्थित सलूजा मोटर्स के संचालक बलबिंदर सिंह और 28 अक्टूबर को दीपक अग्रवाल पर गैंग के शूटरों ने गोलियां चलाई थी. इन घटनाओं के विरोध में धनबाद जिले के सभी चैंबर ऑफ कॉमर्स ने मिलकर एक नवंबर को धनबाद बंद किया और अनिश्चितकाल के लिए दुकानें नहीं खोलने की बात कही. लेकिन एसएसपी संजीव कुमार के आश्वासन के बाद कारोबारियों ने आंदोलन वापस ले लिया. फिर धनतेरस से पहले दूसरे दिन ही दुकानें खुल गईं. प्रिंस खान ने धमकी दी थी कि दीपावली में वह बड़ा धमाका करेगा. हालांकि ऐसा कुछ नहीं हुआ. व्यवसायियों को लगा कि पुलिस की सख्ती और सुरक्षा बढ़ने से प्रिंस गैंग बैक फुट पर चला गया. कुछ दिन बीते ही थे कि प्रिंस खान के गुर्गों ने बैंकमोड़ समेत कई इलाकों के व्यवसायियों को फोन कर रंगदारी मांगनी शुरू कर दी. देखते ही देखते गोविंदपुर के जमीन कारोबारी कृष्णा मंडल को दो शूटरों ने गोली मार दी और भाग निकले. हाल ही मे तीन दिनों के भीतर शूटरों ने लगभग 50 व्यवसायियों को फोन कर रंगदारी मांगी है.

कोरोना से भी ज्यादा खतरनाक बीमारी की तरह फैल रही रंगदारी

बैंकमोड़ चैंबर के पूर्व अध्यक्ष प्रभात सुरोलिया ने कहा कि कोरोना से भी खतरनाक बीमारी की तरह रंगदारी का चलन फैल चुका है. दो साल से रंगदारी मांगी जा रही है. शूटर गोलियां भी बरसा रहे हैं. बिना समय गंवाए पुलिस को मास स्केल पर काम करना होगा.

व्यवसायियों पर जब संकट आया तो बोलने से बचे चेतन गोयनका

बैंक मोड़ चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष चेतन गोयनका से तीन दिन के भीतर दर्जनों व्यवसायियों से मांगी गई रंगदारी और आगे की रणनीति के बारे में पूछा गया, तो वह बोलने से बचते रहे. उन्होंने कहा कि बाद में बात करेंगे.

लग सकता है बिजली का झटका, बढ़ेगा बिल

25% तक होगी वृद्धि

कौशल आनंद। रांची

जेबीवीएनएल ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए नया बिजली टैरिफ पिटीशन और एनुअल रेवन्यू रिक्वायरमेंट (एआरआर) झारखंड विद्युत नियामक आयोग में दाखिल किया है. जिसमें जेबीवीएनएल ने अपने खर्च के लिए 10800 करोड़ रूपए की जरूरत बताया है. इसी आधार पर बिजली टैरिफ बढ़ाने का आग्रह किया है. जेबीवीएनएल सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 10800 करोड़ की भरपाई के लिए करीब 25 प्रतिशत तक बिजली टैरिफ में बढ़ाने का प्रस्ताव है. जेबीवीएनएल ने अपने पिटीशन में अभी किस वर्ग में कितना बढ़ोतरी होगा, इसका खाका नहीं दिया है. ओवर ऑल खर्च की जरूरत के हिसाब से करीब 25 प्रतिशत बढ़ोतरी का प्रस्ताव है. बहुत जल्द जेबीवीएनएल वर्ग आधार पर बिजली दर बढ़ोतरी का खाका आयोग को सौंपेगा. बताते चलें कि जेबीवीएनएल हर वर्ष 30 नंवबर को झारखंड विद्युत नियामक आयोग को अपना नए वित्तीय वर्ष के लिए बिजली टैरिफ पिटिशन दाखिल करता है. इसी प्रक्रिया के तहत इसे दाखिल किया गया है.

अंतिम निर्णय आयोग लेगा, 5 महीने तक का लग सकता है समय : जेबीवीएनएल के नए बिजली टैरिफ पर अंतिम निर्णय विद्युत नियामक आयोग लेगा. आयोग नए टैरिफ को स्वीकार करेगा. इसके बाद जेबीवीएनएल द्वारा किस श्रेणी में कितनी दर बढ़ानी है इससे संबंधित प्रस्ताव दिया जायेगा. तब आयोग जनसुनवाई आयोजित करके इस पर अंतिम निर्णय लेगा. सारी प्रकिया पूरी होने में लगभग पांच महीने तक का समय लग सकता है.

- जेबीवीएनएल ने वित्तीय वर्ष 24-25 के लिए नया टैरिफ पिटीशन और एआरआर दाखिल किया
- चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 के बिजली टैरिफ पर दिसंबर में जनसुनवाई आयोजित करेगा आयोग
- हो सकता है आयोग दोनों वित्तीय का एक साथ समायोजन करके एक टैरिफ जारी करे

टैरिफ पर दिसंबर में जनसुनवाई शुरू करेगा आयोग

वित्तीय वर्ष 2023-24 के टैरिफ पर झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग जनसुनवाई की प्रक्रिया आरंभ करेगा. दिसंबर के पहले सप्ताह यह प्रक्रिया आरंभ हो सकती है. संभावना है कि आयोग दोनों वित्तीय वर्ष का एक साथ जनसुनवाई आयोजित कर दोनों वित्तीय वर्ष का समायोजन करके नया बिजली टैरिफ दे. मालूम हो कि इस टैरिफ में घरेलू उपभोक्ताओं की बिजली दर प्रति यूनिट 2.30 रुपये बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है. इतना ही नहीं फिक्स्ड चार्ज में भी भारी बढ़ोत्तरी का प्रस्ताव है. वर्तमान में शहरी घरेलू उपभोक्ताओं की दर 6.30 रुपये/यूनिट है. जिसे बढ़ा कर 8.60 रुपये/ यूनिट करने का प्रस्ताव है. यह दर 400 यूनिट से अधिक खपत करनेवाले उपभोक्ताओं के लिए है. जबकि 400 यूनिट तक खपत करने वाले उपभोक्ताओं की दर 7.60 रुपये/ यूनिट करने का प्रस्ताव है.

अभी यह है बिजली और फिक्स दर (रु में)

श्रेणी	वर्तमान बिजली दर	वर्तमान फिक्स दर	प्रस्तावित बिजली दर	प्रस्तावित फिक्स दर
घरेलू ग्रामीण	5.75	20	7.00	75
घरेलू शहरी	6.30	75	8.60	100किवा
घरेलू एचटी	6.00	100	8.60	100केवी
कॉमर्शियल रूरल	6.75	50किवा	8.25	200 किवा
कॉमर्शियल अरबन	6.00	100 किवा	9.00	250 किवा
सिंचाई	5.00	20 एचपी	8.00	50 एचपी
एलटीआईएस	5.75 केवीएच	9.00.केवीएच	300केवीएच	....

जनवरी तक नयी दर

नियामक आयोग ने जून से नयी टैरिफ की घोषणा की थी. अब सीधे 23-24 के टैरिफ पर जनसुनवाई होगी. जिसे जनवरी तक घोषित कर दिये जाने की संभावना है.

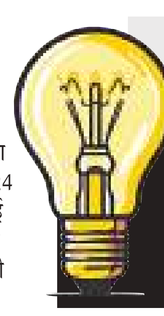

वर्तमान में कंज्यूमरों को मिली रही है यह सब्सिडी और फ्री योजना

- 100 यूनिट खपत पर फ्री बिजली
- 100-200 यूनिट पर बिजली खपत पर सब्सिडी 2.75 रूपया प्रति यूनिट
- 201-400 यूनिट बिजली खपत पर सब्सिडी 2.05 रूपए प्रति यूनिट
- 400 यूनिट के उपर कोई सब्सिडी नहीं

एक पेड़ , 5 यूनिट फ्री बिजली योजना की कोडरमा से शुरुआत

विशेष संवाददाता। रांची

एक पेड़ लगाएं, 5 यूनिट बिजली फ्री पाएं. सीएम की इस घोषणा के बाद जेबीवीएनएल ने इसका मैकेनिज्म तैयार कर लिया है. पायलट प्रोजेक्ट के तहत प्रथम चरण में कोडरमा से इसकी शुरुआत की जाएगी. वैसे तो यह यह योजना पूरी तरह से शहरी क्षेत्र के लिए है, मगर रांची में इसे फिलहाल लागू नहीं किया जाएगा. जहां स्मार्ट मीटर लगा है या लगाया जा रहा है, वहां उसे लागू नहीं किया जाएगा. जेबीवीएनएल, वन विभाग और नगर निकायों ने मिलकर योजना जमीन पर उतारने की तैयारी की है.

पेड़ों की गिनती नगर निगम-निकाय करेंगे

जेबीवीएनएल और वन विभाग ने पेड़ों की गिनती के लिए प्रपोजल तैयार किया है. झारखंड के शहरी क्षेत्रों में पौधरोपण को बढ़ावा देने और प्राकृतिक वातावरण को ठीक रखने के लिए इस योजना को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की घोषणा के अनुरूप तैयार किया है. शहरों में लगाये गये पेड़ों की गणना निगर निकाय के अधिकारी करेंगे. वन विभाग को इसकी सूचना दी जाएगी. इसके बाद विन विभाग के अधिकारी पौधों और पेड़ों की सूची की मॉनिटरिंग करेंगे.

गृहमंत्री अमित शाह पहुंचे रांची, गए हजारीबाग

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार को रांची पहुंचे. एयरपोर्ट पर उनका स्वागत भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने किया. शाह शुक्रवार को हजारीबाग में बीएसएफ के स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगे.

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में सीएम पहुंचे गढ़वा, विपक्ष पर फिर हमला

विकास देख विपक्ष के पेट में दर्द

विशेष संवाददाता। रांची/गढ़वा

- युवाओं से कहा : आप तैयार रहें, 40 हजार नियुक्तियों की वेकेंसी निकलने वाली हैं
- विपक्ष को बूढ़ा पहाड़ के नाम से सांप सूंघ जाता था, हमने वहां ग्रामीणों के साथ खाना खाया

सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम के तहत दो दिवसीय पलामू दौरे के क्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गुरुवार को गढ़वा पहुंचे. गढ़वा में भी मुख्यमंत्री अपने तेवर पर नजर आए. उन्होंने न केवल विपक्ष पर जोदार हमला जारी रखा, वहीं युवाओं से कहा कि आप तैयार रहें, 40 हजार नियुक्तियां जल्द निकलने जा रही है. मुख्यमंत्री ने कहा कि जब भी हम झारखंड का हक और अधिकार केंद्र सरकार से मांगते हैं, षड़यंत्रकारी चाल चलना शुरू कर देते हैं. मगर हम तो अपना हक और अधिकार लेकर रहेंगे. विपक्ष को विकास नजर नहीं आता है, विकास कार्य देख कर विपक्ष के पेट में दर्द होने लगा है.

सीएम ने उग्रवाद की चर्चा की करते हुए कहा कि गढ़वा में एक बड़ी समस्या थी उग्रवाद की. यहीं बगल में बूढ़ापहाड़ है. विपक्ष को सांप सूंघ गया था कि कोई बूढ़ा पहाड़ नहीं गया. आपका मुख्यमंत्री बूढ़ा पहाड़ जाकर ग्रामीणों के साथ खाना खाया. बूढ़ा पहाड़ के नाम से लोग कांपते थे लेकिन अब वहां ग्रामीणों के चेहरे पर मुस्कान आएगी. विपक्ष कहता है हमने आपको ठगा. इनको कौन बताए कि यहां कितनों को पेंशन मिल रही है.

70 हजार को मिला नियुक्ति पत्र, 40 हजार नौकरी निकलने वाली है : सीएम ने रोजगार की चर्चा करते हुए कहा,पढ़े-लिखे के लिए जेपीएससी और जेएसएससी से नौकरी निकल रही है. युवा तैयार रहें. अभी 40 हजार और भी नियुक्ति निकलेगी. जो पढ़ाई करना चाहता है उसके लिए भी सरकार तैयार है. 400 बच्चों को रहने के लिए जगह दे रहे, खाने के लिए खाना दे रहे. योजनाएं गिनाने बैठ जाऊं तो रात हो जाएगी. हमने 70 हजार से ज्यादा नियुक्ति पत्र लोगों को दिया. चाहे वो सरकारी हो गैर सरकारी. सभी जिलों में किसान पाठशाला खोलेंगे, जिसमें उन्हें मुश्किल परिस्थितियों से निबटने की जानकारी दी जाएगी. कहा कि पढ़े-लिखे, कम पढ़े-लिखे नौजवान और जो नहीं पढ़ पाए हैं उनके लिए अलग-अलग योजनायें शुरू की गयी हैं जिससे वह अपने पैरों पर खड़ा हो सकें. क्योंकि गरीब को तो बैंक भी लोन नहीं देता है.

गरीबों को भी मिलेगी 24 घंटे मिलेगी बिजली

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि सभी गरीबों को 100 यूनिट बिजली फ्री दे रहे हैं. ग्रामीण इलाकों में किसी को भी बिजली बिल नहीं देना होगा. पूरे राज्य का विद्युतिकरण किया जाएगा.शहर या गांव सभी को 24 घंटे बिजली दी जाएगी. कमजोर और बीमारू राज्य को नया युवा झारखंड बनाएंगा। देश का अव्वल राज्य बनाएंगे.

पनौती पर नाहक इतनी लठैती

बैजनाथ मिश्र

वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

मोदी चाहते तो महाज्ञानी की व्यंजना से अपनी बात श्रोताओं तक पहुंचा सकते थे, लेकिन वह अभिधा पर उतर आये और राहुल को मूर्खों का सरदार कह दिया

प्रसंगवश

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव संपन्न हो गये. रविवार को नतीजे भी आ जाएंगे. लेकिन चुनाव प्रचार के दौरान राजस्थान में पनौती शब्द का भभूका ऐसा उठा कि पूरी सियासत उसी के चतुर्दिक घूमने लगी. यह पनौती लोकसभा चुनाव में भी चुनौती बनेगी या नहीं, पता नहीं, लेकिन भगत सिंह के अवतारी नेताओं की पार्टी ने पनौती भगाओ. देश बचाओ की हांक लगा दी है. हालांकि इस शब्द का आविर्भाव राहुल गांधी के श्री मुख से हुआ है. उन्हें मध्यप्रदेश में चुनावी मंच से नरेंद्र मोदी ने बिना नाम लिये पहले महाज्ञानी और फिर मूर्खों का सरदार कह दिया था. नरेंद्र मोदी चाहते तो महाज्ञानी की व्यंजना से भी अपनी बात श्रोताओं तक पहुंचा सकते थे, लेकिन वह अभिधा पर उतर आये और राहुल को मूर्खों का सरदार कह दिया. इसका जवाब राहुल गांधी ने राजस्थान में दिया. वह भी फूहड़ अभिधा में. उन्होंने साफ-साफ कहा कि पीएम मायने पनौती मोदी. राहुल को मौका मिला वर्ल्ड कप क्रिकेट के फाइनल में नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में ऑस्ट्रेलिया के हाथों भारत की शर्मनाक पराजय से. राहुल चाहते तो केवल पनौती से काम चला लेते, लेकिन उन्हें शायद जनता की समझ पर भरोसा नहीं था. इसलिए उन्होंने प्रत्यक्ष संवाद संप्रेषण जरूरी समझा और पनौती मोदी कह दिया. अगली सभा में उन्होंने मोदी को जेबकतरा भी कहा. लेकिन हंगामा मचा पनौती पर. दोनों ओर से वार-पलटवार हुए. अब भी हो रहे हैं. भाजपा और कांग्रेस दोनों राहुल और मोदी को पनौती साबित करने के लिए आधार, तर्क तथा कारण उछाल रहे हैं. इसलिए सवाल यह उठता है कि क्या यह द्वंद्व चौकीदार चोर है की तरह लोकसभा चुनाव में भी चलेगा ?

चुनाव लोकतंत्र का उत्सव, प्रचारक होलियाना अंदाज में होते हैं : इसी अखबार में अपने आलेख में एक पत्रकार मित्र ने पनौती का अर्थ सुझाया था. उन्होंने बताया था कि पनौती के मायने होता है प्रलयंकारी बाढ़ या शनि की महादशा. अगर पनौती का यही अर्थ होता है, तो राहुल गांधी ने क्या सोच-समझ कर इसका इस्तेमाल मोदी के लिए किया और मोदी ब्रिगेड हमलावर क्यों हो गयी ? दरअसल शब्द अपनी विकास यात्रा में नए अर्थ धारण करते हैं. उनका अर्थ संकुचन भी होता है और अर्थ विस्तार भी. संभवतः पनौती के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ है. यह शब्द नये अर्थ के साथ रुढ़ हो गया है. विश्वविद्यालयों, कॉलेजों के कैंपस और लोकमानस में पनौती का अर्थ हो गया है अपशकुन, नामुराद, मनहूस, भद्रा या भदरहा वगैरह. अगर यह भी अर्थ है तो भाजपा को बहुत चिल्ल-पों मचाने की जरूरत नहीं है. वैसे भी चुनाव लोकतंत्र का उत्सव होता है और प्रचारक इस उत्सव में होलियाना अंदाज में होते हैं. बयानों, आरोपों के रंग-गुलाल, कीचड़, गोबर पहले भी चुनावों में फेंके जाते रहे हैं. फर्क होता था और है भी, केवल माहौल और सोसायटी का. जो लोग आज कह रहे हैं कि अमर्यादित शब्दों का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए, उन्हें पहले की तकरीरों और नारों पर भी गौर कर लेना चाहिए. निर्वाचन आयोग, थाने, अदालतें तब भी थे, आज भी हैं. -शेष पेज 13 पर

कोयलांचल में हर पखवारे कारोबारियों पर चली गोली

संवाददाता। धनबाद

धनबाद कोयलांचल में रंगदारी, वर्चस्व और जमीन विवाद को लेकर बमबाजी, फायरिंग और गोली मारकर हत्या करने की घटनाएं थम नहीं रहीं हैं. अधिकतर मामलों में अमन सिंह और प्रिंस खान गैंग का नाम सामने आया है. इस जनवरी से नवंबर तक फायरिंग, बमबाजी व हत्या के मामले में एक सौ से अधिक आरोपी जेल जा चुके हैं. इसके बावजूद रंगदारी मांगने और फायरिंग करने का मामला थम नहीं रहा है. आंकड़ों पर गौर करें तो हर पखवारे कारोबारियों पर गोली चली है.

आतंक का राज

- जनवरी से 29 नवंबर तक 11 महीने में दो दर्जन से अधिक बार हुई फायरिंग
- बमबाजी व हत्या के मामले में 100 से अधिक आरोपी भेजे गए जेल

जनवरी से 29 नवंबर तक 11 महीने में दो दर्जन से अधिक बार कोयलांचल के विभिन्न इलाकों में फायरिंग हुई है. पुलिस की लाख कोशिशों के बावजूद रंगदारी और फायरिंग पर लगाम नहीं लग सकी है.

-शेष पेज 13 पर

ब्रीफ खबरें

गढ़वा के चिनिया में व्यवसायियों ने की बैठक

गढ़वा । जिले के चिनियां थाना मुख्यालय में पिछले 5 वर्षों से हो रहे लगातार चोरी की घटना से उग्र सैकड़ों व्यवसायिकों ने बुधवार की देर शाम चिनिया बस स्टैंड मैं एक बैठक की. बैठक की अध्यक्षता सीएसपी संचालक प्रिंस कुमार ने किया. जहां बैठक में व्यावसायिक संघ का गठन किया गया. जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष अजीत प्रसाद उर्फ पप्पू को बनाया गया तो वहीं उपाध्यक्ष मोहम्मद जावेद मंसूरी, कोषाध्यक्ष विकास कुमार केसरी, उपकोषाध्यक्ष उमेश प्रसाद गुप्ता उर्फ भीम, सचिव प्रिंस कुमार उपसचिव नीतीश कुमार गुप्ता, संगठन मंत्री सुरेंद्र प्रसाद, वह मीडिया प्रभारी हेमंत को बनाया गया.

रेंची जतराटांड़ में ग्राम सभा का आयोजन

चंदवा। गुरुवार को ग्राम प्रधान बिगु उरांव की अध्यक्षता में ग्राम सभा का आयोजन हुआ. सभा का संचालन सुशील उरांव ने किया. सभा में रेंची, रजबार, जड़यांग के सैकड़ों ग्रामीणों ने रेंची जतराटांड़ में उपस्थित हुए और एक स्वर में कंपनी को कोयला खदान खोलने के लिए कोल ब्लॉक कंपनी को जमीन नहीं देने का निर्णय लिया. बता दें कि सरकार ने टीवीएनएल पावर प्लांट के लिए रजबार कोल ब्लॉक आवंटित किया है. ग्रामीणों के अनुसार कंपनी अपने कुछ स्थानीय कर्मचारियों के माध्यम से जमीन का सर्वे करवा कर सरकार को स्थिति से अवगत करवा दिया है.

कदमा बाजार में है मवेशियों का आतंक

जमशेदपुर। जमशेदपुर के कदमा थाना अंतर्गत कदमा बाजार में इन दिनों मवेशियों के आतंक से दुकानदार और बाजार आने वाले लोगों में आतंक है. आए दिन मवेशी लोगों पर हमला कर देते है इसके अलावा राह चलते लोगों के सामान को भी खा जाते हैं. गुरुवार को ऐसा ही एक नजारा देखने को मिला जहां बाजार में दो सांढ़ आपस में भिड़ गए. इस घटना में मवेशियों का झगड़ा छुड़ाने गया. एक व्यक्ति भी घायल हो गया. काफी मशक्कत के बाद सभी मवेशियों को भगाया गया. इस घटना में एक रिक्शा वाले की रिक्शा क्षतिग्रस्त हो गई.

चंपई समर्थकों ने जमना ऑटो के समर्थन में की प्रेसवार्ता

आदित्यपुर । 6 दिनों से चल रहे गतिरोध के बीच गुरुवार को मंत्री चंपई सोरेन के समर्थकों ने जमना ऑटो के समर्थन में घटनास्थल पर प्रेसवार्ता कर जिला प्रशासन के सहयोग से कंपनी की चहारदीवारी का कार्य शुरू करवा दिया है. कंपनी वालों के समर्थन में आदित्यपुर नगर निगम क्षेत्र के दर्जन भर मांझी बाबा भी जुटे थे. हथिया डीह के मांझी बाबा ऋषिराज हांसदा के अध्यक्षता में हुई प्रेसवार्ता में जेएमएम समर्थक नेताओं ने कहा कि हमलोग विकास के पक्षधर हैं. जब 20 दिन पूर्व त्रिपक्षीय वार्ता में कंपनी प्रबंधन खेल का मैदान की जमीन के साथ सीएसआर के तहत स्वास्थ्य, की सुविधाएं ग्रामीणों को देने को तैयार हो गई.

एक दिवसीय संताली साहित्य संगोष्ठी आयोजित

डुमरिया । प्रखंड सभागार में गुरुवार को अखिल भारतीय संताली लेखक संघ झारखंड शाखा की ओर से अभियान के तौर पर एक दिवसीय संताली साहित्य संगोष्ठी टोठाकिया सांवहेद आखड़ा का आयोजन किया गया. कार्यक्रम को तिलका मांझी, सिदो-कान्हू, रामदास टुडू रेस्का और ओलचिकी जनक पंडित रघुनाथ मुर्मू के तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर प्रारम्भ किया गया. लेखक संघ झारखंड शाखा के सलाहकार भुजंग टुडू ने लेखक संघ का मुख्य उद्देश्य के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान किया.

पैथोलॉजिस्ट के अभाव में यहां के लोगों को रांची या बाहर जाकर स्वास्थ्य जांच करानी पड़ती है

22 वर्षों के बाद भी नहीं मिली जिला स्तरीय सुविधाएं

सुनील कुमार । लातेहार

जिला बने 22 वर्ष बीत चुके हैं लेकिन आज भी यहां जिला स्तरीय मूलभूत सुविधाओं का घोर अभाव है. लातेहार जिला वासियों को मामूली इलाज के लिए भी रांची या मेदिनीनगर की राह देखनी पड़ती है. विशेषज्ञ चिकित्सकों की भारी कमी है. जिले में पंजीकृत सुविधायुक्त नर्सिंग होम की कमी है. सरकारी व्यवस्था पर ही लातेहार जिला वासियों का स्वास्थ्य सेवाएं निर्भर करता है.

जिला मुख्यालय सहित कहीं एक भी पैथोलॉजिस्ट नहीं है. पैथोलॉजिस्ट के अभाव में लोगों को रांची या बाहर

जाकर स्वास्थ्य जांच करानी पड़ती है. इसी तरह जिले में एक भी सिनेमा हॉल एवं बार नहीं है.

जिला वासियों के लिए बसों में सीट नहीं दी जाती है. रांची से मेदनीनगर के बीच चलने वाली बसों में लातेहार जिला के यात्रियों को सीट नहीं दी जाती है, उन्हें खड़ा-खड़ा सफर करना पड़ता है. लातेहार जिला गठन होने के उपरांत लोगों को काफी उम्मीदें थी.

सुविधा नहीं
- जिले में एक भी सिनेमा हॉल और बार नहीं है
- पंजीकृत सुविधायुक्त नर्सिंग होम की भारी कमी है

बता दें कि रोजगार के लिए यहां कई कोलियरियां खुली लेकिन स्थानीय लोगों को इसका फायदा नहीं मिला. लातेहार जिला में एशिया का मशहूर मगध अम्रपाली कोल प्रोजेक्ट, तेतरियाखाड़ कोल प्रोजेक्ट, सिकनी कोल प्रोजेक्ट एवं तुबेद कोल प्रोजेक्ट कार्यरत है, लेकिन इन कोलियारियों से जिला वासियों को कोई लाभ नहीं मिल रहा है. यहां से केवल कोयला ढोया जा रहा है. यहां के लोगों के लिए जलावन के लिए भी कोयला उठाने की अनुमति नहीं है. यहां से कोयला सीधा पावर प्लांटो को भेजी जा रही है. सभी कोलियारियों में बाहरी लोगों का दबदबा है. नियुक्ति बाहरी लोगों को की जाती है. स्थानीय लोग ऊपेक्षित रहते हैं. विस्थापितों की लंबी लड़ाई के बाद उन्हें अस्थाई मजदूर के तौर पर बहाल किया जाता है. लातेहार जिला में सशक्त जन प्रतिनिधित्व नहीं होने के कारण भी यहां के लोगों को परेशानियों के दौर से गुजरना पड़ रहा है.

आओ जानें

विश्रामपुर से कब कौन जीतकर पहुंचे झारखंड विधानसभा

वर्ष	पार्टी	विधायक
2000	कांग्रेस	चंद्रशेखर दुबे
2005	राजद	रामचंद्र चंद्रवंशी
2009	कांग्रेस	चंद्रशेखर दुबे
2014	भाजपा	रामचंद्र चंद्रवंशी
2019	भाजपा	रामचंद्र चंद्रवंशी

सरकार आपके द्वार के तहत पलामू के विभिन्न प्रखंडों में लगेंगे शिविर

लाभुकों को योजनाओं से किया जाएगा लाभान्वित

संवाददाता । मेदिनीनगर

आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत 1 दिसंबर को पलामू जिले के विभिन्न प्रखंडों के पंचायतों में शिविर का आयोजन किया जाएगा. नावाबाजार प्रखंड के रजहरा मुख्यालय, पड़वा प्रखंड के मुरमा मुख्यालय, चैनपुर प्रखंड के सलतुआ, रामगढ़ प्रखंड के चोरहट मुख्यालय, मनातू प्रखंड के नवडीहा मुख्यालय, पांकी प्रखंड के पकरिया पंचायत में शिविर का आयोजन किया जाएगा. शिविरों में मुख्यमंत्री श्रमिक योजना, पीएम स्वनिधि योजना, स्वयं सहायता समुह निर्माण, फुटपाथ विक्रेताओं का स्मार्ट आईडी कार्ड, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र से संबंधित निष्पादन कार्य का निष्पादन कर लाभुकों को लाभान्वित किया जाएगा. वहीं होल्डिंग टैक्स, पानी कनेक्शन, टैक्स एवं ट्रेड लाईसेंस से संबंधित कार्यों का निष्पादन किया जाएगा.

स्ट्रीट लाइट से संबंधित कार्य, राशन से संबंधित समस्या, पीडीएस के तहत राशन कार्ड को आधार से लिंक करने, सर्वजन पेंशन योजना का लाभ प्रदान करने, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम का लाभ देने, सावित्री बाई फूले किशोरी समृद्धि योजना अन्तर्गत सुयोग्य लाभुकों को स्वीकृति प्रदान करने, लाभ देने, सेवा का गारंटी

अधिनियम के अन्तर्गत राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न सेवाओं यथा जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं यथा पेंशनादि से संबंधित लंबित मामलों का त्वरित गति से निस्तारण किया जाएगा.

इसके अलावा असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों का ई-श्रम पोर्टल पर निबंधन कराने, लंबित दाखिल-खारिज वादों का निष्पादन करने, भूमिमापी के लंबित मामलों का निष्पादन एवं निर्वादित मामलों में लगान रसीद निर्गत करने का कार्य संपादित किया जाएगा. वहीं शिविर में धोती, साड़ी, लुंगी एवं कंबल का विवरण लाभुकों के बीच किया जाएगा. गुरूजी क्रेडिट कार्ड योजना अन्तर्गत सुयोग्य लाभुकों को लाभ देने के साथ-साथ राज्य सरकार के अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया जाएगा. साथ ही जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर आमजनों को जागरूक किया जाएगा.

लगेगा शिविर
- नावाबाजार प्रखंड के रजहरा में लगेगा शिविर
- पांकी के पकरिया में शिविर का आयोजन होगा
- शिविर में राशन से संबंधित समस्या का निबटान होगा

डीसी-एसपी ने कार्यक्रम स्थल का लिया जायजा

मेदिनीनगर । उपायुक्त शशि रंजन व पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने गुरुवार को पुलिस लाइन स्टेडियम पहुंचकर कार्यक्रम के अंतिम तैयारियों का जायजा लिया. स्टेडियम में लगाये जा रहे टेंट, साफ-सफाई, कार्यक्रम में आने वाले अतिथियों एवं आमजनों के बैठने की व्यवस्था, विधि-व्यवस्था समेत अन्य का जायज़ा लिया. इस दौरान दोनों अधिकारियों ने संयुक्त रूप से मजिस्ट्रेट को जॉइंट ब्रीफिंग भी दिया. साथ ही मौके पर उपस्थित पदाधिकारियों को कई निर्देश दिये. बताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शुक्रवार को मेदिनीनगर शहर के पुलिस लाइन स्टेडियम में आयोजित आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम में शामिल होंगे. मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर सारी तैयारी पूरी कर ली गयी है. सुरक्षा के दृष्टिकोण से पुलिस जवानों व मजिस्ट्रेट की तैनाती की गयी है. शुक्रवार को मुख्यमंत्री कई योजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन करेंगे. इसके साथ ही लाभुकों के बीच परिसंपत्ति का वितरण भी करेंगे. कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों की ओर से स्टॉल भी लगाया जाएगा. जिसका सीएम अवलोकन भी करेंगे.

सीएम से मिले सरकारी कर्मी

संवाददाता। पलामू

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से पलामू जिला के विभिन्न विभागों में कार्यरत सरकारी कर्मियों ने मुलाकात की और पुरानी पेंशन योजना लागू करने के लिए आभार जताया. उन्होंने मुख्यमंत्री से एनपीएस में जमा राशि वापस करने की दिशा में पहल करने का भी आग्रह किया. मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी के सहयोग से ही हम अपने कार्यों को सही दिशा दे पा रहे हैं.

अगर सरकार आपके लिए कार्य कर रही है तो आपका भी दायित्व बनता है कि कि आप उनलोगों के लिए काम करें, जिन्हें इनकी जरूरत है. उन्होंने कहा कि अभी राज्य में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम चल रहा है. सभी पंचायतों में शिविर लगाकर लोगों की समस्याओं का समाधान करने के साथ उन्हें कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जा रहा है. इतने वृहत पैमाने पर आयोजित हो रहे इस कार्यक्रम की सफलता में आपका अहम योगदान होगा. गरीबों और जरूरतमंदों तक सरकार की योजनाएं पहुंचे, इसके लिए जरूरी है कि आप पूरी संवेदनशीलता के साथ काम करें. हम सभी मिलकर इस राज्य को एक बेहतर राज्य बना सकते हैं. इस मौके पर मंत्री बादल और मिथिलेश कुमार ठाकुर भी मौजूद थे.

की मुलाकात
- पेंशन योजना लागू करने के लिए आभार जताया
- सीएम से एनपीएस की जमा राशि के बारे में बात की

खरौंधी में हल्की बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ाई

गढ़वा । जिले के खरौंधी प्रखंड मे हल्की बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दिया है. इस समय बारिश से धान का थ्रेसिंग करने मे किसानों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. इसके अलावा किसानों ने गेहूं की फसल की बुआई के लिए खेतों की पटवन किया है. हल्की बारिश के कारण किसान गेहूं की बुआई नहीं कर पा रहें हैं. जबकि अगर अच्छी बारिश होती तो टांड़ खेतों की भी बुआई की जा सकती थी. जिससे सरसों, मसूर, चना, तीसी आदि फसलों की बुआई की जा सकती थी. लेकिन हल्दी बारिश ने किसानों के उम्मीद पर पानी फेर दिया है. किसान महेंद्र यादव ने बताया कि हल्की बारिश से किसानों को कोई फायदा नहीं है.

पुलिस ने फरार आरोपी के घर में चिपकाए इश्तेहार

संवाददाता। लातेहार

बरवाडीह थाना क्षेत्र के मुर्गीडीह ग्राम निवासी कमलेश कुमार सिंह पिता स्व. मोहन सिंह के घर पुलिस ने इश्तेहार चिपकाया है. सब इंस्पेक्टर दिलीप कुमार दास के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई. उन्होंने बताया कि एक नाबालिग के साथ दुष्कर्म मामले में यह कार्रवाई की गई है. कमलेश पर बरवाडीह थाना में कांड संख्या 20/23 दर्ज है. वह काफी समय से फरार है. कमलेश के घर के अलावा पंचायत सचिवालय समेत कई अन्य स्थानों पर भी पुलिस ने इश्तेहार चिपकाया है.

लातेहार में सीआरपीएफ ने किया सामग्रियों का वितरण

संवाददाता। लातेहार

सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत बुधवार को कुमंडीह स्थित सीआरपीएफ के सी/214 बटालियन परिसर में जरूरतमंदों के बीच दैनिक उपयोग की सामगियों का वितरण किया गया. मौके पर बतौर मुख्य अतिथि सीआरपीएफ के 214 वीं बटालियन के कमांडेंट केडी जोशी ने कहा कि सीआरपीएफ जरूरतमंदों की हर सेवा करने के लिए तैयार है. सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन सीआरपीएफ के द्वारा अक्सर किया जाता रहा है. उन्होने युवाओं को समाज के मुख्य धारा में जुड़ने एवं अपनी उर्जा सकारात्मक दिशा में लगाने की अपील की. ग्रामीणों ने भी सीआरपीएफ के इस पहल की सराहना की.

सीएम ने कांडी थाना के नवनिर्मित भवन का किया ऑनलाइन उद्घाटन

गढ़वा । जिले के कांडी थाना के नवनिर्मित भवन का सीएम ने गुरुवार को ऑनलाइन उद्घाटन किया गया. इस मौके पर थाना के वेटिंग एरिया में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ फीता काटकर थाना प्रभारी दीपक कुमार राणा ने भी स्थानीय स्तर पर इस भवन का विधिवत उद्घाटन किया. इसके लिए एक छोटे एवं सादे समारोह का आयोजन किया गया था. जहां मुख्य यजमान के रूप में थाना प्रभारी दीपक कुमार राणा ने पूजा कराई. एसआई राहुल मिश्रा ने भी सहयोग किया. विद्वान पंडित मुरलीधर मिश्र ने कर्मकांड संपन्न कराया. मौके पर कांडी थाना प्रांगण के नवनिर्मित भवन में शुभ गृह प्रवेश को लेकर पूजा अर्चना की गई. पूजा अर्चना के बाद थाना प्रभारी दीपक कुमार राणा ने फीता काटकर भवन का औपचारिक उद्घाटन किया. बता दें कि 21 अगस्त 2009 को तत्कालीन पुलिस अधीक्षक गढ़वा साकेत कुमार सिंह के द्वारा कांडी थाना का उद्घाटन किया गया था.

सरकार आपके द्वार के तहत चुतरु में शिविर

संवाददाता । गढ़वा

आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत जिले के रंका प्रखंड के चुतरु में शिविर का आयोजन किया गया. इस दौरान लाभुकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से आच्छादित एवं समस्याओं का समाधान किया गया. इसका आयोजन चुतरु पंचायत सचिवालय में किया गया. उक्त शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे.

इनमें शिविर में स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग, कृषि विभाग, शिक्षा विभाग, कल्याण विभाग, आपूर्ति विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, श्रम विभाग समेत अन्य विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे. जिनमें काफी संख्या में स्थानीय ग्रामीण शिविर में पहुंच विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवेदन समर्पित किए गए. वहीं शिविरों में संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी देवानंद राम,

अंचल पदाधिकारी शिवपूजन तिवारी और मुखिया खालिद अंसारी के द्वारा लाभुकों के बीच गर्म पोशाक का वितरण, कंबल का वितरण, पेंशन स्वीकृति पत्र वितरण, ऋण वितरण, बीज वितरण समेत अन्य योजनाओं का लाभ दिया गया. जेएसएलपीएस के समूह के बीच ऋण वितरण भी किया गया.

चुतरु के शिविर में 1500 से ज्यादा आवेदन मिला. इसमें 7 00 आवेदन अबुआ आवास के, 150 आवेदन कुआं, मुर्गी पालन, गो पालन, बकरी पालन से संबंधित थे. रंका प्रखंड विकास पदाधिकारी देवानंद राम ने कहा कि सरकार चाहती है कि अंतिम

पहुंचे लाभुक
- इसका आयोजन चुतरु पंचायत सचिवालय में किया
- शिविर में लाभुकों को योजनाओं का लाभ दिया गया

व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं को पहुंचाया जाए. इसी उद्देश्य से आपके द्वारा आपकी सरकार कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. जिसके माध्यम से जनता की समस्याओं का निपटारा उनके द्वारा पर ही करने का निर्णय सरकार ने लिया है. इस अवसर पर मुखिया खालिद अंसारी ने कहा कि गांव के हर किसान को कूप निर्माण कराकर सिंचाई व्यवस्था से उन्हें जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने के लिए हम प्रयास कर रहे हैं. कोई भी घर चुतरु पंचायत में कच्चा ना रहे.

समस्या गढ़वा के केवाल, बाहाहारा, तेनुडीह, खरड़िया और शिंजो सहित अन्य भागों में हाथियों का आतंक है

हाथियों के आतंक से ग्रामीण परेशान, लगा रहे सुरक्षा की गुहार

संवाददाता । गढ़वा

गढ़वा जिला वन प्रमंडल क्षेत्र के केवाल, बाहाहारा, तेनुडीह, खरड़िया और शिंजो सहित अन्य भागों में लोग हाथियों के आतंक से आतंकित हैं. बीती रात भी हाथियों ने केवाल में जमकर उत्पाद मचाया. वहीं फसलों को रौंदा और अनाज को खा लिया. बताते चलें कि सोमवार की रात 1:00 बजे बाहाहारा पंचायत में लगभग एक दर्जन हाथियों ने वहां के दर्जन भर किसानों के धान के फसल को बर्बाद कर दिया था.

वहीं घर ढाहकर घर में रखे हुए अनाज को खा गए थे. हाथियों के आतंक इस कदर छाई हुई है कि लोग लुक्वरी के साए में अपना जीवनयापन कर रहे हैं. वन विभाग के द्वारा खानापूर्ति के सिवा और कुछ भी नहीं किया जा रहा है. घर ढाहे जाने पर सालभर पर उनकी मुआवजा मुहैया कराई जाती है. जबकि किसानों के सामने तत्काल में उनके खाने के सामने भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो जाती है. बताया जाता है कि सोमवार रात रंका वन प्रमंडल क्षेत्र के रंका थाना अंतर्गत बाहाहारा गांव में एक दर्जन हाथियों ने जमकर उत्पाद मचाया. वहीं खेत में लगे लहलहाती धान की फसल को भी खाकर बर्बाद कर दिया. हाथियों ने कामेश्वर सिंह, सुनंदन सिंह, केदार सिंह और लिलंबर सिंह के घर रखा हुआ मक्का बर्बाद कर दिया.

पीड़ित परिवार के लोगों ने बताया

हाथियों के आतंक से परेशान है लोग.

कि 3 महीने की अथक परिश्रम के बाद धान की फसल एक-दो दिन में काटने वाले थे. क्या पता था कि गणेश महाराज आकर धान चट कर जाएंगे. अब तो बाल- बच्चों के सामने मुसीबत आ खड़ी हुई है कि आखिर अब अपने बच्चों को क्या खिलाएंगे. वन विभाग के द्वारा मुआवजा के नाम पर खानापूर्ति की जाती है. वन विभाग से यहां के लोगों ने कई बार गुहार लगाई कि हाथियों के इस क्षेत्र से भागने के लिए ठोस कदम उठाया जाए. परंतु नियमित रूप से इस क्षेत्र में हाथी अपना अड्डा जमाए हुए है. बावजूद अभी तक वन विभाग इनको भगाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है. जो वन विभाग की निष्क्रियता का प्रमाण है. ग्रामीणों ने बताया कि बीती रात लगभग एक दर्जन हाथी आकर घर में रखें अनाज को खा गए. घर में छिपकर लोगों ने अपनी जान बचाई. जब हाथी चले गये तब लोगों ने गुहार लगाई. तब टीन, थाली और ढोल पीट कर अपनी जान की सुरक्षा के लिए लोग एकजुट हुए. तब तक हाथी जंगल में भाग चुके थे.

वन प्रमंडल प्रक्षेत्र पूर्वी के फॉरेस्टर राजीव कुमार ने कहा कि हाथियों के द्वारा नुकसान की गई की भरपाई वन विभाग करने को तैयार है. हाथियों को भगाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है. जानकारी के अनुसार बीती रात लगभग 15 हाथियों के समूह राष्ट्रीय राजमार्ग 343 के बजनवाघाटी हनुमान मंदिर के पास से पार करते हुए देखे गए हैं.

ग्रामीण भयभीत
- बीती रात भी हाथियों ने केवाल में उत्पाद मचाया था
- किसानों के धान के फसल को बर्बाद कर दिया था

नदियों का खुलेआम किया जा रहा है चीरहरण: तिवारी

संवाददाता । गढ़वा

भाजपा के पूर्व विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी ने कहा कि हेमंत सरकार में नदियों का खुलेआम चीरहरण किया जा रहा है. झामुमो सरकार में शामिल लोगों को सरकार की राजस्व बढ़ाने से अधिक चिंता अपना निजी राजस्व बढ़ाने का है. पिछले चार साल में गढ़वा विधानसभा सहित राज्य भर की नदियों से खुलेआम बालू की तस्करी कराई गई.

मंत्री मिथिलेश ठाकुर के संरक्षण के गढ़वा जिले की बालू को यूपी और दिल्ली में तस्करी कराई गई. कहा कि बालू की तस्करी से सरकार का करोड़ों रुपए राजस्व का घाटा हुआ है. जबकि मंत्री का निजी राजस्व बढ़ा है. पूर्व विधायक ने कहा कि आखिर चार साल में राज्य सरकार बालू घाटों की नीलामी क्यों नही करा पाई. इस पर सरकार को श्वेत पत्र जारी करना चाहिए. आमलोग बालू के अभाव में अपना निजी मकान और पीएम आवास नहीं बना पा रहे हैं. मुख्यमंत्री को बालू के मामलें में अपनी चुप्पी तोड़ना चाहिए. उन्होंने कहा कि एक तरफ सीएम हेमंत सोरेन विकास का झूठा ढींढोरा पीटते चल रहे हैं. जब राज्य में पिछले चार सालों में बालू घाटों का टेंडर या नीलामी हुआ ही नहीं है, तो विकास कार्य में बालू कैसे उपलब्ध हो रहा है. गढ़वा में मंत्री के चहेतों ठेकेदारों को आसानी से बालू उपलब्ध हो रहा है. जबकि गरीबों का ट्रैक्टर पकड़ लिया जा रहा है. चुनाव के दौरान सीएम हेमंत पलामू प्रमंडल को उप राजधानी बनाने का वायदा किया था. प्रत्येक वर्ष पांच लाख लोगों को नौकरी नहीं देने पर बेरोजगारी भत्ता देने का वायदा किया था.

ब्रीफ खबरें

पेंशनधारी से बाइक सवार युवकों ने की लूट

नीलांबर पीतांबरपुर । लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के झरकटिया निवासी अंबिका गिरी से बुधवार को 44000 रुपये लूट अपराधी फरार हो गये. अंबिका गिरी लेस्लीगंज भारतीय स्टेट बैंक की शाखा से पेंशन के 44000 निकालकर अपने गांव लौट रहे थे. वह जैसे ही बैरिया चौक पर टेंपो से उतरे बाइक पर सवार दो युवक उनके थैले को झपट कर डबरा मोड़ की तरफ फरार हो गए. अंबिका गिरी ने बताया कि उनका पेंशन से संबंधित कई महत्वपूर्ण कागजात भी उसे थैली में था. इस मामले में उन्होंने लेस्लीगंज थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है.

राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर हुई बैठक

लातेहार। आगामी नौ दिसंबर को व्यवहार न्यायालय, लातेहार में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा. इस लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों का निष्पादन कराने को लेकर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार, लातेहार के अध्यक्ष अखिल कुमार की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गयी. पीडीजे ने न्यायिक पदाधिकारियों को नौ दिसंबर को लोक अदालत में वादों का निबटारा सुलह व समझौते के आधार पर कराने का निर्देश दिया.

रंका में वाहन के धक्के से महिला हुई घायल

गढ़वा । जिले के रंका अनुमंडल क्षेत्र के मझिगवां निवासी सुदामा साव की पत्नी उषा देवी 60 वर्ष को तेज गति से आ रहे वाहन ने धक्का मार कर फरार हो गया. घटना के संबंध में पीड़िता के संबंधियों ने बताया कि गढ़वा से अंबिकापुर मार्ग रंका के मझिगवां अपने घर मोटरसाइकिल पर सवार होकर जा रही थी. तभी तेज गति से आ रहे बाइक सवार ने महिला को धक्का मारते हुए फरार हो गया. आनन -फानन में घायल उषा देवी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रंका लाया गया.

विधायक प्रतिनिधियों ने किया जिला स्टेडियम का निरीक्षण

लातेहार। आगामी 10 दिसंबर को जिला स्टेडियम में मोहन बगान बनाम बंगाल इलेवन के बीच फुटबॉल मैच का आयोजन किया जायेगा. गुरूवार को लातेहार विधायक प्रतिनिधि प्रभात कुमार एवं मनिका विधायक प्रतिनिधि हरिशंकर सिंह समेत कांग्रेस के कई नेताओं ने जिला स्टेडियम में पहुंच कर तैयारियों का जायजा लिया. उन्होंने मैदान समतलीकरण एवं अन्य सौंदर्यीकरण कार्य की तैयारियों की समीक्षा की. इससे पहले विधायक प्रभात कुमार जिला खेल स्टेडियम में जिला क्रिकेट एसोसिएशन के कार्यालय पहुंचे.

बीडीओ ने वृद्ध मतदाताओं को किया सम्मानित

बालूमाथ (लातेहार)। बालूमाथ एवं झाबर पंचायत में 80 वर्ष से अधिक आयु के कई मतदाताओं को प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमा उरांव ने कंबल भेंट कर सम्मानित किया. प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमा उरांव ने बताया कि चुनाव आयोग से निर्देश प्राप्त है कि प्रखंड के पुराने मतदाताओं को जो अपने अधिकतम आयु तक वोट करते आएं हों उन्हें सम्मानित करें, ताकि मतदाता उत्साह पूर्ण जागरुक होकर चुनाव के समय मतदान करें. इस दौरान बीडीओ ने बालूमाथ पंचायत के बड़का बालूमाथ में पुराने वोटरों को कंबल देकर सम्मानित किया.

डीटीओ सुरेंद्र कुमार की माता का निधन

लातेहार । जिला परिवहन पदाधिकारी सुरेंद्र कुमार की माता का निधन गुरुवार को हो गया है. उनके निधन की सूचना पाकर लातेहार विधायक प्रतिनिधि प्रभात कुमार, मनिका विधायक प्रतिनिधि हरिशंकर यादव,कांग्रेस नेता पंकज तिवारी, आफताब आलम, भाजपा नेता पंकज सिंह जिला परिवहन पदाधिकारी के सरकारी आवास पहुंचकर शोक व्यक्त किया एवं उन्हें सांत्वना दी. मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी मोहम्मद परवेज, जिला खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी रश्मि लकड़ा आदि उपस्थित थे.

प्रिंसिपल की बाल संसद के सदस्यों के साथ बैठक

रंका । रंका के चुटिया मध्य विद्यालय में प्रधानाध्यापक अनिल कुमार तिवारी ने बाल संसद के सदस्यों के साथ की बैठक की. इस दौरान उन्होंने विद्यालय के सफल संचालन में पहल करने का निर्देश दिया. प्रधानाध्यापक ने कहा कि बाल संसद जितना सक्रिय होंगे विद्यालय प्रबंधन में विद्यालय की कार्यशैली उतनी ही सशक्त होगी. बाल संसद के सदस्यों के बिना विद्यालय का सफल संचालन संभव नहीं है.

हाईकोर्ट में सुनवाई के लिए तीन जिलों में वर्चुअल प्लेटफॉर्म का मुख्य न्यायाधीश ने किया उद्घाटन

पलामू से भी हाइकोर्ट में होगी वर्चुअल मोड से सुनवाई

संवाददाता । मेदिनीनगर

झारखंड हाइकोर्ट में सुनवाई के लिए तीन जिला पलामू, दुमका व पाकुड़ के लिए वर्चुअल प्लेटफॉर्म का ऑनलाइन उद्घाटन झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजय कुमार मिश्र ने किया.

उद्घाटन के मौके पर हाइकोर्ट के सभी न्यायाधीश गण, महाधिवक्ता सहित कई लोग उपस्थित थे. विदित हो कि पलामू जिला के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अन्य न्यायाधीश भी पलामू सिविल कोर्ट से वर्चुअल मोड से जुड़े थे. इस संबंध में

पलामू के प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश नीरज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि झारखंड उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार कंप्यूटर व डिजिटाइजेशन कमेटी द्वारा दूरस्थ स्थित तीनों जिलों से हाइकोर्ट में मामले की सुनवाई के संबंधित जिला न्यायालय में पहले से स्थापित ई सेवा केंद्र को वर्चुअल सुनवाई के लिए प्रयोग में लाये जाने का निर्णय लिया गया है. इसी के तहत पलामू जिला में भी इसकी स्थापना की गई है.

हुआ शुभारंभ

- प्लेटफॉर्म का उद्घाटन जज संजय कुमार मिश्र ने किया
- इस अवसर पर हाइकोर्ट के सभी न्यायाधीश मौजूद थे

उन्होंने बताया कि व्यवहार न्यायालय में स्थित ई-सेवा केंद्र में भी वर्चुअल प्लेटफॉर्म का उद्घाटन किया गया है. इस मौके पर पलामू के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि वर्चुअल प्लेटफार्म खुल जाने से पलामू जिले के लोगों को मामले की सुनवाई यहीं से ऑनलाइन हो सकेगा. उन्होंने कहा कि इसकी सभी तैयारी पूरी कर ली गई है. काम करना शुरू कर दिया है. इस मौके पर कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश मार्तंड प्रताप मिश्रा, डीजे विनोद सिंह,अमरेश कुमार, प्रेमनाथ पांडेय, आनंदा सिंह, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव अर्पित श्रीवास्तव, निबंधक अमित गुप्ता, संदीप निशित बारा, परमानंद उपाध्याय, शिखा अग्रवाल, रितू कुजूर, सतीश कुमार मुंडा, चंदन कुमार गोस्वामी, प्रतीक राज, मिस अपेक्षा, अमित बंसल और पलामू एसपी रिष्मा रमेशन मौजूद थे.

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- दाग प्रणाली किस शासक ने शुरू किया था – अलाउद्दीन खिलजी
- पवन की गति को नापने वाले उपकरण का नाम – एनीमोमीटर
- झारखंड में सर्वाधिक महिला साक्षरता वाला जिला – रांची
- इलाहाबाद का किला किसने बनवाया था – अकबर
- गुरु ग्रंथ साहिब में कुल कितने संत कवियों के पद हैं – 17
- कंप्यूटर में आईसी चिप्स का निर्माण किससे होता है – सिलिकान
- आम का वैज्ञानिक नाम क्या है – मैग्नीफेरा इंडिका
- पूर्व का वेनिस किस शहर को कहा जाता है – कोच्चि
- खाद्य एवं कृषि संगठन का मुख्यलाय कहां है – रोम
- भारत में रुपकुंड झील कहां है – उत्तराखंड

मुख्यमंत्री ने 218 लाख 86 करोड़ की योजना का किया शिलान्यास

भाजपा हर कदम पर उन्हें असहयोग कर रही है: सोरेन

अरुण कुमार यादव । गढ़वा

गढ़वा जिले के मेराल प्रखंड के पेस्का गांव में आयोजित आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम को लेकर गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गढ़वा पहुंचे. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 218 लाख 86 करोड़ रुपए की योजना का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया. जिसमें 109 योजनाओं का शिलान्यास व 1146 योजनाओं का उद्घाटन शामिल है.

साथ ही 676 लोगों के बीच परिसंपत्ति का वितरण किया गया एवं 18 लोगों को नियुक्ति पत्र भी सौंपा गया. इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले युवक थोड़ा पढ़ाई कर के सेना में भर्ती हो जाया करते थे. उससे ज्यादा पढ़कर बैंकों तथा रेलवे में नौकरी प्राप्त करते थे. मगर वर्तमान में केंद्र सरकार ने सेवा के क्षेत्र में अग्निवीर जैसी नियुक्ति लाकर 4 साल के बाद युवाओं को सड़क पर फेंक देने की नीति अपनाई है. वहीं रेलवे को बेच दिया है. पुरानी ट्रेनों को रंग पेंट कर बुलेट ट्रेन का नाम दे दिया है. उन्होंने कहा कि चार बैंक मिलाकर एक बैंक कर दिया है, जिससे रेलवे तथा बैंकिंग के क्षेत्र में अब बेरोजगारों को रोजगार नहीं मिल पाएगा. उन्होंने कहा कि हमलोगों ने 1932 के खतियान के आधार पर स्थानीय नीति के आधार पर नौकरी

देने की योजना बनायी, मगर इसे भी साजिश के तहत फेल कर दिया गया. अब दूसरे रास्ते से रोजगार दे रहे हैं. उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में हम युवाओं को हुनरमंद करने के लिए मुफ्त में प्रशिक्षण दे रहे हैं, ताकि हुनरमंद होकर वे नौकरी प्राप्त कर सकें.

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा उन्हें हर कदम पर असहयोग कर रही है. साजिश के तहत आरक्षण को पिछड़े वर्ग के लिए घटाकर 14% कर दिया गया था. उसे 27% करने का प्रस्ताव विधानसभा से पारित कराकर भेजा है. मगर इसे भी साजिश के तहत लागू होने नहीं दिया गया. उन्होंने कहा कि उन्होंने पहली बार किसानों की भलाई के लिए कृषि पदाधिकारी का झारखंड में नियुक्ति किया. अब वह 15000 गांव को बस सुविधा से जोड़ने की योजना बना रहे हैं. जिसमें गरीब महिलाएं एवं बेरोजगार छात्राएं निःशुल्क यात्रा कर पाएंगी. पूरे कार्यक्रम के दौरान

बोले हेमंत

- 676 लोगों के बीच परिसंपत्ति का वितरण किया गया
- केंद्र सरकार ने बैंक और रेलवे को किया बर्बाद

मुख्यमंत्री के निशाने पर केंद्र की भाजपा सरकार रही. इस दौरान सीएम ने कहा कि उन्होंने आदिवासियों के लिए धर्म कोड की मांग की थी, उसे नहीं दिया गया और अब जब चुनाव नजदीक आ गया है तो धर्म कोड न देकर भाजपा के लोग आदिवासी दिवस पर बिरसा मुंडा को याद करने का नाटक कर रहे हैं.

मुख्यमंत्री ने कहा कि दरअसल खनिज संपदा से भरे पूरे झारखंड राज्य पर बड़े-बड़े व्यवसायियों की गिद्ध दृष्टि लूटने के लिए लगी हुई है. उन्होंने कहा कि 40 साल झारखंड को अलग राज्य बनाने में लग गये तथा 20 साल सत्ता प्राप्त करने में. मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में हमारी सरकार में सबसे ज्यादा सड़कें गढ़वा में बनी है. मैं गढ़वा जिले के विकास के लिए प्रतिबद्ध हूं. वहीं कार्यक्रम में झारखंड सरकार के कृषि एवं पशुपालन मंत्री बादल पत्रलेख, श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता, स्थानीय विधायक सह पेयजल स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर मौजूद थे.

कंटेनर ने ट्रक को मारा धक्का

संवाददाता । लातेहार

अवैध रूप से मवेशियों को ले जा रहे एक कंटेनर ने सड़क में खड़ी ट्रक को टक्कर मार दिया. इस दुर्घटना में कंटेनर में लदे कई मवेशी मारे गये. जबकि दोनों वाहनों के सामने का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया. कंटेनर का चालक व खलासी वाहन को सड़क पर ही छोड़कर भाग गये. घटना राष्ट्रीय उच्च पथ-75 पर लातेहार शहर से सात किलोमीटर दूर उदयपूरा ग्राम के पास की है. जानकारी के अनुसार, एक कंटेनर वाहन (बीआर-24 जीसी-7288) मेदिनीनगर की ओर से आ रहा था. उदयपुरा के पास कंटेनर चालक ने सड़क पर खड़ी एक ट्रक को जोरदार टक्कर मार दिया.

दुर्घटना में दोनों वाहनों के सामने के हिस्से का परखच्चे उड़ गये. दुघर्टना के बाद कंटेनर में से मवेशियों की आवाज सुनाई पड़ने लगी. स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी. पुलिस मौके पर पहुंची और कंटेनर को खोला तो पाया गया कि कंटेनर में मवेशियां ठूंस कर लादे गये हैं. कंटेनर में तकरीबन 50 मवेशी थी. इनमें से कई दुर्घटना के बाद मारे जा चुके थे और कुछ घायल थे. बताया जाता है कि अवैध रूप से मवेशी लदा कंटेनर तेज गति से भागने के दौरान अनियंत्रित होकर सड़क में खड़ी ट्रक से टकरा गया. पुलिस मामले की छानबीन कर रही है.

---

4 जिलों के कार्यकर्ताओं संग सीएम ने की बैठक

पलामू । मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गुरुवार पलामू पहुंचे. चियांकी हवाई अड्डा पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया. मुख्यमंत्री को परिसदन भवन में डीसी शशि रंजन, एसपी रिष्मा रमेशन ने स्वागत किया. परिसदन के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन दिनदयाल उपाध्याय नगर भवन पहुंचे. जहां 4 जिलों पलामू, गढ़वा, लातेहार और चतरा के जेएमएम कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की. बैठक में सीएम हेमंत ने आगामी लोकसभा चुनाव पर जोर दिया. हेमंत सोरेन ने पलामू प्रमंडल में पार्टी की मजबूत पर कार्यकर्ताओं से चर्चा की. कहा कि पलामू प्रमंडल की सभी सीटें इस बार जीतनी है. इसकी तैयारी में अभी से कार्यकर्ता लग जाएं. सभी कार्यकर्ता सरकार की उपलब्धियों को गांव-गांव में जाकर गिनाएं.

हेमंत सरकार में पशु तस्करी बढ़ी, तस्कर बेलगाम : प्रतुल

संवाददाता । लातेहार

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा है कि हेमंत सोरेन सरकार के कार्यकाल में पशु की तस्करी करने वालों के हौसले बुलंद हैं. पशु तस्करी बेरोक-टोक जारी है. प्रतुल ने कहा कि लातेहार के उदयपुरा के पास हुए एक्सीडेंट ने पूरी तस्वीर की सच्चाई को बयां कर दी. प्रतुल ने कहा कि इस एक्सीडेंट से आठ पशुओं की ऑन द स्पॉट मौत हो गई. दर्जनों पशुओं को कंटेनर में ठूंस कर तस्करी के लिए ले जाया जा रहा था.

प्रतुल ने कहा कि पशु की तस्करी करने वालों का संगठित गिरोह है, जो सीमा पर और गढ़वा, पलामू ,

लातेहार होते हुए पशुओं को लोहरदगा के गैर कानूनी वधशाला और अन्य जगहों पर ले जाता है. कहा कि यह बेहद संगीन मामला है. पशुओं की तस्करी सनातनियों के धार्मिक भावना से खिलवाड़ है. सनातनियों की धार्मिक भावनाओं पर प्रहार होता रहा है. पुलिस को कार्रवाई करके गिरोह के सरगनाओं को गिरफ्तार करना चाहिए.

तरवाडीह में विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन

लातेहार। सदर प्रखंड के तरवाडीह पंचायत के कोने गांव मे गुरूवार को विकसित भारत- संकल्प यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए अपना योगदान देने की शपथ दिलायी गयी. लातेहार प्रखंड प्रमुख परशुराम लोहरा ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक सुपात्र व्यक्तियों को केंद्र सरकार की योजनाओं के प्रति जागरूक कर उन्हें उनका लाभ लेने के लिए प्रेरित करना है. उन्होंने ग्रामीणो से जागरूक होकर सरकार की योजनाओं का लाभ लेने की अपील की. कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभुकों तक पहुंचाने के लिए सरकार द्वारा अनेक स्तर पर प्रयास किया जा रहा है. कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्रामीणों का स्वास्थ्य जांच किया गया और उनके बीच निःशुल्क दवाईयों का वितरण किया गया.

जेल में बंद माओवादी के इलाज के दौरान मौत

मेदिनीनगर। पलामू सेंट्रल जेल में बंद माओवादी की एमएमसीएच में मौत हो गई है. मृतक का नाम तारकेश्वर राम है. वह पलामू के हुसैनाबाद का रहने वाला था. बता दें कि वह पिछले कई दिनों से बीमार था. वह कुछ दिनों से कैदी वार्ड में रहकर इलाज करा रहा था. अचानक तबीयत खराब होने के बाद उसे इलाज के लिए एमएमसीएच में भर्ती करवाया गया था. इलाज के क्रम में तारकेश्वर राम की मौत हो गई. दंडाधिकारी की मौजूदगी में तारकेश्वर राम किशोर के शव का पोस्टमार्टम किया गया. पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया है. जानकारी के मुताबिक तारकेश्वर कुछ दिनों से बीमार चल रहा था. मुंह से खाने-पीने की दिक्कत हो रही थी. इसको लेकर जेल से कैदी वार्ड में शिफ्ट किया गया था. बुधवार को अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया, जहां इलाज के क्रम उसकी मौत हो गई.

प्रकाशचंद्र पाठक हेमंत सोरेन के समक्ष झामुमो में शामिल हुए

प्रकाश ने थामा झामुमो का दामन

संवाददाता । गढ़वा

गढ़वा के रंका विधानसभा क्षेत्र के भाजपा के पूर्व विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी के राइट हैंड कहे जाने वाले प्रकाशचंद्र पाठक उर्फ़ रौशन पाठक ने अपने समर्थकों के साथ मंत्री मिथिलेश ठाकुर की मौजूदगी में सीएम हेमंत सोरेन के समक्ष झामुमो का दामन थाम लिया. ग़ौरतलब है कि प्रकाश चन्द्र पाठक उर्फ़ रौशन पाठक पूर्व विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी के राइट हैंड आज तक कहे जाते थे.

लेकिन अचानक गुरुवार को पलामू में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के समक्ष उन्होंने झामुमो का दामन थाम लिया. इसको लेकर गढ़वा में कई तरह की चर्चा हो रही है. बताते चलें कि रौशन पाठक पूर्व विधायक के शुरुआती चुनाव से ही एक साथ मिलकर काम किया था. उनका झामुमो में जाना गढ़वा में भाजपा को

हुए शामिल

- प्रकाशचंद्र सत्येंद्रनाथ के राइट हैंड माने जाते हैं
- उनका गढ़वा में जाना बड़ा झटका माना जा रहा है

बड़ा झटका माना जा रहा है. प्रकाश चन्द्र पाठक उर्फ़ रौशन पाठक ने बताया कि मैं गढ़वा रंका विधानसभा क्षेत्र के स्थानीय विधायक सह पेयजल मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के विकास कार्यों से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल हुआ हूं. लोगों को योजनाओं का लाभ मिले, इसका प्रयास करूंगा.

खरौंधी में बीडीओ ने किया समीक्षा बैठक

गढ़वा । जिले के खरौंधी प्रखंड कार्यालय के सभागार में प्रखंड अंतर्गत मतदान केन्द्र संख्या 01 से 48 तक के बीएलओ व बीएलओ पर्यवेक्षकों के साथ बीडीओ रविन्द्र कुमार ने बैठक किया. बीडीओ ने सभी बीएलओ को अपने मोबाइल के माध्यम से मतदान केन्द्र में उपलब्ध न्यूनतम सुविधाओं को अपडेट करने तथा मतदाताओं के सत्यापन के लिए डोर टू डोर जाने का निर्देश दिया. उन्होंने बीएलओ एप के माध्यम से सभी योग्य व्यक्तियों का नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिये प्रपत्र 6 भरने का निर्देश दिया. आधार सीडिंग के लिए 6बी प्रपत्र भरने, मृत या स्थानांतरित मतदाताओं के लिए प्रपत्र 7 भरने, नाम, आयु आदि के सुधार के लिए प्रपत्र 8 भरने की विस्तृत जानकारी प्राप्त किया. उन्होंने जल्द सभी योग्य मतदाताओं का पंजीकरण करने, पहचान पत्र बनवाने सहित अन्य बिंदुओं पर गहनता से पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया.

आतंक राज्य में 30 प्रतिशत वन है, बावजूद इसके वन्य प्राणियों के रहने के लिए जगह नहीं है

100 से अधिक लोग होते हैं हाथियों के शिकार

आशीष टैगोर । लातेहार

लातेहार। झारखंड के विभिन्न ग्रामीण इलाकों में हाथियों के आतंक की खबरें मिलती है. खास कर पलामू व्याघ्र परियोजना क्षेत्र मे प्रति वर्ष 100 से अधिक लोगों की जान हाथियों के हमले में जाती हैं. जबकि झारखंड मे हाथियों की संख्या केरल व कर्नाटक राज्यों से बहुत कम है. राज्य में तकरीबन 30 प्रतिशत वन हैं. बावजूद इसके वन्य प्राणियों के रहने के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध नहीं है. यदि वन्य प्राणियों के लिए प्राकृतिक वासा का निर्माण कर सभी हाथियों का उसी क्षेत्र मे में रखा जाये, निर्दोष लोगों को मरने से बचाया जा सकता है. पीटीआर के कुजरूम व लातू गांव का पुनर्वास

किया जाना है. इन दोनों गावों के ग्रामीणों को वहां से हटा कर अन्यत्र पुनर्वासन कराना है ताकि कुजरूम व लातू गांव में वन्य प्राणियों का प्राकृतिक वास कराया जा सके. इन गांवों में वन्य प्राणियों के रहने का एक पारिस्थितिक या पर्यावरणीय क्षेत्र का

ग्रामीण परेशान

- कुजरूम और लातू गांव का पुनर्वास किया जाना है
- इन गांवों में वन्य प्राणियों के रहने की व्यवस्था होगी

निर्माण कराया जायेगा.

उत्पन्न हो रही है भ्रम की तिथि : पलामू व्याघ्र परियोजना के उप निदेशक ने अपने पत्रांक 959 दिनांक 28 नवंबर 2023 में कहा है कि वर्तमान में यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि वन विभाग के द्वारा ग्रामीणों को कम भूमि प्रदान किया जा रहा है. उन्होंने जिला स्तरीय कमिटि का गठन कर लातू व कुजरूम के ग्रामीणों को कितनी भूमि प्रदान किया जाय, इस पर निर्णय लेने का आग्रह सांसद, मनिका विधायक, जिप अध्यक्ष व अन्य जन प्रतिनिधियों से किया है. उन्होंने कहा कि कोर क्षेत्र होने एवं देश में बने नियमों के कारण लातू, कुजरूम व हेनार गांव में पक्की सड़कों का निर्माण नहीं किया जा सकता है.

कुजरूम के 120 परिवारों का पुनर्वास कराया जायेगा

वन विभाग के द्वारा पीटीआर क्षेत्र के कुजरूम व लातू ग्राम में वन जीवों के प्राकृतिक वास का प्रस्ताव तैयार किया गया है. इसके लिए कुजरूम ग्राम के 120 व लातू ग्राम के 90 परिवारों के पुनर्वास का प्रस्ताव समर्पित किया गया है. इस पुनर्वास योजना के तहत प्रति परिवार 15 लाख रुपये प्रदान करने के लिए विभाग को राशि आवंटित कर दी गयी है. इन दोनो ग्रामों के ग्रामीणों को लाई–पैलापत्थल के 166 हेक्टेयर व पोपोल ग्राम के 133 .64 हेक्टेयर वन में बसाया जायेगा. इन भूमि का चयन लातू व कुजरूम के ग्रामीणों के द्वारा ही किया गया है.

---

80 प्लस की उम्र के वोटरों को सम्मानित किया गया

संवाददाता । लातेहार

सदर एसडीओ मो परवेज ने नगर पंचायत के 80 प्लस के मतदाताओं को सम्मानित किया गया. उन्होने बुधवार को नगर पंचायत के बूथ नंबर 200 (बाजार स्कूल) एवं 211 (करकट स्कूल) में व्योवृद्ध मतदाताओं को सम्मानित किया. इस दौरान उन्होने बिंदु साव (102), लक्ष्मण साव (86) व बिंदा देवी (83) को शौल व बुके भेंट कर सम्मानित किया.

एसडीओ ने उन्हें मतदान करने के लिए प्रेरित किया. इस अवसर पर नोडल पदाधिकारी साकेत कुमार, निर्वाचन कर्मी मनोज कुमार, पर्यवेक्षक अतुल कुमार, कन्हाई प्रसाद अग्रवाल, रंजीत कुमार,

जितेंद्र कुमार, द्वारिका प्रसाद व कृष्णा कुमार आदि उपस्थित थे. सबों ने कहा कि वे हर चुनाव में मतदान करते है और अन्य लोगो को भी मतदान के लिए प्रेरित करते हैं.

▼ ब्रीफ खबरें

सीतारामडेरा में सिलेंडर चोरी करते युवक धराया

जमशेदपुर । जमशेदपुर के सीतारामडेरा थाना अंतर्गत कस्तूरबा आश्रम निवासी सुशीला भोय उर्फ सुभद्रा भोय के घर पर 29-30 नवंबर की देर रात सिलेंडर चोरी करने वाले हेमंत साहू को स्थानीय लोगों ने रंगे हाथ पकड़ लिया. हेमंत की पिटाई करने के बाद उसे सीतारामडेरा पुलिस के हवाले कर दिया गया. हेमंत बाराद्वारी देवनगर का रहने वाला है. मिली जानकारी के अनुसार वह बुधवार देर रात सुशीला के घर पर चोरी करने के उद्देश्य से घुसा था.

वाहन ने मारा धक्का महिला हुई घायल

गढ़वा । गढ़वा जिला के रंका अनुमंडल क्षेत्र के मझिगवां निवासी सुदामा साव की पत्नी उषा देवी 60 वर्ष को तेज गति से आ रहे वाहन ने धक्का मार कर फरार हो गया. घटना के संबंध में पीड़िता के संबंधियों ने बताया कि गढ़वा से अंबिकापुर मार्ग रंका के मझिगवां अपने घर बाइक पर सवार होकर जा रही थी तभी तेज गति से आ रहे बाइक सवार ने महिला को धक्का मारते हुए फरार हो गया. आनन-फानन में घायल उषा देवी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रंका में उपचार किया जा रहा है.

मोबाइल छिनतई के आरोप में दो को जेल

हजारीबाग । शहर के कोर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत कोर्रा चौक के समीप से दो बदमाश मोबाइल छिनतई करते पकड़े गए. जिन्हें गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है. इसमें विशाल कुमार और जस्टिन आईन्द नामक युवक शामिल है. पकड़े गए दोनों युवक कोर्रा थाना क्षेत्र के ही रहने वाले हैं. यह जानकारी कोर्रा थाना प्रभारी निशी कुमारी ने दी. उन्होंने बताया कि पकड़े गए दोनों आरोपियों के विरुद्ध कोर्रा थाना में कांड संख्या 316/23 दर्ज किया गया है.

जमीन कारोबारी की हार्ट अटैक से मौत

जमशेदपुर । परसुडीह थाना अंतर्गत गोविंदपुर स्थित दयाल सिटी निवासी गणेश गोप की गुरुवार को हार्ट अटैक से मौत हो गई. घटना बुधवार रात करीब 10 बजे की है. गणेश अचेत अवस्था में अपने घर के कमरे में पड़े हुए थे. परिजनों ने उन्हें तत्काल इलाज के लिए टाटा मोटर्स अस्पताल पहुंचाया जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. डॉक्टरों ने बताया कि हृदय गति रुकने से उनकी मौत हुई है. गणेश जमीन कारोबारी था.

वैन ने बाइक को मारी टक्कर, जवान घायल

जमशेदपुर । जमशेदपुर के आजादनगर थाना अंतर्गत एनएच 33 पर होटल सिटी-इन के पास एक पिकअप वैन ने बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया. इस घटना में बाइक सवार सुकुमार महतो गंभीर रूप से घायल हो गया. घटना को अंजाम देने के बाद पिकअप तेजी से मौके से फरार हो गया. इधर, स्थानीय लोगों की मदद से घायल को इलाज के लिए एमजीएम ले जाया गया जहां से उसे बेहतर इलाज के लिए रांची के रिम्स रेफर कर दिया गया. सुकुमार ट्रैफिक जवान हैं.

चाकूबाजी में 3 महिलाएं समेत 5 लोग घायल

बोकारो। जिले के चास थाना क्षेत्र के मछली पट्टी में गुरुवार की दोपहर आपसी रंजिश में चाकूबाजी की घटना में 3 महिलाएं समेत 5 लोग घायल हो गए. इस बाबत पीड़ित परिवार ने चास थाना में आवेदन देते हुए मछली पट्टी निवासी उत्तम चंद्र और सौरभ चंद्र पर मारपीट का आरोप लगाया है. जानकारी के अनुसार, विवाद की शुरुआत घर के सामने नाली बनाने को लेकर हुई. आरोप है कि उत्तम चंद्र व सौरभ चंद्र ने पड़ोसी पर छलनी और लोहे की रॉड से हमला कर दिया, जिसमें 5 लोग घायल हो गए.

मटकुरिया गोलीकांड की हुई सुनवाई

धनबाद । मटकुरिया गोलीकांड की सुनवाई जिला न्यायाधीश के अदालत में हुई. सुनवाई के दौरान कांड के आरोपी पूर्व मंत्री बच्चा सिंह, मन्नान मल्लिक, व अन्य हाजिर नहीं थे. अदालत ने अभियोजन को गवाह पेश करने का आदेश दिया है. मालूम हो कि 27 अप्रैल 11 को मटकुरिया में बीसीसीएल के आवासों को अतिक्रमण से मुक्त कराने गये पुलिस बल के साथ आंदोलनकारियों की हिंसक झड़प हुई थी. घटना में तत्कालीन एसपी आरके धान जख्मी हो गए थे.

3 साइबर ठग गिरफ्तार, 9 फोन, 18 सिमकार्ड बरामद

▪ सुंगिया पहाड़ी पर बना रहे थे अपराध की योजना

संवाददाता । गिरिडीह

गिरिडीह पुलिस साइबर अपराधियों पर लगाम लगाने के लिए लगातार कार्रवाई कर रही है. एसपी दीपक कुमार शर्मा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने ताराटांड़ थाना क्षेत्र के लाटोरी गांव की सुंगिया पहाड़ी पर अपराध की योजना बना रहे तीन शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार आरोपियों में ताराटांड़ थाना क्षेत्र के बरोटांड़ निवासी अर्जुन कुमार मंडल, धनबाद के मनियाडीह निवासी राजेश कुमार मंडल व अहिल्यापुर थाना क्षेत्र के लखनपुर निवासी सुभाष मंडल शामिल है. उनके पास से पुलिस ने 9 मोबाइल व 18 सिमकार्ड बरामद किया है. यह जानकारी एसपी दीपक कुमार शर्मा ने गुरुवार को पपरवाटांड़ पुलिस ऑफिस में प्रेसवार्ता में दी.

मिली सफलता

- गिरफ्तार आरोपियों में अर्जुन, राजेश व सुभाष शामिल है
- एसपी ने गुरुवार को प्रेस-कांफ्रेंस कर दी जानकारी

एसपी ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि ताराटांड़ के सुंगिया पहाड़ी पर कुछ युवक साइबर अपराध की योजना बना रहे हैं. इसके बाद साइबर डीएसपी संदीप सुमन समदर्शी के नेतृत्व में पुलिस ने छापेमारी कर पहाड़ी से तीनों साइबर अपराधियों को दबोच लिया. छापेमारी टीम में साइबर थाना प्रभारी अजय कुमार, अवर निरीक्षक सरोज कुमार मंडल, सुबल डे, संजय मुखियार, साकेत वर्मा, जीतेंद्रनाथ महतो, बासुदेव सिंह आदि शामिल थे. एसपी ने बताया कि गिरफ्तार युवक एसबीआई बैंक का फर्जी लिंक बनाकर ठगी करते थे. प्रतिबिंब एप के जरिए इनके ठिकानों का पता लगाकर पुलिस जब पहाड़ी पर पहुंची, तो तीनों युवक भागने लगे. पुलिस ने 4 किलोमीटर दौड़ाकर उन्हें दबोच लिया.

आओ जानें

किस राज्य के जीआरपी द्वारा कितने केस दर्ज किए गए हैं

आंध्र प्रदेश	: 1797	मध्यप्रदेश	: 6144
असम	: 567	महाराष्ट्र	: 45341
बिहार	: 5390	ओडिशा	: 1474
छत्तीसगढ़	: 801	पंजाब	: 899
गुजरात	: 6424	राजस्थान	: 2557
हरियाणा	: 1881	तमिलनाडु	: 4926
हिमाचल प्रदेश	: 13		
झारखंड	: 658		
कर्नाटक	: 1863		
केरला	: 1088		

ओरमांझी में बहुचर्चित सूफिया परवीन हत्याकांड में आया फैसला

लाश छिपाने वाले बेलाल और अफसाना दोषी करार

पति-पत्नी को अंतिम सांस तक जेल में रहने की सजा सुनाई

संवाददाता। रांची

बहुचर्चित ओरमांझी सूफिया परवीन हत्याकांड मामले में दोषी करार पति-पत्नी को अंतिम सांस तक जेल में रहने की कठोर कारावास की सजा सुनाई गई है. गुरुवार को अपर न्यायायुक्त एमके वर्मा की अदालत ने सूफिया परवीन की हत्या के दोषी शेख बेलाल और पत्नी अफशाना खातून को अंतिम सांस तक जेल की सजा सुनायी है. साथ ही दोनों पर 95-95 हजार का जुर्माना भी लगाया गया है. जुर्माना नहीं देने पर दोनों को एक-एक साल की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगा. मामले में सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने 19 गवाहों का बयान दर्ज कराया था. तमाम साक्ष्य और गवाहों के आधार पर अदालत ने दोनों आरोपियों को दोषी पाते हुए सजा सुनाया है. युवती की सिरकटी लाश मिलने के बाद रांची में कई दिनों तक बवाल मचा था. रांची के किशोरगंज चौक पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के काफिला पर भी हमला किया गया था. जिसको लेकर भैरव सिंह समेत कई को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था.

जानें क्या था पूरा घटनाक्रम

3 जनवरी 2021: ओरमांझी थाना क्षेत्र के जीराबार पलाश पतरा जंगल सिर कटा युवती का शव मिला था.
4 जनवरी 2021 : एसएसपी सुरेंद्र कुमार झा ने युवती और अपराधियों की सूचना देने वाले को 25 हजार इनाम देने की घोषणा की थी.
5 जनवरी 2021: आईजी अखिलेश कुमार झा ने इनाम की राशि बढ़ाकर 50 हजार कर दिया था.
6 जनवरी 2021 : पुलिस ने युवती के स्वाब और नाखून को एफएसएल के लिए भेजा था.
7 जनवरी 2021 : पुलिस ने घटनास्थल की जांच एफएसएल टीम से कराई और युवती की सिर खोजने के लिए सर्च अभियान चलाया.
8 जनवरी 2021: एसएसपी सुरेंद्र कुमार झा ने युवती के कटे हुए सिर की तलाश के लिए सर्च अभियान चलाया और इनाम राशि 50 हजार से बढ़ाकर पांच लाख कर दिया गया.
10 जनवरी 2021: चान्हों थाना क्षेत्र के चटवल गांव के रहने वाले एक दंपती ने युवती को अपनी बेटी बताकर दावा किया.
11 जनवरी 2021: रांची पुलिस ने मुख्य आरोपित शेख बिलाल को हत्या का आरोपित बताकर उसकी तस्वीर जारी की.
12 जनवरी 2021 : शेख बेलाल के खेत से रांची पुलिस ने युवती का कटा हुआ सिर बरामद किया.
14 जनवरी 2021: आरोपित शेख बेलाल को पुलिस ने सिकिदरी रोड में ऑटो से गिरफ्तार किया था.
14 जनवरी 2021: आरोपित शेख बेलाल को लेकर पुलिस घटनास्थल पर गई, जहां पूरी क्राइम सीन रीक्रिएट करवाया.
15 जनवरी 2021: आरोपित बेलाल की पत्नी साबो को जेल भेजा गया.
16 जनवरी 2021: आरोपित बेलाल को जेल भेजा गया.
26 नवंबर 2023: बेलाल और उसकी पत्नी दोषी करार.
30 नवंबर 2023: बेलाल और उसकी पत्नी को आजीवन कारावास की सजा.

तत्कालीन एसएसपी सुरेंद्र झा के कार्यकाल में हुआ था खुलासा

ओरमांझी थाना क्षेत्र के जीराबार जंगल से बीते 3 जनवरी 2021 को युवती की सिरकटी लाश बरामद की गयी थी. इसे लेकर रांची में काफी विरोध-प्रदर्शन हुआ था. यह मामला राज्यभर में चर्चित हुआ था. गौरतलब है कि रांची के तत्कालीन एसएसपी सुरेंद्र कुमार झा के निर्देश पर गठित पुलिस की टीम ने घटना के नौ दिन के बाद बीते 12 जनवरी 2021 को युवती का सिर रांची के पिठौरिया थाना क्षेत्र के चंदवे बस्ती से बरामद किया था. युवती की पहचान सूफिया परवीन के रूप में हुई थी. इसके अलावा युवती का कपड़ा और गला काटने के लिए इस्तेमाल की गई धारदार हथियार को भी पुलिस ने बरामद कर लिया था. पुलिस ने इस हत्या के आरोपी शेख बेलाल और उसकी पत्नी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था.

शराब बिक्री करनेवाली प्लेसमेंट एजेंसी जीडीएक्स हुई ब्लैकलिस्टेड

संवाददाता । रांची

बिवरेज कॉरपोरेशन लिमिटेड ने झारखंड में शराब बिक्री करनेवाली प्लेसमेंट एजेंसी जीडीएक्स को ब्लैकलिस्टेड कर दिया है. इसके साथ ही एजेंसी द्वारा बैंक गारंटी के रूप में जमा किये गये आठ करोड़ रुपये भी जब्त कर लिये गये हैं. जानकारी के मुताबिक, यह एजेंसी अगले तीन वर्षों तक काम नहीं कर पायेगी. इस एजेंसी को झारखंड के पलामू, लातेहार, गढ़वा, रामगढ़ और बोकारो में खुदरा शराब बिक्री के लिए काम दिया गया था. अब इन सभी जिलों में शराब बिक्री का जिम्मा नयी प्लेसमेंट एजेंसी को दिया जायेगा. इस एजेंसी पर आरोप है कि शराब बिक्री करने के बाद पैसा जमा नहीं किया था. इस मामले का खुलासा गढ़वा में पदस्थापित उत्पाद अवर निरीक्षक ने किया था. वित्तीय अनियमितता का मामला आने के बाद जांच के लिए एक कमेटी का गठन किया गया, जिसके बाद विभाग ने इस एजेंसी को ब्लैकलिस्टेड कर दिया.

माओवादी बंदी से जनजीवन अस्त-व्यस्त, पुलिसकर्मी सतर्क

संवाददाता । मनोहरपुर

प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी का गुरुवार को एक दिवसीय बंद का असर मनोहरपुर व आनंदपुर प्रखंड में पूरी तरह से रहा. वहीं बंद के दौरान आवश्यक चीजों व रेल यात्री ट्रेनों का परिचालन छोड़कर दूरदराज क्षेत्रों एवं स्थानीय स्तर पर यात्री बस, टेंपो व मालवाहक वाहनों का परिचालन पूरी तरह ठप है. बंद का असर व्यापारिक प्रतिष्ठान दुकान, बैंक, पेट्रोल पंप आदि अन्य प्रतिष्ठान पर भी पड़ा है. इस बंद से मनोहरपुर आयरन ओर माइंस चिड़िया (सेल) के खदानों में भी लौह अयस्क की खुदाई व ढुलाई बाधित है. इससे सेल को लगभग दो करोड़ से अधिक का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा. माओवादी बंद से निपटने के लिए जिला पुलिस प्रशासन के जवान सतर्क हैं. साथ ही मनोहरपुर सर्किल अंतर्गत सभी पांच थाना क्षेत्र मनोहरपुर, आनंदपुर, जराईकेला, छोटानागरा व चिड़िया ओपी थाना के पुलिस अधिकारी व जवान विधि-व्यवस्था को लेकर चाक-चौबंद हैं.

शहीद जवानों के परिजनों को मिला मुआवजा

संवाददाता। रांची

नक्सल अभियान में शहीद हुए पुलिसकर्मियों के परिजनों को मुआवजा मिला है. गुरुवार को झारखंड पुलिस मुख्यालय में डीजीपी ने चाईबासा जिले में बीते 14 अगस्त को नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में शहीद हुए सब इंस्पेक्टर अमित तिवारी और कांस्टेबल गौतम कुमार के परिजनों को 25 लाख और 15 लाख रुपये इंश्योरेंस के रूप में प्रदान किये. बता दें कि फोर्थ ग्रेड कर्मचारी से लेकर डीजीपी तक करीब 66 हजार पुलिसकर्मियों को भारतीय स्टेट बैंक से निःशुल्क 50 से 60 लाख रुपये का बीमा का लाभ मिलेगा. बिना कोई प्रीमियम दिये यह लाभ पुलिसकर्मियों को मिलेगा. इसे लेकर झारखंड पुलिस और एसबीआई (भारतीय स्टेट बैंक) के बीच बीते 22 अगस्त को एमओयू हुआ था.

पहले भी दिया गया है मुआवजा : झारखंड के डीजीपी अजय कुमार सिंह ने बताया कि नक्सलियों के खिलाफ झारखंड में निर्णायक लड़ाई चल रही है. इस लड़ाई में हमारे जवान और अफसर बिना किसी भय के भाग ले रहे हैं. जिसमें उन्हें अपनी प्राणों की आहुति भी देनी पड़ रही है. शहीदों के परिजनों के साथ पुलिस मुख्यालय हमेशा खड़ा है. इससे पूर्व शहीद अमित तिवारी के परिजनों को 1.78 करोड़ और गौतम के परिजनों को 1.68 करोड़ की राशि पूर्व में दी जा चुकी है.

होटल में मिला रामगढ़ के युवक का शव

आदित्यपुर के होटल शुभेच्छा के कमरा नंबर 103 में ठहरा हुआ था युवक

▪ मृतक की पहचान 27 वर्षीय शुभम जायसवाल के रूप में की गयी है

संवाददाता । जमशेदपुर

सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर स्थित होटल शुभेच्छा के कमरा नंबर 103 से गुरुवार की सुबह एक युवक का शव बरामद किया गया. मृतक की पहचान रामगढ़ जिले के बड़गांव निवासी 27 वर्षीय शुभम जायसवाल के रूप में की गई है. शुभम कुछ दिनों पूर्व ही अपने दोस्त की शादी में शामिल होने के लिए जमशेदपुर आया था. वह आदित्यपुर के होटल शुभेच्छा के कमरा नंबर 103 में ठहरा हुआ था. दोस्तों ने घटना की जानकारी शुभम के परिजनों को दे दी है. सूचना पाकर शुभम के परिजन रामगढ़ से जमशेदपुर के लिए रवाना हो चुके हैं. शुभम रामगढ़ में कोयला कारोबारी था.

रात को शराब पीने के बाद कमरे में चला गया था शुभम : शुभम के दोस्तों ने बताया कि रात को राम, विक्की और मिहुल ने शराब पी फिर सभी अपने-अपने कमरे में चले गए. सुबह 4 बजे मिहुल, शुभम से मिलकर भी आया था. सुबह 10 बजे सभी उसे जगाने के लिए कमरे में पहुंचे, तो कमरा अंदर से बंद था. काफी देर तक कमरे का दरवाजा बंद रहने पर दरवाजे को तोड़ा गया. कमरे में शुभम बेड पर अचेत अवस्था में लेटा हुआ था और उसके मुंह से झाग निकल रहा था. उसे तत्काल एंबुलेंस से टीएमएच ले जाया गया, जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

पूर्व में भी हो चुकी है मौत की घटनाएं : आदित्यपुर के होटल शुभेच्छा में पूर्व में भी कई मामले सामने आए हैं. सितंबर 2022 में होटल के कमरा नंबर 101 में एक महिला की हत्या कर दी गई थी. बताया गया था कि महिला की हत्या प्रेम प्रसंग में की गई थी. वहीं उससे पूर्व भी एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया था.

जमीन कारोबारी के शरीर से निकाली गई गोली, हालत में सुधार

संवाददाता । धनबाद

जमीन कारोबारी कृष्णा मंडल के कमर में लगी गोली को ऑपरेशन के बाद निकाल लिया गया है. दुर्गापुर में लगभग तीन घंटे तक चले ऑपरेशन के बाद उनकी हालत में सुधार हुई है. आमाघाटा व उनके मोहल्ले नवाटांड़ से कई लोग दुर्गापुर पहुंचे. इधर, पुलिस ने गोलीकांड को लेकर कृष्णा मंडल के बयान पर दो अज्ञात बाइक सवार अपराधियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है.

बताते चलें कि बुधवार को गोविंदपुर थाना क्षेत्र के आमाघाटा में जमीन कारोबारी कृष्णा मंडल को उनकी हार्डवेयर की दुकान में गोली मार दी गई थी. वारदात को बाइक सवार दो अपराधियों ने अंजाम दिया था. कृष्णा को मोबाइल पर तीन माह पूर्व धमकी भरा फोन आया था, इस कारण प्रथमदृष्टया वारदात के पीछे रंगदारी को कारण माना जा रहा है. हालांकि पुलिस किसी ठोस नतीजे पर अब तक नहीं पहुंच पाई है.

स्पेशल ब्रांच का मामला

सीएम सिक्योरिटी समेत एसपी और डीएसपी के कई पद खाली

संवाददाता। रांची

झारखंड में एसपी और डीएसपी सीएम सिक्योरिटी समेत स्पेशल ब्रांच में कई पद खाली पड़े हैं. जिस विभाग के पास राज्यभर की खुफिया सूचना जुटाने की जिम्मेवारी है, वो विभाग वर्तमान में प्रभार के भरोसे चल रहा है. झारखंड पुलिस की आंख और कान मानी जानेवाली स्पेशल ब्रांच में एडीजी, आईजी, डीआईजी, एसपी और डीएसपी रैंक के अधिकारियों के कुल 34 पद स्वीकृत हैं, जिनमें 11 खाली और प्रभार के भरोसे चल रहे हैं. स्पेशल ब्रांच आईजी का पद प्रभार के भरोसे चल रहा है.

क्या है स्पेशल ब्रांच का काम : स्पेशल ब्रांच झारखंड पुलिस की आंख और कान मानी जाती है. इसका काम धरने और प्रदर्शनों की सही रिपोर्ट जुटाना होता है. इसके अलावा पॉलिटिकल, नक्सल, आपराधिक गतिविधियों पर खुफिया नजर रखी जाती है. साथ ही रणनीति के लिए लोकल पुलिस को अलर्ट करने का भी काम है.

स्पेशल ब्रांच के 34 में से 11 पद हैं खाली

- एडीजी
- डीआईजी एसआईबी
- एसपी सीएम सुरक्षा
- डीएसपी रांची सिटी
- डीएसपी रांची ग्रामीण
- डीएसपी सीएम सुरक्षा
- डीएसपी टेक्निकल
- डीएसपी सीएम सुरक्षा
- डीएसपी गढ़वा
- डीएसपी जमशेदपुर
- एक डीएसपी

लातेहार: अवैध रूप से लकड़ी की ढोने में लगा ट्रैक्टर जब्त

लातेहार । पलामू व्याघ्र परियोजना के बारेसांढ़ वन क्षेत्र के पहाड़कोचा जंगल से वन कर्मियों ने अवैध रूप से लकड़ी ले जा रहे एक ट्रैक्टर को जब्त किया है. जब्त किया गया ट्रैक्टर पहाड़कोचा गांव निवासी सुरेंद्र यादव का बताया जा रहा है. वनों के क्षेत्र पदाधिकारी तरुण कुमार सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि पहाड़कोचा के जंगल में बुधवार की रात तकरीबन 11 बजे लकड़ी तस्कर बेशकीमती लकड़ी लेकर ट्रैक्टर से जा रहे हैं. सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए बुधवार रात में ही छापेमारी टीम जंगल भेजा गया. वन कर्मियों को देख कर लकड़ी तस्कर वहां से भाग गये. लेकिन टीम ने ट्रैक्टर चालक सुनेश्वर बृजिया को गिरफ्तार कर लिया. ट्रैक्टर में बिया प्रजाति के छह बोटा लदा था. उन्होंने बताया कि इसका बाजार मूल्य तकरीबन दो लाख रूपये हैं. चालक को लातेहार जेल भेज दिया गया है. छापेमारी में वनपाल परमजीत तिवारी, निर्भय सिंह, अरुण कुमार व अन्य वन कर्मी शामिल थे.

रिपोर्ट अपराधियों की गोली से घायल दारोगा को सस्पेंड किए जाने का मामला

पुलिस मुख्यालय ने रामगढ़ एसपी से मांगी रिपोर्ट

शुभम संदेश इंपैक्ट

सौरभ सिंह। रांची

फाइल फोटो

अपराधियों की गोली से घायल हुए दारोगा को सस्पेंड करने के मामले में झारखंड पुलिस मुख्यालय ने रामगढ़ एसपी से दो दिन में रिपोर्ट मांगी है. गौरतलब है कि मुठभेड़ में अपराधियों की गोली से घायल हुए दारोगा सोनू कुमार साव को रामगढ़ एसपी पीयूष पांडेय ने तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया था. दारोगा सोनू साव को ड्यूटी के दौरान अनुपस्थित रहने के आरोप में सस्पेंड किया गया है.

थाना प्रभारी ने दारोगा सोनू साव के अनुपस्थित रहने की रिपोर्ट एसपी को दी : इस कार्रवाई को लेकर चर्चा है कि दारोगा सोनू ने भुरकुंडा थाना प्रभारी को बताया था कि गोली लगने की वजह से उनके पैर का जख्म सही से ठीक नहीं हुआ है. जिस वजह से वो ड्यूटी पर नहीं आ पाएंगे. इसके बाद भी थाना प्रभारी ने दारोगा सोनू साव के खिलाफ ओडी ड्यूटी के दौरान अनुपस्थित रहने की रिपोर्ट एसपी को दी. जिसके बाद एसपी ने दारोगा सोनू साव को सस्पेंड कर दिया.

अपराधियों के साथ मुठभेड़ के दौरान लगी थी गोली : जेल में बंद गैंगस्टर अमन साहू गैंग के अपराधियों ने 17 जुलाई को रात 9 बजे एंटी टेररिस्ट स्क्वायड (एटीएस) व रामगढ़ पुलिस की टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग की थी. वारदात पतरातू थाना क्षेत्र अंतर्गत खैरमांझी द्वार खेलारी रोड में डाड़ीडीह सरना उच्च विद्यालय के समीप घटी थी. इसमें एटीएस के डीएसपी नीरज कुमार को पेट में व रजरप्पा थाना के दारोगा सोनू कुमार साव को दाहिनी जांघ में गोली लगी थी. एक अन्य जवान गिर कर घायल हो गया था.

घटना के बाद मौके पर पहुंचे तीन जवानों को एक बाइक सवार ने अपनी चपेट में ले लिया था, जिससे वे घायल हो गये. घटनास्थल से ग्रीन कॉरिडोर बनाकर डीएसपी को मेडिका अस्पताल रांची लाया गया. बाद में दारोगा को भी यहीं भर्ती कराया गया था.

मुख्यालय से मिला था कार्रवाई का आदेश : पिछले दो-तीन माह से रामगढ़ जिले के पतरातू थाना इलाके में विभिन्न आपराधिक गिरोहों की सक्रियता बढ़ गयी थी. लेकिन रामगढ़ पुलिस अपराधियों के गैंग के खिलाफ कार्रवाई सही ढंग से नहीं कर पा रही थी. मामले में सीआईडी व पुलिस मुख्यालय के आला अधिकारियों ने जिले के एसपी को अपराधी गैंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा था. लेकिन कुछ गैंग के लोगों के खिलाफ सिर्फ छापेमारी कर कार्य की इतिश्री कर ली गयी थी.

घर का ताला तोड़ लाखों के सोने के जेवरात की चोरी

संवाददाता । घाटशिला

घाटशिला थाना क्षेत्र के पावड़ा गांव निवासी रणवीर सिंह के घर बुधवार की रात घर का ताला तोड़कर अलमारी के लॉकर में रखा सोने की जेवरात की चोरी हो गई. गुरुवार की दोपहर रणवीर सिंह अपनी मां एवं बहन के साथ शादी समारोह से वापस लौटने पर घटना की जानकारी हुई. तत्काल इसकी सूचना घाटशिला थाने को दी गई. सूचना मिलते ही एसआई गोविंद कुमार दल-बल के साथ रणवीर सिंह के घर पहुंच कर घटना की जानकारी ली. घटना के संबंध में रणवीर सिंह की बहन ने बताया कि ताऊ की बेटी की शादी में मंगलवार को टाटा गए थे. वापस आने के बाद देखा कि घर का दरवाजा खुला हुआ है अलमारी में रखा सारा सामान गायब है. चोर ने चार जोड़ी कान के झुमके, दो सोने के चेन, दो अंगूठी, चांदी का चाबी छल्ला एवं नगद 10 हजार रुपए की चोरी कर चोर फरार हो गया. आसपास के लोगों से पूछताछ करने पर किसी को चोरी के संबंध में कोई जानकारी नहीं है. पुलिस ने परिवार वालों को आश्वासन दिया कि मामले की छानबीन की जा रही है. पुलिस का प्रयास होगा कि जल्द से जल्द मामले का खुलासा हो.

राशिफल
आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष चतुर्थ मंगल कुछ मानसिक तनाव देगा. किसी कार्य के पहले सोच विचार कर करें. कार्य व्यवसाय एवं नोकरी में रुकावटें होंगी. पर किया गया परिश्रम सार्थक होगा. वही परीक्षा-प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करेंगे.परिवारिक जीवन सुखमय होगा.

वृषभ व्यापार के लिए दिन शुभ है. आय का मार्ग खुलेगा. आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. काम-काज के लिए अच्छा रहेगा. परिवार के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा. मन में कुछ नकारात्मक विचार आ सकते हैं.

मिथुन काम में मन लगेगा. संतान की शिक्षा में सुधार होगा. घरेलू विवाद कोशिश करने से सुलझ सकता है. आपके अच्छे कर्म से भाग्योदय संभव है. पारिवारिक सुख अच्छा मिलेगा. मिथ्या आरोप लगने के कारण क्रोध बढ़ सकता है.

कर्क लग्न का मालिक स्वग्रही है. समय उत्तम है. पर काम काज सामान्य रहेगा. मन प्रसन्न रखना होगा. किसी पदाधिकारी से मित्रता हो सकती है. परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य में कमी देखने को मिल सकती है. मंगल को बल दें.

सिंह किसी महिला से विवाद हो सकता है. परिवार के सदस्यों की तरफ से सुख और सहयोग मिलेगा. आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली बना रहेगा. शुभफलों की प्रधानता रहेगी. ज्यादा बात विचार और सोच से समय खराब हो सकता है.

कन्या व्यापार वृद्धि के लिए दिन अच्छा है. पर आपके रुखे व्यवहार से बनी बनाई बात बिगड़ सकती है. क्रोध पर नियंत्रण रखें. काम काज सामान्य रहेगा. परीक्षा एवं प्रतियोगिता में आशाजनक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं.

तुला कोई सरकारी काम काम बन सकता है. काम काज सामान्य रहेगा. आपका मन किसी भी काम में पूरी तरह से नहीं लग पाएगा. आपके लिए निराशाजनक हालात पैदा हो सकते हैं.परिवार या मित्र से मतभेद हो उत्पन्न हो सकते हैं.

वृश्चिक धर्म में मन लगेगा. कामकाज में सफलता मिलेगी. दूसरों के साथ अच्छे संबंध बने रहेंगे. स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं बन सकती हैं. वाहन के प्रति सावधानी रखने की आवश्यकता है. हनुमान चालीसा का पाठ करें.

धनु विवाद से दूर रहें. किसी से मानहानि हो सकती है. कर्म के बल पर आर्थिक स्थिति अच्छी होगी. वाहन चलाते समय सावधानी बरतें.खर्चे में बढ़ोतरी होगी. स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें.पीपल वृक्ष की पूजा सेवा करें.

मकर कोई नई कार्य योजना में विस्तार हो सकता है. कामकाज में सफलता मिलेगी. शिक्षा-प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी. परिवार के लोगों के साथ अच्छा तालमेल बना रहेगा. किसी से शुभ समाचार मिलेगा.

कुंभ शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी. स्वभाव में गंभीरता एवं एकाग्रता बनी रहेगी. परिवार की तरफ से मन प्रसन्न रहेगा. ज्यादा बोलने से बचें. किसी प्रकार के विवाद में ना पड़े. समय और अनुकूल हो इसलिए अन्न का दान करें.

मीन भाग्य साथ देगा. किसी से विवाद हो सकता है. करीबियों की भावनाओं की कद्र करें. आपके मन में एक नया उत्साह और जोश दिखाई देगा. कामकाज में लाभ होगा. स्वास्थ्य का ध्यान रखें.

डीसी ने वृद्ध मतदाताओं को किया सम्मानित

रांची। रांची डीसी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी राहुल कुमार सिन्हा ने गुरुवार को ओल्ड एज होम 'अपना घर' और बीएमपी केंद्र डोरंडा पहुंचकर वृद्ध जनों से एक-एक कर बात करते हुए, उनका हाल जाना. वहीं 80 से ऊपर उम्र के मतदाताओं को सम्मानित किया. इसके साथ उन्होंने उनसे आग्रह करके मतदान में अपनी अत्यंत महत्वपूर्ण सहभागिता निभाते हुए मतदान करने की अपील की. डीसी के मतदान करने की अपील पर अपना घर ओल्ड एज होम के वृद्धजनों ने एक स्वर में कहा कि जब तक जीवन रहेगा, मतदान करते रहेंगे. हम सभी अपनी जिम्मेवारी निभाते हुए एक जिम्मेदार नागरिक बनेंगे.

उपभोक्ताओं को नहीं मिल रहा राशन

आदित्यपुर। आदित्यपुर- गम्हरिया के जन वितरण प्रणाली के हजारों उपभोक्ताओं को जुलाई यानी पांच माह से उनके हिस्से का सरकारी राशन नहीं मिल रहा है. राशन देने के लिए पीडीएस डीलर हर माह उपभोक्ताओं से तराजू पर खाद्य सामग्री की बजाय बटखरा रखकर अंगूठे का बायोमीट्रिक तो ले रहे हैं और हर माह आवंटन आने की बात कह रहे हैं, लेकिन उन्हें खाद्य सामग्री नहीं दी जा रही है. वस्तुस्थिति की जानकारी लेने के लिए जब विभाग के जिम्मेदार अधिकारी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को फोन किया जा रहा है तो वे फोन नहीं उठा रहे हैं.

समापन समारोह : कार्तिक उरांव कॉलेज के वनस्पति विज्ञान विभाग में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

एथनो बॉटनी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एक नई शुरुआत : गीताश्री उरांव

संवाददाता। गुमला

कार्तिक उरांव कॉलेज गुमला में एथनो बॉटनी एनवायरमेंटल सस्टेनेबिलिटी एंड मल्टीडिसीप्लिनरी विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ. यह कॉन्फ्रेंस सेंटर फॉर सोशल एंड एनवायरमेंटल रिसर्च और समिति का एथना बॉटनी लखनऊ के द्वारा किया गया. आयोजन समिति के सचिव डॉ प्रसेनजीत मुखर्जी ने बताया कि दो दिवसीय इस कांफ्रेंस में देश विदेश के तीन सौ से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए, जिसमें ढाई सौ शोधपत्र प्रस्तुत किए गए. समापन समारोह में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और प्रतीक चिह्न प्रदान किए गए. इसमें बेस्ट ओरल प्रेजेंटेशन शालिनी बाड़ा, बेस्ट पोस्टर रिसर्च स्कॉलर प्रिया मीनाक्षी और सोमा करमाकर ,बेस्ट पोस्टर पीजी स्टूडेंट अभिषेक कुमार शर्मा और बेस्ट पोस्टर यूजी स्टूडेंट सौरभ कुमार सिंह चुने गए. इस मौके पर मुख्य अतिथि पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ गीता श्री उरांव ने कहा कि गुमला जैसे छोटे शहर में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन होना एक बहुत बड़ी उपलब्धि है.

खास बातें
- देश-विदेश के तीन सौ से अधिक प्रतिभागियों ने निभायी सहभागिता
- ढाई सौ शोध पत्र किये गये प्रस्तुत प्रतिभागियों को मिला प्रमाणपत्र

उन्होंने केओ कॉलेज और आयोजकों को इस के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह एक नई शुरुआत है और ये सिलसिला आगे भी जारी रहना चाहिए. विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे राष्ट्रीय वन उत्पादकता संस्थान के निदेशक डॉ अमित पांडे ने कहा कि झारखंड जैसे वन्य प्रदेश में शोध के लिए सहभागिता आवश्यक है और इससे अच्छे निष्कर्ष सामने आएंगे. केओ कॉलेज के प्रिंसिपल प्रोफेसर अमर ज्योति खलखो ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया. विश्वेश्वरैया टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी से डॉ. जी पांडुरंग मूर्ति, और डॉ पी गिरिधर, एनबीआरआई लखनऊ से डॉ मंजूषा श्रीवास्तव ,राजस्थान विश्वविद्यालय से डॉ. अमित कोटिया, सीएसआईआर- नीरी, नागपुर से डॉक्टर तनवीर आरफीन, गोवा विश्वविद्यालय से शैली कविता एवं विभिन्न विश्वविद्यालय से प्रतिभागी शामिल हुए.

श्रीलंका से एनोमा परेरा कनाडा पेट्रोनिला डायस विशेष रूप से शामिल हुई. कार्यक्रम को सफल बनाने में रवि राहुल सिंह, डॉ तेतरू उरांव ,शोएब अंसारी, डॉ बी के सिंह , तेतरू तिर्की डिंपल कुमारी ,चित्रा शर्मा ,अजीत कुमार हांसदा , अंकित कुमार , अनिल गुप्ता और तुलसी की विशेष भूमिका रही.

महेशपुर पंचायत में सरकार आपके द्वार

राजगंज । बाघमारा प्रखंड के महेशपुर पंचायत सचिवालय में गुरुवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार के तहत शिविर का आयोजन हुआ. बाघमारा अंचलाधिकारी रवि भूषण सिंह, जिला परिषद सदस्य वानी देवी, मुखिया मनोज महतो ने संयुक्त रूप से शिविर का उद्घाटन किया. अंचलाधिकारी ने शिविर में आए ग्रामीणों को सरकार द्वारा चलाई जा रहीं योजनाओं की जानकारी दी. शिविर में अबुबा आवास, सिंचाई कूप, एजुकेशन ऋण,वृद्धा पेंशन सहित अन्य योजनाओं के कई स्टॉल लगाए गए, जहां बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों योजनाओं से संबंधित आवेदन जमा किए. कई लाभुकों को ऑन द स्पॉट योजनाओं का लाभ भी दिया गया. अंचलाधिकारी ने कहा कि सरकार की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने के उद्देश्य से सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया है.

जियारत : अलिफ हज उमरा ट्रेवल्स झारखंड के माध्यम से गये थे हज करने

मक्का-मदीना से 53 लोगों का जत्था पहुंचा राजधानी

रेहान अहमद। रांची

अलिफ हज उमरा ट्रेवल्स झारखंड की ओर से 53 लोगों का जत्था उमरा कर मक्का मुकर्रमा और मदीना से वापस राजधानी पहुंचा. ट्रेवल्स के संचालक सादिक खान ने बताया कि डिलेन्यु पैकेज से सारे लोग गये थे. इसमें एक व्यक्ति पर 1.12,500 लाख रुपये का खर्च आता है. इस 17 दिनों का सफर होता है. इस पर 37 मोकाम का जियारत कराया जाता है. वहीं एकोनामी पैकेज प्रति व्यक्ति 90 हजार खर्च आता है. यह 15 दिनों के सफर में 12 मोकाम का जियारत कराया जाता है. वहीं आजमीन हज करने पर प्राइवेट में साढ़े 6 लाख एवं सरकारी स्तर पर साढ़े 4 लाख रुपये का खर्च आता है.

मक्का यमलम में उमरा की जियारत

उमरा के साथी अकीलुर्रहमान ने बताया कि अल्लाह के रसूल ने उमरा किया उसकी सूरत हम लोग अदा कर रहे हैं. यहां रास्ते में ही हम लोगों को (अरब में) मिक्का यमलम मिला, जहां हम लोगों ने उमरा की जियारत की. उसके बाद जेद्दा एयरपोर्ट में उतरे. वहां से लग्जरी बस से मक्का मुनव्वरा के लिए रवाना हुए. इस तरह साढ़े छह घंटे के सफर के बाद हरम शरीफ पहुंच कर पहला उमरा किया और शरई सफा मरवा के बीच में सुन्नत अदा की. उमरा करने के बाद 2 रकत नफिल नमाज मोकामे इब्राहिम में अदा की और घर, परिवार, समाज एवं पूरे मुल्क की सलामती, खशहाली की दुआ की. उसके बाद कई जगहों की जियारत की गयी. 7 दिन मक्का मुनव्वरा में रहे, 3 उमरा, 4 तवाफ किये.

यहां की जियारत : गारे हेरा, गारे शौर, मीना मुजल्फा, आराफात का मैदान, मस्जिद ए जिन, मस्जिद ए फता, मस्जिद ए जुराना, तैफा, मस्जिद ए अब्बास, जन्नतुल बकी कब्रिस्तान, नबी का घर, आबे मजमज का पुराना कुआं, जबले खंदक, मस्जिद ए निमर, मीना उस जगह की जियारत की, जहां से अल्ला के रसूल ने इशारा किया था तो चांद के दो टुकड़े हो गये थे, मदीना, मस्जिद ए अली, मस्जिद ए अबुबक्र, मस्जिद ए गमामा, मस्जिद ए बेलाल, मस्जिद ए कुबा, मस्जिद ए किबलैतैन, जंगए ओहद, बीरे टोहा का कुआं, बीरे शिफा, शोहदाए बद्र, उसमान गनी के खजूर का बगीचा, जंग ए खंदक, मस्जिद ए जबले मलाईका, वाजिए जिन, बालु का पहाड़ जहां फरिशते नाजिल (सामने) हुए.

उमरा में न कंकड़, न कुर्बानी

उमरा में भी हज के सारे अरकान (नियम) पूरे करने हैं. वहां न केवल कंकड़ी नहीं मारना है, बल्कि कुर्बानी भी नहीं करनी है. बताया कि रांची से दिल्ली इंडीगो एयरलाइंस से गये. दिल्ली में रात को पांचसितारा होटल में ठहरे. दूसरे दिन दिल्ली एयरपोर्ट में सभी लोगों ने उमरा के अरकान (नियम) पूरे करने के लिए एहराम बांधा. अपने सर के बाल मुड़वाये. और फिर इस तरह सऊदी एयरलाइंस से मक्का के लिए रवाना हो गये.

उमरा के लोग

हबीब अख्तर, शम्स तबरेज, सादिक खान, मुस्तकीम, अकिलुर्रहमान, मो फारुक, मो जुबैर, शम्स भोला, इंतेशहाबुद्दीन, मो अख्तर समेत जमशेदपुर, बोकारो, गिरिडीह, हजारीबाग, धनबाद, कोलकाता, पटना, रांची आदि जगहों के लोग शामिल थे.

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- किस शहर को ईश्वर का निवास स्थान कहा जाता है – प्रयाग
- विटामिन ए का रसायनिक नाम क्या है – रेटिनोल
- सांडर्स की हत्या किसने की थी – भगत सिंह
- सीएफडीए फैशन आइकन पुरस्कार प्राप्त करने वाली पहली एथलीट – सेरेना विलियम्स
- 1952 में विशाल कोहरा किस शहर में हुआ था – लंदन
- दिल्ली स्थित लाल बहादुर शास्त्री की समाधि का नाम – विजय घाट
- भारत के किस पड़ोसी देश ने टिकटॉक पर बैन लगाया है – नेपाल
- मणिपुर में कितने लोकसभा सीट हैं – 2
- देश में वेंबनाड कहां पर है झील – केरल
- नंद वंश के संस्थापक कौन थे – महापदम नंद

कोलेबिरा को अनुमंडल बनाने की मांग पर हुई वादाखिलाफी

संवाददाता। सिमडेगा

कोलेबिरा को अनुमंडल बनाने की मांग लंबे समय से चल रही है. सीएम हेमंत सोरेन के कोलेबिरा आगमन पर लोगों को उम्मीद थी कि सीएम कोलेबिरा को अनुमंडल बनाने की घोषणा करेंगे. इसी हाई स्कूल मैदान में 2014 में उन्होंने घोषणा की थी कि कोलेबिरा को अनुमंडल किसी भी कीमत में हम बनाकर रहेंगे, लेकिन लोगो को निराशा हाथ लगी. यहां तक अनुमंडल बनने के लिए कोलेबिरा में हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया था और आवाज तेज की गई थी और इसके लिए झामुमो के जिला अध्यक्ष अनिल कांडुलना पूरा उम्मीद के साथ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पास लिखित ज्ञापन कार्यक्रम में दिया था और उम्मीद थी कि इस बार मुख्यमंत्री कोलेबिरा को अनुमंडल के लिए घोषणा कर देंगे, पर घोषणा और वादा धरे के धरा रह गया और कह गए एक साथ ज्यादा खाने से अनपच हो जाएगी, जिससे कोलेबिरा के लोगों की उम्मीद तो टूटी पर लोगों का संघर्ष जारी रहेगा.

सहयोगी प्रयासों के साथ स्वास्थ्य परिणाम पर सीएसआर कॉन्क्लेव का आयोजन

सहयोगात्मक प्रयासों के लिए एक मंच

संवाददाता। रांची

एडवोकेसी एंड अकाउंटेबिलिटी कोलैबोरेटिव (टीएएसी) हब, झारखंड ने गुरुवार को "सहयोगी प्रयासों के साथ स्वास्थ्य परिणामों को आगे बढ़ाने" पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक सीएसआर कॉन्क्लेव का आयोजन किया. कार्यक्रम की अध्यक्षता झारखंड सरकार के उद्योग विभाग के आईएएस निदेशक भोर सिंह यादव ने की. इस कार्यक्रम में कॉर्पोरेट प्रमुखों, मीडिया और नागरिक समाज संगठनों की उपस्थिति भी देखी गई.
समारोह की शुरुआत भोर सिंह यादव, एफजेसीसीआई के उपाध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा और एफजेसीसीआई के उपाध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने दीप प्रज्ज्वलित कर की. नितेश सारदा, अध्यक्ष, उप-समिति, खान और खनिज उप-समिति, एफजेसीसीआई, सीआईआई के झारखंड के उप निदेशक एवं प्रमुख प्रभात कुमार, उषा मार्टिन के डीजीएम-सीएसआर डॉ. मयंक मुरारी, हिंडाल्को के सीएसआर प्रमुख नीरज सिंह और झपिगो के सीओपी नयन चक्रवर्ती उपस्थित थे. कार्यक्रम की शुरुआत में बार टैक हब के प्रबंधक अमित घोष ने टैक हब का का संक्षिप्त परिचय दिया गया और कॉन्क्लेव का उद्देश्य बताया गया. कॉन्क्लेव में दो विचारोत्तेजक पैनल चर्चाएं हुईं, जिसमे "नागरिक समाज और सीएसआर - सहयोग के क्षेत्रों की खोज" और दूसरा "बदलते परिदृश्यः सामाजिक विकास में उभरते रुझान" पर पैनल कॉर्पोरेट प्रतिनिधियों, सीएसओ और मीडिया ने अपने अपने विचार साझा किये. पहले पैनल का संचालन क्रमशः तन्वी झा, सिनी तथा सुधीर पाल, मीडिया प्रतिनिधि ने की. उद्योग विभाग के निदेशक ने कौशल विकास और रोजगार के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी के पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला. एफजेसीसीआई के उपाध्यक्ष आदित्य ने सीएसओ और सीएसआर के लिए तीन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया और कहा कि- स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यावरण. सीआईआई के प्रभात कुमार ने कहा कि सीएसआर और सीएसओ दोनों को एक साथ लेकर योजना बनाई जानी चाहिए. डॉ. मयंक ने फैक्ट्री परिसर के भीतर और बाहर महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के साथ सामाजिक समावेश पर ध्यान केंद्रित किया. उन्होंने अकुशल कार्यबल और टिकाऊ क्षमता ओं के निर्माण के बारे में बात की.

एनसीसी के कैडेट अनुशासित होकर हमेशा आगे बढ़ते हैं : कर्नल राजीव

संवाददाता। रांची

एनसीसी के कैडेट देश सेवा में हमेशा आगे रहते हैं और एकता के सूत्र में बंध कर अनुशासित होकर हमेशा आगे बढ़ते हैं. उपरोक्त बातें कर्नल राजीव कुमार ने मारवाड़ी कॉलेज में एनसीसी डे कार्यक्रम में कहा. दरअसल मारवाड़ी कॉलेज में एनसीसी दिवस मनाया गया. इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया. इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि 3-झारखंड गर्ल्स बटालियन एनसीसी के कमांडेड कर्नल राजीव कुमार और विशिष्ट अतिथि मारवाड़ी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. मनोज कुमार शामिल रहे. इस कार्यक्रम के दौरान झारखंडी गीत और नृत्य प्रस्तुत किए गए. वहीं देश भक्ति गीत और कई फिल्मी गानों में डांस की प्रस्तुति दी गई. कैडेट मुस्कान प्रवीण के द्वारा एन.सी.सी. दिवस पर एक संक्षिप्त परिचय भाषण दिया गया. मारवाड़ी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि उन्होंने कैडेटों को और अधिक मेहनत करते हुए हर परीक्षा में सफल होने की बात कही. कर्नल राजीव कुमार ने रक्तदान करने वाले केयर टेकर ऑफिसर डॉ. अवध बिहारी महतो को मेडल एवं कप देकर सम्मानित एवं प्रोत्साहित किया. प्रोफेसर इंचार्ज डॉ. आरआर शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. वैधनाथ कुमार, उप-परीक्षा नियंत्रक डॉ. उमेश कुमार, प्राध्यापक और एनसीसी. के पूर्व अधिकारी मेजर डॉ. महेश्वर सारंगी यूओ देव कुमार महतो, यूओ दुर्गा महतो, सार्जेंट विदेशी उरांव और अन्य लोग शामिल रहे.

खास बातें
- मारवाड़ी महाविद्यालय में मनाया गया एनसीसी दिवस
- एनसीसी कैडेटों ने प्रस्तुत किए कई रंगारंग कार्यक्रम

समाज सेवा निःशुल्क एंबुलेंस से गोंदलपुरा खनन परियोजना क्षेत्र के ग्रामीण हो रहे लाभान्वित : डॉ अविनाश

अडाणी फाउंडेशन ने गोद लिए टीबी मरीजों को दिए पोषण किट

संवाददाता। बड़कागांव (हजारीबाग)

गोंदलपुरा खनन परियोजना के तहत अडाणी फाउंडेशन ने गोद लिए हुए 70 टीबी मरीजों के बीच गुरुवार को छठे चरण का पोषण किट वितरित किया. बड़कागांव स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान 'प्रधानमंत्री निक्षय पोषण योजना' के तहत इन मरीजों को निःशुल्क पोषक आहार प्रदान किए गए. इस अवसर पर बड़कागांव के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अविनाश कुमार ने कहा कि अडाणी फाउंडेशन लगातार टीबी के क्षेत्र में कार्य कर रहा है, जो प्रशंसनीय और प्रेरक है. उन्होंने कहा कि अडाणी फाउंडेशन की ओर से निःशुल्क एंबुलेंस भी प्रदान की गयी है, जिससे ग्रामीणों को काफी लाभ मिल रहा है. एंबुलेंस सुविधा के लिए ईंधन तक मरीजों से नहीं लिया जाता है और उन्हें त्वरित गति से हजारीबाग भेजने की व्यवस्था की जाती है. श्री कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य केंद्र परिसर में पर्यावरण दिवस के अवसर पर अडाणी फाउंडेशन की ओर से लगाए गए पौधे भी अब पेड़ का शक्ल लेने लगे हैं, जिससे परिसर में हरियाली बढ़ गयी है.

मौके पर ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर नवीन कुमार ने टीबी मरीजों के लिए अडाणी फाउंडेशन की ओर से किए जा रहे इस नेक पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि दो चरणों के बाद भी नए मरीजों को निःशुल्क पोषण आहार का लाभ प्रदान किया जाएगा, ऐसी उम्मीद है. पहले चरण के तहत अडाणी फाउंडेशन ने 60 टीबी के मरीजों को गोद लिया था, जो अब स्वस्थ हो चुके हैं.

दूसरे चरण के तहत 70 मरीजों को लगातार छह महीने तक पोषण आहार प्रदान किए गए हैं.

कार्यक्रम के दौरान चिकित्सा अधिकारियों ने मरीजों को बताया कि पोषण किट के आहारों की गुणवत्ता और मात्रा बढ़ायी गयी है. मरीजों से कहा गया कि दवा के अतिरिक्त जो पोषण आहार उन्हें मिल रहे हैं उनका नियमित रूप से सेवन किया जाना चाहिए ताकि जल्द से जल्द टीबी को ठीक किया जा सके. अडाणी फाउंडेशन के इस प्रयास से टीबी के मरीजों की संख्या में कमी आएगी और टीबी लाइलाज बीमारी नहीं है. इसका समय पर उपचार करवा लिया जाए तो इससे हमेशा के लिए इससे छुटकारा मिल सकता है. कार्यक्रम के दौरान मौजूद लोगों ने देश को टीबी मुक्त बनाने की भी शपथ ली.

खास बातें
- 'प्रधानमंत्री पोषण योजना' के दिया गया पोषक आहार
- पेड़ की शक्ल लेने लगे फाउंडेशन की ओर से लगाये गये पौधे

रघुवर दास पर सीएम के बयान के विरोध में किया पुतला दहन

संवाददाता। सिमडेगा

उड़ीसा के महामहिम राज्यपाल सह पूर्व मुख्यमंत्री माननीय श्री रघुवर दास पर दिए गए हेमंत सोरेन के आपत्तिजनक बयान के विरोध में प्रदेश के निर्देशानुसार भाजपा ओबीसी मोर्चा के सिमडेगा जिला अध्यक्ष महेश कुमार साहू के नेतृत्व में महावीर चौक सिमडेगा में पुतला दहन का कार्यक्रम किया गया. इस कार्यक्रम में भाजपा के जिला अध्यक्ष लक्ष्मण बडाइक, उपाध्यक्ष सतीश पांडे, जिला महामंत्री दीपक पुरी, जिला कार्यालय प्रभारी श्रीलाल साहू, युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष अजय कुमार, जिला युवा मोर्चा के महामंत्री अनिरुद्ध सिंह दागी, जिला कोषाध्यक्ष अनूप प्रसाद, पूर्व जिला अध्यक्ष संजय ठाकुर, ओबीसी मोर्चा नगर अध्यक्ष दिलीप साहू, भाजपा नगर अध्यक्ष सत्यनारायण प्रसाद, ओबीसी मोर्चा जिला उपाध्यक्ष भरोसा महतो आदि शामिल हुए.

हर किसी को विरासत में कुछ न कुछ जरूर मिलता है. झारखंड में भी दर्जनों नेताओं को विरासत में राजनीति मिली है. झारखंड में राजनीति की रपटीली राहों पर दर्जन भर ऐसी संतानें हैं जो अपने पिता द्वारा तैयारी की गई सियासी पिच पर जबरदस्त बैटिंग कर रहे हैं. इन सभी का स्कोर भी शानदार रहा है. ये पिता की विरासत को आगे बढ़ाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं. इन्होंने अपनी पॉलिटिकल मेच्योरिटी का परिचय देते हुए मुख्यमंत्री से लेकर मंत्री और सांसद तक का सफर तय किया है. पिता से मिली राजनीतिक विरासत और उनके अनुभवों से इन नेताओं ने एक अच्छे जनप्रतिनिधि के रूप में अपनी छवि बनाई है. इनमें से कुछ नेता तो ऐसे भी हैं जिन्होंने अपने पिता से भी अधिक नाम कमाया और उनसे ज्यादा प्रसिद्धि पाई . पेश है खास रिपोर्ट...

राजनीति की रपटीली राहों में पिता की विरासत संभाल रहे बेटा और बेटी सियासी पिच पर दमदार प्रदर्शन के साथ कर रहे शानदार स्कोर

सीएम से लेकर मंत्री पद तक की जिम्मेवारी संभाल रहे हैं

हेमंत सोरेन

इसमें सबसे पहला नाम वर्तमान में सीएम हेमंत सोरेन का आता है. जिनके पिता झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन हैं. शिबू सोरेन भी राज्यसभा सांसद हैं. हेमंत सोरेन ने अपनी पॉलिटिकल मेच्योरिटी से सभी को चौंकाया है. हेमंत सोरेन झारखंड मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष हैं और उनके पिता शिबू सोरेन केंद्रीय मंत्री और तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री रह चुके हैं. हेमंत का राजनीतिक में पदार्पण 2009 में हुआ था. हेमंत सोरन 24 जून, 2009 से चार जनवरी, 2010 तक झारखंड से राज्यसभा के सदस्य रहे. सितंबर, 2010 में गठित हुई अर्जुन मुंडा की सरकार में हेमंत ने उपमुख्यमंत्री का पद संभाला. उपमुख्यमंत्री के साथ ही उन्होंने वित्त मंत्रालय भी संभाला. 23 जुलाई 2013 को वह झारखंड के पांचवे और सबसे युवा मुख्यमंत्री बने, उस वक्त उनकी उम्र मजह 38 साल थी. जनवरी 2019 में उन्होंने कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल के साथ मिलकर झारखंड का पहला महागठबंधन बनाया, जिससे झारखंड विधानसभा चुनाव 2019 में जीत हासिल हुई. फिलहाल झारखंड के मुख्यमंत्री हैं.

जयंत सिन्हा

इसके बाद दूसरा नाम जयंत सिन्हा का है. जयंत सिन्हा देश के कद्दावर नेता यशवंत सिन्हा के पुत्र है. वे अपनी पिता की विरासत को बखूबी संभाल रहे हैं. फिलहाल वे हजारीबाग से बीजेपी से सांसद है.इससे पहले 2014 में वह यहां से जीत कर पहली बार संसद पहुंचे. 2014 में पिता यशवंत सिन्हा ने उनके लिए यह सीट छोड़ दी. सियासत में आने से पहले जयंत सिन्हा 25 साल तक फंड मैनेजर के रूप में फिलाडेल्फिया और अमेरिका के बोस्टन और दिल्ली में काम किया. सिन्हा ने डेली हंट, डी लाइट, आईमेरिट और जनग्राह सहित कई कंपनियों और संगठनों में बोर्ड के सदस्य के रूप में काम किया. उन्हें अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम, वाशिंगटन डीसी के अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड में सेवा करने के लिए भी आमंत्रित किया गया था. राजनीति से जयंत सिन्हा का सीधा परिचय वर्ष 1998 में हुआ. उस समय उन्होंने चुनावी अभियानों में पिता की सक्रिय रूप से सहायता की थी. उन्होंने गांव की सड़कों के निर्माण, पेयजल की गुणवत्ता में सुधार, सौर लालटेन का वितरण, स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा देने सहित कई अन्य योजनाओं को पूरा कराने में जिम्मेदारी निभाई थी.

अंबा प्रसाद

पूर्व मंत्री योगेंद्र साव की बेटी हैं अंबा प्रसाद. वह कांग्रेस की विधायक हैं. पिता की राजनीति विरासत को बखूबी आगे बढ़ा रही हैं. बड़कागांव विधानसभा से इसके पूर्व अंबा प्रसाद के पिता योगेंद्र साहू 2009 में और मां निर्मला देवी ने 2014 में चुनाव जीता था. लेकिन, कफन सत्याग्रह के दौरान माता-पिता को जेल भेज दिया गया तो अंबा प्रसाद दिल्ली में यूपीएससी की पढ़ाई बीच में ही छोड़कर घर आ गईं. घर लौट कर अंबा प्रसाद ने हजारीबाग कोर्ट में ही वकालत शुरू कर दी और माता-पिता और भाई पर दर्ज मुकदमों को उन्होंने देखना शुरू कर दिया. वह सबसे कम उम्र की विधायक चुनी गई. पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने विधानसभा चुनाव में अंबा के लिए रैली की थी. विधायक अंबा ने बैचलर्स ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन के बाद मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की डिग्री ली है. इसके बाद अंबा कानून की पढ़ाई भी कर चुकी हैं.

जयप्रकाश भाई पटेल

मांडू विधायक जयप्रकाश भाई पटेल के पिता टेकलाल महतो झामुमो के कद्दावर नेताओं में शुमार थे. वह सांसद और विधायक भी बने. जयप्रकाश भाई पटेल ने अपने पिता की विरासत को कुशलता के साथ संभाल रखा है. बताते चलें कि जयप्रकाश भाई पटेल ने साल 2011 में पिता और तत्कालीन मांडू विधायक टेकलाल महतो के निधन के बाद सियासत में कदम रखा. उसी साल हुए विधानसभा उपचुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा के टिकट पर जेपी पटेल मांडू सीट से विधायक बने. साल 2013 में पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री बने. वर्ष 2014 के विधानसभा चुनाव में दोबारा जेएमएम के टिकट पर मांडू से विधानसभा पहुंचे. हालांकि 2019 के लोकसभा चुनाव के समय पार्टी में तरजीह नहीं मिलने के कारण जेपी पटेल नाराज हो गए और पार्टी छोड़ने का फैसला कर लिया. लोकसभा चुनाव के दौरान इन्होंने बीजेपी को खुलकर समर्थन किया. जिसके चलते जेएमएम से निष्कासित कर दिये गये. फिलहाल बीजेपी से विधायक हैं.

हफीजुल हसन

राज्य सरकार के मंत्री हफीजुल हसन, पूर्व मंत्री स्वर्गीय हाजी हुसैन अंसारी के पुत्र हैं. स्वर्गीय हाजी हुसैन अंसारी के निधन के बाद हुए उपचुनाव में हफीजुल अंसारी ने जीत हासिल की. वे कला संस्कृति व खेल कूद विभाग के मंत्री हैं. हफीजुल अंसारी नौकरी छोड़कर झामुमो की राजनीति में आए हैं. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्कूल मधुपुर से हफीजुल ने मैट्रिक तक शिक्षा प्राप्त की. इसके बाद उच्च शिक्षा के लिए वह पटना चले गए. बीआईटी सिंदरी से बी टेक इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त करने के बाद कुछ दिनों तक झारखंड राज्य खनिज निगम में सर्वेयर के रूप में नौकरी भी की. अपने पिता हाजी हुसैन अंसारी के साथ वर्ष 1995 से साया की तरह राजनीति में सक्रिय रहे हैं. मधुपुर विधानसभा में झारखंड मुक्ति मोर्चा का संगठन और चुनाव प्रचार प्रसार का वर्षों से जिम्मा हफीजुल अंसारी के हाथ में रहा है. हफीजुल अंसारी की सबसे बड़ी योग्यता और परिचय झामुमो के कद्दावर नेता हाजी हुसैन अंसारी का पुत्र होना है. हाजी हुसैन झारखंड के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री थे. उनके निधन के बाद हेमंत मंत्रिमंडल में एक पद खाली हो गया था. मुख्यमंत्री ने हाजी हुसैन अंसारी के बेटे हफीजुल अंसारी को मंत्री बनाकर मंत्रिमंडल में खाली स्थान को भर दिया .

भानू प्रताप शाही

भवनाथपुर से विधायक भानु प्रताप शाही के पिता लाल हेमेंद्र प्रताप देहाती 1972 में भवनाथपुर से चुनाव लड़े. हालांकि भानु ने अपनी राजनीतिक जमीन खुद तैयार की, लेकिन अपने पिता की विरासत को उन्होंने आगे बखूबी आगे बढ़ाया. भानू प्रताप शाही मधु कोड़ा की सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रहे. उनपर आय से अधिक संपत्ति और दवा घोटाले के मामले चल रहे हैं. इस सिलसिले में वह जेल भी जा चुके हैं. भानुप्रताप शाही का जन्म गढ़वा जिले के केतार प्रखंड स्थित कधवन गांव में साल 1978 में हुआ. भानु प्रताप की प्रारंभिक शिक्षा भवनाथपुर और स्नातक की शिक्षा गढ़वा शहर में हुई. साल 2003 में जेल से छूटने के बाद भानु प्रताप ने राजनीति में कदम रखा और अपनी पार्टी नौजवान संघर्ष मोर्चा बनाई. 2005 में भवनाथपुर सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ा और जीते. मधु कोड़ा की सरकार में भानु प्रताप को स्वास्थ्य मंत्री बनने का मौका मिला. लेकिन 2009 का चुनाव हार गये. 2014 का चुनाव भी भानु प्रताप अपनी पार्टी नौजवान संघर्ष मोर्चा के टिकट पर ही लड़े और जीतकर एक बार फिर विधायक बने. उन्होंने बीजेपी प्रत्याशी अनंत प्रताप देव को हराया. लेकिन 2019 का चुनाव आते-आते भानु प्रताप खुद बीजेपी के हो गये.

दिनेश विलियम मरांडी

लिट्टीपाड़ा के विधायक दिनेश विलियम मरांडी संथाल परगना की राजनीति में 4 दशक से भी अधिक समय तक प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से राज करने वाले झामुमो नेता साइमन मरांडी के पुत्र हैं. वे कई बार लिट्टीपाड़ा विधानसभा से विधायक रहे. दिनेश विलियम मरांडी की मां सुशीला हांसदा भी लिट्टीपाड़ा से 4 बार विधायक और राजमहल से 2 बार सांसद रह चुकी हैं. 2019 के विधानसभा चुनाव में झामुमो ने दिनेश विलियम मरांडी को लिट्टीपाड़ा से चुनाव लड़वाया और उन्होंने चुनाव जीतकर अपने पारंपरिक सीट पर कब्जा बरकरार रखा. दिनेश विलियम मरांडी झारखंड विधानसभा में भले ही नए विधायक हैं, लेकिन उनमें राजनीतिक अनुभव की कमी नहीं है. वे एक तेज तर्रार, वोकल और पढ़े-लिखे नेता के रूप में जाने जाते हैं. अपने विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय हैं और झारखंड विधानसभा के अंदर भी जनता की आवाज को जोरदार तरीके से उठाते हैं.

अमित यादव

अमित यादव भी अपने पिता चित्तरंजन यादव के निधन के कारण खाली हुई सीट से चुनाव लड़े और विधायक बने. बरकट्ठा हजारीबाग जिले का हिस्सा है. यह विधानसभा क्षेत्र कोडरमा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में आता है. 2005 में हुए विधानसभा चुनाव में इस सीट से भाजपा के चितरंजन यादव ने निर्दलीय प्रत्याशी दिगंबर कुमार मिश्रा को हराकर जीत दर्ज की थी. इसके बाद 2009 के चुनाव में यहां से भाजपा के अमित कुमार यादव ने झारखंड विकास मोर्चा के जानकी प्रसाद यादव को हराया. 2014 के चुनाव में झारखंड विकास मोर्चा प्रजातांत्रिक के नेता जानकी प्रसाद यादव ने जीत दर्ज की थी. दरअसल, उन्होंने भाजपा के तत्कालीन विधायक अमित कुमार यादव को शिकस्त दी थी. अमित यादव जनता के मुद्दों को लेकर हमेशा मुखर रहते हैं. विधानसभा में भी कई बार क्षेत्र की समस्याओँ को लेकर उन्होंने आवाज उठाई है.

विजय हांसदा

राजमहल के सांसद विजय हांसदा पूर्व सांसद थॉमस हांसदा के पुत्र हैं. थॉमस हांसदा कांग्रेस से राजमहल सीट से चुनाव जीतते रहे थे. उनके बाद उनके पुत्र विजय हांसदा ने पिता की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए इस सीट पर 2014 और 2019 में इस सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखा. थॉमस कांग्रेस से चुनाव जीतते थे, जबकि विजय झामुमो की टिकट पर यहां से दोनों बार चुनाव जीते हैं. विजय हांसदा झारखंड से झामुमो के एकमात्र सांसद हैं. सांसद निधि की राशि खर्च करने में वे सबसे आगे हैं.

बसंत सोरेन

दुमका के विधायक बसंत सोरेन झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन के सबसे छोटे सुपुत्र और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के छोटे भाई हैं. 2020 में हुए दुमका उपचुनाव में झामुमो ने बसंत सोरेन को अपना उम्मीदवार बनाया था. बसंत सोरेन इससे पहले 2016 में राज्यसभा का चुनाव भी लड़ चुके थे, लेकिन वे चुनाव हार गये थे. इसके बाद 2020 में वे पहली बार विधानसभा के उपचुनाव में खड़े हुए और भाजपा की प्रत्याशी और राज्य में मंत्री रह चुकी लुईस मरांडी को हराकर दुमका सीट पर अपने परिवार का कब्जा बरकरार रखा.

शिल्पी नेहा तिर्की

कांग्रेस विधायक शिल्पी नेहा तिर्की कांग्रेस की विधायक हैं.पूर्व शिक्षा मंत्री बंधु तिर्की की पुत्री है. बंधु तिर्की की सदस्याता समाप्त होने के बाद शिल्पी नेहा तिर्की ने मांडर उपचुनाव में जीत हासिल की. वह फ्लिपकार्ट में लाखों का पैकेज छोड़ कर राजनीति में उतर गईं. शिल्पी नेहा तिर्की ने अपने ग्रेजुएशन की पढ़ाई क्राइस्ट यूनिवर्सिटी बेंगलुरू से की. बाद में उन्होंने मुंबई के सेंट जेवियर्स कॉलेज से मार्केटिंग कम्युनिकेशन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा की पढ़ाई की. राजनीति में कदम रखने के पहले फ्लिपकार्ट में अच्छे पद पर काम कर रही थीं.

डॉ इरफान अंसारी

डॉ. इरफान अंसारी पूर्व सांसद फुकरान अंसारी के पुत्र हैं. वे भी पिता की राजनीतिक विरासत को संभाल रहे हैं. अपने विवादित बयानों से वे हमेशा सुर्खियों में भी बने रहते हैं. फिलहाल वे जानताड़ा से कांग्रेस के विधायक हैं. कैश कांड में फंसने के बाद उन्हें निलंबित भी किया गया था. इसके बाद फिर से इनका निलंबन वापस भी ले लिया गया.

देवेंद्र सिंह

देवेंद्र सिंह उर्फ बिट्टू सिंह के पिता विदेश सिंह पांकी से ही विधायक थे. वे भी अपने पिता की राजनीतिक विरासत को संभाल रहे हैं. विदेश सिंह जेएसएमडीसी के अध्यक्ष भी रहे. 2016 में हुए राज्यसभा चुनाव में देवेंद्र सिंह सुर्खियों में आए. 2019 के विधानसभा चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा.

कुमार जयमंगल

कुमार जयमंगल उर्फ अनुप सिंह कांग्रेस के विधायक हैं. कुमार जयमंगल इंटक के पूर्व महासचिव सह बेरमो से छह बार विधायक रहे दिवंगत नेता राजेंद्र प्रसाद सिंह के बड़े पुत्र हैं. राजेंद्र बाबू जीवित थे, तभी जय मंगल ने उनकी राजनीतिक विरासत को संभालना शुरू कर दिया था. राजेंद्र सिंह के निधन होने के बाद इंटक की अधिकतर ट्रेड यूनियनों की कमान जयमंगल के हाथों में है.

कुणाल षाडंगी

पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी के पिता डॉ. दिनेश षाड़ंगी भाजपा के कद्दावर नेता रह चुके हैं. उन्होंने मंत्री की जिम्मेदारी भी संभाली है. चुनावी राजनीति से अलग होने से पहले उन्होंने अपने पुत्र को विरासत सौंपी. कुणाल षाड़ंगी ने राजनीति में अपनी अलग पहचान बनायी है. 2014 में जेएमएम के टिकट पर पहली बार विधानसभा चुनाव लड़े और बहरागोड़ा सीट से जीत हासिल की. इस सीट पर कभी उनके पिता और पूर्व मंत्री दिनेश षाडंगी भाजपा का प्रतिनिधित्व किया करते थे. कुणाल षाडंगी एक टेक्नोक्रैट यंग पॉलिटिशियन कहे जाते हैं. वे यूएस के आईवीएलपी कार्यक्रम में शिरकत करने वाले झारखंड के पहले विधायक रहे हैं. इसके अलावा गोवा, उदयपुर, वाईजैक समेत विभिन्न शहरों में आयोजित कार्यक्रमों में झारखंड विधानसभा का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं. क्षेत्र की जनता के बीच काफी लोकप्रिय और सहजता से उपलब्ध होने वाले विधायक हैं.कुणाल षाडंगी की प्राथमिक शिक्षा बहरागोड़ा में हुई. एनआईटी, आदित्यपुर से उन्होंने स्नातक किया. इसके बाद यूनाटेड किंगडम के लैंचेस्टर यूनिवर्सिटी से एमबीए किया. विदेश में अच्छी खासी नौकरी छोड़कर घर लौट आए और राजनीति में कदम रखा. कुणाल षाडंगी के पिता दिनेश षाडंगी झारखंड की राजनीति के जाने माने चेहरे रहे हैं. वे पूर्व भाजपा नेता और स्वास्थ्य मंत्री भी रहे हैं. कई बार बहरागोड़ा विधानसभा से विधायक रहे.

विनोद सिंह

विनोद सिंह भाकपा माले के विधायक रहे महेंद्र सिंह के पुत्र हैं. विनोद सिंह ने विधायक के रूप में अपने पिता द्वारा स्थापित शानदार परंपरा का निर्वाह किया. वह अकेले ऐसे विधायक थे, जिन्होंने विधानसभा में विधायकों का वेतन-भत्ता बढ़ाने के प्रस्ताव का न केवल विरोध किया था, बल्कि बढ़ा हुआ वेतन लेने से भी मना कर दिया था. विनोद सिंह ने अपने पिता विधायक महेंद्र सिंह की हत्या के बाद सक्रिय राजनीति में कदम रखा. 16 जनवरी 2005 को नक्सलियों ने महेंद्र सिंह की हत्या कर दी थी. इसके बाद विनोद सिंह बगोदर विधानसभा से माले के टिकट पर चुनाव लड़े और जीत कर विधायक बने. वर्ष 2009 में वह बगोदर से ही दूसरी बार विधायक चुने गये. वह 2014 का विधानसभा चुनाव नहीं जीत पाये. परंतु 2019 के विधानसभा चुनाव में इन्होंने तीसरी बार चुनाव जीता. झारखंड विधानसभा में विनोद सिंह जनता से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से रखते हैं.

संजीव सिंह

झरिया से भाजपा के पूर्व विधायक संजीव सिंह ने विरासत में मिली राजनीति से पहचान बनायी. उनके पिता सूर्यदेव सिंह एकीकृत बिहार में विधायक थे और तत्कालीन समाजवादी राजनीति में उनका अलग स्थान था. वहीं संजीव की मां कुंती सिंह भी झारखंड विधानसभा की सदस्य थीं. संजीव सिंह ने 2014 में भाजपा के टिकट पर इस सीट से जीत हासिल की थी. उनके पिता सूर्य देव सिंह धनबाद में कोल किंग के नाम से मशहूर थे. वहीं, मां कुंती सिंह भी झरिया की विधायक रह चुकी हैं. धनबाद में उनका बंगला काफी चर्चित है जिसे 'सिंह मेंशन' नाम से जाना जाता है. वह यहां के सबसे ताकतवर राजनीतिक घरानों में से है.

आलोक चौरसिया

झारखंड की राजनीति में युवा विधायक आलोक चौरसिया को भी विरासत में राजनीति मिली. डालटनगंज के विधायक आलोक चौरसिया के पिता अनिल चौरसिया वहां के कद्दावर राजनेता थे. हालांकि वह चुनावी राजनीति में कभी सफल नहीं हो सके, लेकिन उनकी अपनी पहचान थी.आलोक को अपने पिता की राजनीतिक पहचान की मदद भी मिली.

गीताश्री उरांव

गीताश्री उरांव का नाम भी प्रमुख है. गीताश्री उरांव के पिता कार्तिक उरांव कांग्रेस के आदिवासी नेताओं की पहली पंक्ति में शामिल थे. गीताश्री उरांव गुमला जिला अंतर्गत सिसई विधानसभा सीट से विधायक रह चुकी है. गीताश्री उरांव राज्य की शिक्षा मंत्री भी रह चुकी है. गीताश्री ने झारखंड में बाहरी भाषा को तरजीह देने को मूल झारखंडियों का हक-अधिकार छीनने जैसा बताकर विरोध किया. बता दें कि गीताश्री उरांव के पति पूर्व आईपीएस अधिकारी डॉ. अरुण उरांव भी पहले कांग्रेस में थे. लेकिन, उन्होंने कांग्रेस को छोड़ भाजपा का दामन थाम लिया है.

विकास सिंह मुंडा

विकास मुंडा अपने पिता रमेश सिंह मुंडा की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी. पहली बार वे आजसू के टिकट पर चुनाव जीते . इसके बाद वे झामुमो के टिकट पर चुनाव जीते. विकास मुंडा के पिता तमाड़ से जदयू विधायक थे. 2014 के चुनाव में विकास मुंडा तमाड़ से आजसू पार्टी के टिकट पर चुनाव जीते थे. उन्होंने राजा पीटर को हराया था.जबकि 2009 के चुनाव में राजा पीटर से वे हार गए थे.

अमित मंडल

अमित मंडल के पिता रघुनंदन मंडल गोड्डा से विधायक थे और उनके निधन के बाद भाजपा ने अमित मंडल को टिकट दिया. अमित के पिता रघुनंदन मंडल 2014 में विधायक बने थे. करीब एक साल के बाद हार्ट अटैक से रघुनंदन मंडल की मौत हो गई. इसके बाद 2016 में इस सीट पर उपचुनाव हुआ, जिसमें भाजपा ने रघुनंदन के बेटे अमित मंडल को चुनाव लड़ने का ऑफर दिया. अमित ने जॉब छोड़कर चुनाव लड़ा. अमित मंडल के दादा समृत मंडल भी विधायक रहे. उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा के टिकट पर 1985 और 1990 के विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की थी. समृत मंडल के बाद उनके बेटे रघुनंदन मंडल ने उनकी राजनीतिक विरासत को संभाला. 2014 के विधानसभा चुनाव में वे पहली बार विधायक चुने गए. राजनीति में आने से पहले रघुनंदन मंडल होटल व्यवसायी और कृषि विशेषज्ञ थे. अमित ने दिल्ली स्थित जेपी यूनिवर्सिटी से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की. इसके बाद एमबीए करने लंदन चले गए. वहां उन्होंने ब्रैडफोर्ड यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट से एमबीए की डिग्री हासिल की और फिर जॉब करने लगे. अमित की स्कूलिंग भागलपुर में हुई है.

हेनरी किसिंजर का जाना

आधी सदी से ज्यादा दुनिया की कूटनीति को प्रभावित करने वाले हेनरी किसिंजर का सौ साल की उम्र में देहांत हो गया. किसिंजर का विवादों से पुराना रिश्ता रहने के बावजूद वे न केवल एक कुशल कूटनीतिज्ञ थे, बल्कि सबसे ज्यादा कठिन दौर में अमेरिका की विदेश नीति को दिशा दिया, जिसका अक्श अब तक मौजूद है. हेनरी किसिंजर की पहचान एक स्कॉलर, स्टेट्समैन और दिग्गज डिप्लोमैट की रही है. उनकी लिखी दर्जन भर किताबों में इतिहास, विदेश नीति और कूटनीति के ऐसे पहलू दर्ज हैं, जो शीतयुद्ध के पूरे दौर का बयान करते हैं. इनमें वर्ल्ड ऑर्डर, डिप्लोमेसी, ऑन चाइना, व्हाइट हाउस इयर्स जैसी किताबें महत्वपूर्ण मानी जाती हैं. हेनरी किसिंजर की रणनीति की सबसे बड़ी कामयाबी चीन को अमेरिका के करीब लाने वाली परिघटना मानी जाती है. इसका एक बड़ा कारण तो यही है कि उस समय दुनिया दो ध्रुवों में बंटी थी, जिसमें एक का नेता अमेरिका और दूसरे का सोवियत संघ था. चीन ने इस संतुलन को प्रभावित किया. इन दोनों के बरक्श एक तीसरी दुनिया भी थी, जो गुटनिरपेक्ष के नाम से जानी जाती थी और जिसका अगुआ भारत था. वैसे तो हेनरी किसिंजर दुनिया के सबसे विवादित कूटनीतिज्ञ भी रहे हैं. इन पर युद्ध अपराधी होने के भी आरोप लगे हैं. अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन और जेरल्ड फोर्ड की सरकार में हेनरी किसिंजर के पास ही विदेश नीति की कमान थी. हेनरी किसिंजर का जन्म 1923 में जर्मनी में हुआ था. नाजी जर्मनी के दौर में उनका परिवार 1938 में भागकर अमेरिका पहुंचा था. किसिंजर 1943 में अमेरिकी नागरिक बन गए. भारत पाकिस्तान के बीच हुए 1971 की जंग के समय अमेरिका के सातवां बेड़ा भेजने के बदाव के बावजूद वे भारत को झुका नहीं सके थे और बांग्लादेश के बनने में भारत की भूमिका को वे रोक नहीं पाए थे. वियतनाम युद्ध को ले कर उन पर गंभीर आरोप भी लगे थे. इसके साथ ही अनेक अफ्रीकी देशों में भी उनकी नीतियों के कारण वहां की चुनी गयी सरकारों को अपदस्थ किया गया और अमेरिका परस्त सरकारों को बनवाया गया. हेनरी किसिंजर ने कूटनीति को तब सोवियत संघ के विदेश मंत्री ग्रोमिको से हमेशा प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा. इतिहास में उतार चाढ़ाव के दौरों के बीच हेनरी किंसिंजर की एक छाप महसूस की जाती रही और दुनिया के अनेक दूसरे डिल्लेमेटो को उनके अनुभवों और क्रियाकलापों से सीखने के अनेक सूत्र हैं. दुनिया में आए तमाम बदलावों के बावजूद अमेरिकी विदेश नीति की दिशा किसिंजर प्रभाव से कभी मुक्त नहीं हो पायी है. किंसिंजर के समय में दुनिया में सोवियत संघ के पराभव की ऐतिहासिक घटना भी हुई, जिसकी बाह्य पृष्ठभूमि हेनरी की नीतियों से तैयार हुई और जब वे अब दुनिया में नहीं हैं, विश्व एक बार फिर बहुध्रुवीयता की ओर अग्रसर है.

> किसिंजर की रणनीति की सबसे बड़ी कामयाबी चीन को अमेरिका के करीब लाने वाली परिघटना मानी जाती है. इसका एक बड़ा कारण तो यही है कि उस समय दुनिया दो ध्रुवों में बंटी थी, जिसमें एक का नेता अमेरिका और दूसरे का सोवियत संघ था.

सुभाषित

परिवर्तिनि संसारे मृतः को वा न जायते।
स जातो येन जातेन याति वंशः समुन्नतिम्॥

इस बदलते संसार में कौन ऐसा है जो जन्म लेकर मृत्यु को प्राप्त नहीं हुआ है. जन्म लेना उसका ही सफल है जिससे उसका वंश उन्नति को प्राप्त हो. यदि वंश की उन्नति नहीं हो पाती है तो जन्म लेना ही निरर्थक है.

बदलनी होगी विकास की गति और दिशा

बिहार, मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश के अंग्रेजी के कुछ अक्षरों को मिला कर इन राज्यों को बीमारू स्टेट की संज्ञा दी गई थी, जिसका आशय रुग्णता से था. यानी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के अनुसार ये तीन नए राज्य कहीं से भी बहुत समृद्ध विरासत लेकर नहीं निकले थे, किंतु आज की स्थिति में छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड प्रगति के लिहाज से झारखंड से काफी आगे निकल गए है, जबकि हमारे प्रदेश की प्रगति की गति शिथिल है.

• देश-काल

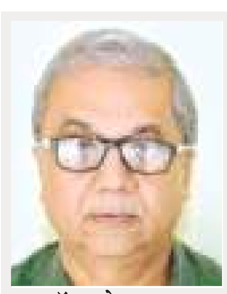

डॉ. प्रमोद पाठक

झारखंड को अलग राज्य बने 23 वर्ष बीत गए. कई पार्टियां सत्ता में आईं, कई तरह की सरकारें बनीं, साझा से लेकर पूर्ण बहुमत तक की, लेकिन विकास की दौड़ में प्रदेश पीछे ही रहा. कहने की आवश्यकता नहीं कि हम विकास के उन मानदंडों पर खरा नहीं उतर सके, जिनकी संभावनाएं थी. उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ भी झारखंड के साथ ही अलग राज्य बने थे और ये तीनों राज्य हिंदी पट्टी के उन राज्यों से काटकर बनाए गए थे, जिन्हें उस वक्त की चर्चा में पिछड़े प्रदेश की श्रेणी में रखा जाता था. बिहार, मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश के अंग्रेजी के कुछ अक्षरों को मिला कर इन राज्यों को बीमारू स्टेट की संज्ञा दी गई थी, जिसका आशय रुग्णता से था. यानी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के अनुसार ये तीन नए राज्य कहीं से भी बहुत समृद्ध विरासत लेकर नहीं निकले थे, किंतु आज की स्थिति में छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड प्रगति के लिहाज से झारखंड से काफी आगे निकल गए है, जबकि हमारे प्रदेश की प्रगति की गति शिथिल है. यह ठीक है कि 23 वर्ष बहुत ज्यादा नहीं होते, लेकिन झारखंड के परिप्रेक्ष्य में ये 23 वर्ष कम भी नहीं थे. इसका सीधा सा कारण है कि प्राकृतिक संसाधनों से झारखंड परिपूर्ण है. खनिज संपदा से लेकर जंगल तक. बल्कि औद्योगिक पृष्ठभूमि भी झारखंड के पास मजबूत थी. कोयला से लेकर इस्पात जैसे मूलभूत उद्योग यहां पहले से ही विकसित थे. आवश्यकता इस बात की थी कि इन उद्योगों को और विकसित किया जाए. साथ ही संसाधनों के दोहन के लिए एक सामरिक और वैज्ञानिक योजना बनाने की भी आवश्यकता थी. नए राज्य की स्थापना के बाद झारखंड पर कई दलों की सरकारों ने शासन किया, लेकिन इसके प्राकृतिक संसाधनों के प्रति उनका रवैया भी वही रहा, जो अलग राज्य बनने के पहले पटना की सरकारों का था. यानी संसाधनों का त्वरित दोहन कर उन्हें राजकीय कोष की आय बढ़ाने का माध्यम बनाना. यही कारण है कि संपदाओं से संपन्न यह राज्य विकास की दौड़ में पिछड़ा रह गया. वैसे इसमें सिर्फ राज्य सरकारों को ही दोष देना सही नहीं होगा. केंद्र की नीतियां भी कुछ हद तक जिम्मेदार रही हैं. खनिज संपदाओं की रॉयल्टी का बड़ा हिस्सा केंद्र सरकार को मिलता है, जबकि इनकी देखभाल इत्यादि का जिम्मा राज्य सरकार का होता है. किंतु इसका मतलब यह भी नहीं कि राज्य सरकार कुछ नहीं कर सकती. मजबूत इच्छा शक्ति की आवश्यकता होती है, लेकिन इसके साथ ही सही नीतियों की भी आवश्यकता है. प्रदेश की क्षमता और संभावनाओं के अनुरूप. वैसे तो केंद्र और राज्य के बीच समन्वय से चीजें आसान होती हैं, लेकिन यह कोई आवश्यक शर्त नहीं है. वर्तमान सरकार से पहले की राज्य सरकार और केंद्र की सरकार तो एक ही दल के थे, लेकिन फिर भी ठोस नीतियों के अभाव के चलते कुछ खास विकास नहीं हो पाया. बल्कि वर्तमान सरकार इस मामले में बेहतर स्थिति में दिख रही है, लेकिन सबसे बड़ी समस्या यह है कि नीतियों को अमली जामा पहनाने के लिए जिस आधारभूत ढांचे की आवश्यकता होती है उसे तैयार करना पड़ता है. और इसमें सबसे बड़ी भूमिका प्रदेश की प्रशासनिक मशीनरी की होती है. झारखंड की दिक्कत यह है कि यहां की प्रशासनिक मशीनरी रोज की समस्याओं में उलझी रहती है जिससे कि दूरगामी लक्ष्य प्रभावित हो जाते हैं. इन रोज की समस्याओं में प्रमुख है भ्रष्टाचार, उग्रवाद और कानून एवं व्यवस्था की ढिलाई. प्रशासनिक तंत्र को इन दोनों मोर्चों पर एक साथ काम करना पड़ेगा. प्रदेश की कमजोरी है औद्योगीकरण की गति में कमी और उद्योगों के विकास के लिए पर्याप्त वातावरण का अभाव. खास करके लघु और मझोले उद्योग के पनपने में आ रही दिक्कतें. पिछले कुछ वर्षों में करीब 6500 लघु और मध्यम उद्योग बंद हो गए. इससे लाखों लोगों को बेरोजगारी का सामना करना पड़ रहा है. राज्य में पर्याप्त सुविधा नहीं मिलने के कारण कई उद्योगपति अन्य राज्यों में उद्योग लगाने को बाध्य हैं. उद्यम और कौशल दोनों का पलायन हो रहा है. इसमें मुख्य रूप से बिजली और जमीन की कमी कारण रही है. इसके पीछे प्रशासनिक सुस्ती भी एक वजह है. प्रेरणा, प्रशिक्षण और प्रयास तीनों मोर्चे पर कमी है. उद्योगों को सरकार से प्रोत्साहन मिले और नए उद्योगों को आकर्षित करने के लिए विशेष नीतियां बनाई जायें. बुनियादी ढांचे की जो कमजोरियां हैं, उनको दूर करना होगा. बड़े उद्योगों का भी जहां तक सवाल है तो पिछले दो-तीन दशकों में इस मोर्चे पर प्रगति काफी धीमी रही है. एक व्यापक विश्लेषण की आवश्यकता है, जिसमें झारखंड के अनुरूप विकास का मॉडल तैयार करने की जरूरत है. हर राज्य की अलग खूबियां होती हैं और नीतियों को उसके अनुरूप बनाना होता है. इस पर विचार केंद्रित किया जाना चाहिए कि झारखंड के विकास की दिशा क्या हो. झारखंड के लिए बहुमुखी विकास की आवश्यकता होगी. केवल खनिज संपदा को आधार बनाने से विकास नहीं किया जा सकता. वर्तमान समय में विकास के लिए सेवा क्षेत्र को भी विकसित किया जाना चाहिए, किंतु इस दिशा में अपेक्षित प्रयास नहीं किया गया. स्वास्थ्य एवं शिक्षा तथा पर्यटन में निवेश बढ़ाकर देश के बहुत से राज्य अपने विकास की गति को बढ़ाने में सफल रहे हैं. शास्त्रीय मत है कि विकास के दो प्रमुख रास्ते होते हैं. आर्थिक-औद्योगिक विकास और सामाजिक विकास. झारखंड के लिए इन दोनों रास्तों पर समानांतर रूप से सरकारों को चलना पड़ेगा. दोनों एक दूसरे के पूरक हैं और किसी एक पर ध्यान देने से काम नहीं होने वाला. वांछित परिणाम नहीं मिलेंगे. प्रदेश सरकार को थोड़ी व्यापक और प्रगतिशील नीतियां बनानी पड़ेंगी, ताकि बाहरी भीतरी व इस तरह के छोटे विवाद प्रदेश का बड़ा नुकसान न कर पाएं. प्रदेश को आगे बढ़ाना है तो खुलेपन की नीति अपनानी पड़ेगी. बाहरी भीतरी विवाद बढ़ाने की बजाय टैलेंट को प्राथमिकता देनी होगी.

• बोधि-वृक्ष | डॉ. एसके पाण्डेय

छद्मवेशी संत

देश-दुनिया में छद्मवेशी संतों की भरमार हो गयी है. आये दिन किसी न किसी कथित संत के कुकृत्यों पर से परदा उठता रहता है और उसका दुष्प्रभाव उनपर पड़ता है, जो हर तरह से संत ही हैं-कोई छल प्रपंच नहीं. गोस्वामी तुलसीदासजी कहते हैं कि भले और बुरे दोनों संसार में हैं. जैसे पाप और पुण्य, फूल और कांटा, देवता और राक्षस, तम और प्रकाश आदि. सबको ब्रह्माजी ने ही उत्पन्न किया है. वेदों ने इनके गुण और दोष की विवेचना की है. बिना गुण और दोष जाने यह निश्चय करना कठिन हो जाता कि किसके साथ जाना है और किसके साथ नहीं जाना है. कभी-कभी भले और बुरे में पहचान कर पाना बहुत ही मुश्किल हो जाता है. यदि कोई बुरा व्यक्ति भले व्यक्ति का स्वांग करे तो उसे सहसा कोई थोड़े पहचान सकता है. पहचानने में समय लगता है. समय भले ही लगे, लेकिन एक न एक दिन यह भेद खुल जाता है. जैसे मान लीजिए कोई अपना मित्र नहीं है. फिर भी वह मित्रता का स्वांग करता रहता है. आरंभ में हम भले ही उसे अपना मित्र-हितैषी मान लें. लेकिन वह दिन आ ही जाता है जब हमें पता चल जाता है कि यह मित्रता नहीं थी, सिर्फ स्वांग था. लेकिन तब तक बहुत देर हो जाती है. इसलिए ही सावधानी की जरूरत होती है. यदि कोई भला है, अच्छा है लेकिन उसकी वेशभूषा ठीक नहीं है. आकर्षक नहीं है. अथवा उसकी अच्छाई सामने नहीं आ रही है तो हो सकता है आरंभ में लोग उसे सही न समझें. लेकिन एक दिन उसकी साधुता की विजय होती है. उसे जरूर सम्मान मिलता है. ठीक ऐसे ही यदि कोई बुरा है, अच्छा नहीं है लेकिन वह लोगों को प्रभावित कर ले जाता है. लोगों को मिला लेता है. अपने को भला और अच्छा दिखाता है तो आरंभ में भले ही वह प्रशंसा का पात्र बन जाए. लोग उसे न समझ सकें. लेकिन एक दिन उसका भेद खुल ही जाता है. गोस्वामी जी कहते हैं कि जिसके पास साधुता है उसे सम्मान मिलता ही है, लेकिन जो असाधु होकर भी साधुता का ढोंग करता है उसका ढोंग एक न एक दिन उजागर हो ही जाता है. इसी तरह से हर रहस्य का एक न एक दिन खुलासा होता ही है. खासकर ऐसे रहस्य का जिसके बल पर कोई अनैतिक कार्य किया जाता है और दूसरों को सताया जाता है- उघरहिं अंत न होइ निबाहू. कालनेमि जिमि रावन राहू.

युद्ध से आखिर पश्चिम को क्या हासिल हुआ

• देशांतर

सत्येंद्र

इजराइल और फिलिस्तीन के बीच 47 दिन तक चली लड़ाई के बाद 'मानवीय आधार पर हमले रोकने' के लिए हुए समझौते का श्रेय अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने लिया है. अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने दावा किया कि यह समझौता कराने में बाइडेन की "प्रमुख भूमिका" रही. तो प्रश्न है कि सात अक्टूबर को इजराइल पर हमास के हमलों के बाद से युद्धविराम का लगातार विरोध करते रहे बाइडेन ने आखिर ऐसी भूमिका क्यों अपनाई? साफ तौर पर इसलिए कि इजराइल की बर्बर कार्रवाइयां अमेरिकी राष्ट्रपति को भारी पड़ने लगी थीं. हमास के हमलों के बाद इजराइल के प्रति पश्चिमी देशों के एक बड़े हिस्से में सहानुभूति पैदा हुई थी, लेकिन उसके बाद प्रतिशोध की भावना के साथ इजराइल ने जिस तरह अस्पतालों, शरणार्थी शिविरों, स्कूलों आदि को निशाना बनाया और उनमें जिस बड़ी संख्या में निहत्थे लोग- शिशु, बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग मारे जाने लगे, उससे सहानुभूति की तुलना में कई गुना ज्यादा गुस्सा और विरोध भाव भी उन देशों में फैलने लगा. यहां तक कि संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों ने इन इजराइली कार्रवाइयों को "युद्ध अपराध" बताया. यह धारणा आम हो चली कि इजराइल यह सब इसलिए कर पा रहा है, क्योंकि बाइडेन प्रशासन और अन्य पश्चिमी देशों का हाथ उसकी पीठ पर है. अक्टूबर खत्म होते बदलती जन धारणा बाइडेन और उनकी डेमोक्रेटिक पार्टी को भारी पड़ने लगी. खुद पश्चिमी मीडिया में ऐसी खबरों की भरमार हो गई. मसलन,तीन नवंबर को टीवी चैनल सीएनएन ने खबर दी कि जो बाइडेन और उनके प्रमुख सलाहकार अब इजराइल को चेतावनी दे रहे हैं कि गाजा में मानवीय पीड़ा बढ़ने के साथ दुनिया भर में फैल रहे विरोध भाव के बीच अब इजराइल के लिए अपने सैनिक मकसदों को हासिल करना अधिक कठिन होता जा रहा है. 15 नवंबर को रॉयटर्स ने खबर दी कि हमास के खिलाफ इजराइली युद्ध के लिए अमेरिका में जन समर्थन घट रहा है. ज्यादातर अमेरिकियों की राय है कि यह युद्ध एक मानवीय संकट में तब्दील हो गया है, इसलिए इजराइल को युद्धविराम लागू करना चाहिए. 19 नवंबर को प्रकाशित हुए टीवी चैनल एनबीसी के जनमत सर्वेक्षण में बताया गया कि (राष्ट्रपति बनने के बाद से) जो बाइडेन के काम से संतुष्ट लोगों की संख्या अपने न्यूनतम स्तर पर पहुंच गई है. मतदाताओं का बड़ा बहुमत उनकी विदेश नीति और इजराइल-हमास युद्ध के प्रति उनकी नीति से असंतुष्ट है. इजराइल के अखबार यरुशलम पोस्ट में 23 नवंबर को छपे एक विश्लेषण में कहा गया- 'इजराइल भले युद्ध के मैदान में जीत रहा हो, लेकिन यह मीडिया में हार रहा है. मीडिया इजराइल की विनाशकारी बमबारी और बच्चों सहित फिलिस्तीनी नागरिकों के हताहत होने की नाटकीय तस्वीरों से भरा भड़ा है. बाइडेन ने इजराइल को जो अभूतपूर्व समर्थन दिया, उसकी इजराइल एवं उनके यहूदी वोटरों ने खूब तारीफ की. लेकिन इससे डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थक कई तबकों- खासकर प्रगतिशील नेताओं ने कड़ी आलोचना की है.' दरअसल, इजराइल को अंध-समर्थन की बाइडेन की नीति ने खुद उनके प्रशासन के अंदर फूट पैदा कर दी. उधर विभिन्न देशों से मिल रही प्रतिक्रिया से प्रशासन इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि इस नीति के कारण दुनिया की जन धारणा में उसे स्थायी किस्म का नुकसान हो रहा है. चूंकि शुरुआत से ही वह इजराइली हमलों को "आत्म रक्षा की कार्रवाई" बताते हुए बार-बार यह कह चुका था कि जब तक हमास का खात्मा नहीं होता, युद्धविराम की जरूरत नहीं है, ऐसे में चेहरा बचाने के लिए उसने "मानवीय आधार पर युद्ध रोकने" का जुमला गढ़ा. लेकिन फिलहाल आम अनुमान यही है कि अब बंधकों की अदला-बदली के लिए लड़ाई रोकने का फैसला दीर्घकालिक कदम साबित होगा. यानी युद्धविराम की अवधि आगे बढ़ सकती है. यहां तक कि संयुक्त राष्ट्र के मानवीय सहायता मामलों के उप महासचिव मार्टिन ग्रिफिथ ने कहा है कि लड़ाई का सबसे बुरा दौर गुजर गया है. मानवीय सहायता क्षेत्र में दशकों तक काम करने का अनुभव रखने वाले ग्रिफिथ ने अपनी इस बात पर जोर डालते हुए कहा- 'ऐसा मैं हलके अंदाज में नहीं कह रहा हूं.' ऊपर हमने यरुशलम पोस्ट में छपे जिस आलेख का हवाला दिया है, उसमें युद्ध के मैदान पर इजराइल जीत का उल्लेख है. लेकिन यह दावा विवादास्पद है. किसी युद्ध में किसी देश की जीत या नाकामी को सैनिक कार्रवाई के घोषित उद्देश्य के पैमाने पर मापा जाता है.

> बाइडेन ने इजराइल को जो अभूतपूर्व समर्थन दिया, उसकी इजराइल एवं उनके यहूदी वोटरों ने खूब तारीफ की. लेकिन इससे डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थक कई तबकों- खासकर प्रगतिशील नेताओं ने कड़ी आलोचना की है.' दरअसल, इजराइल को अंध-समर्थन की बाइडेन की नीति ने खुद उनके प्रशासन के अंदर फूट पैदा कर दी.

न्यायोचित सुरक्षित श्रम और प्रवास की जरूरत

• श्रम

शोभा शुक्ला

अर्थ व्यवस्था में महिला प्रवासी श्रमिक एक बड़ा योगदान देती आ रही हैं, परंतु वे स्वयं अनेक प्रकार की लैंगिक और योनिक हिंसा और शोषण का शिकार होती हैं. उनके श्रम और प्रवास को सुरक्षित और न्यायोचित बनाने के जो भी प्रयास हुए हैं. वे नाम मात्र और असंतोषजनक हैं. किसी भी समाज में महिलाओं के साथ हिंसा और शोषण मानवाधिकारों का सबसे विकृत उल्लंघन है. समाजवादी गांधीवादी विचारक डॉ. राम मनोहर लोहिया ने कहा था कि हमारे समाज में जो 7 प्रकार की असमानताएं व्याप्त हैं, उनमें से लैंगिक असमानता समाप्त करना सबसे अधिक आवश्यक और सबसे कठिन कार्य है. लैंगिक असमानता को समाप्त किए बिना सतत विकास लक्ष्य पर हम खरे उतर ही नहीं सकते. हालांकि लैंगिक समानता लाने की दिशा में कहीं-कहीं थोड़ी बहुत प्रगति हुई है, परंतु जब तक हम महिला हिंसा के मूल जनकों को नहीं समाप्त करेंगे, तब तक लैंगिक समानता कैसे आएगी? महिला हिंसा कम ही नहीं करनी है, बल्कि पूरी तरह से समाप्त करनी है. इसके पूर्ण समापन के लिए आवश्यक है कि हम हिंसा के मूल जनकों को ख़त्म करें जो पितृसत्तात्मक व्यवस्था के चलते हमारे समाज के रोम-रोम में व्याप्त है. पुरुष जिन 'विशेषाधिकारों' को अपना जन्म सिद्ध अधिकार मान बैठे हैं उन्हें वह त्यागना ही पड़ेगा, क्योंकि हमारे समाज में व्याप्त अनेक प्रकार की हिंसा, शोषण और अमानवीय अत्याचारों-विशेषकर महिलाओं और अन्य दबे हुए तबकों के प्रति की जनक पितृसत्तात्मकता ही है. याद रहे कि लैंगिक समानता के बिना सतत विकास संभव ही नहीं है. महिला प्रवासी श्रमिक भी इसी कारण से अनेक प्रकार के अन्याय, शोषण और हिंसा की शिकार होती आयीं हैं. महिला अधिकार पर कार्यरत और संयुक्त राष्ट्र महिला (यूएन वीमेन) की अध्यक्ष सीमा बहोस ने इस वर्ष के महिला हिंसा समाप्त करने के 16 दिवसीय अभियान (जो प्रत्येक वर्ष 25 नवंबर से 1 दिसंबर तक मनाया जाता है) के आरंभिक दिवस पर कहा कि "लैंगिक और योनिक हिंसा न सिर्फ़ महिलाओं और किशोरियों के ख़िलाफ़ एक अपराध है, बल्कि समस्त मानवता के प्रति भी. इस हिंसा की एक बहुत महंगी क़ीमत भी हम चुकाते हैं- कुछ देशों की जीडीपी का 3.7% इस हिंसा के कारण कम हो जाता है. इसके बावजूद भी महिला हिंसा को समाप्त करने हेतु आवश्यक निवेश बहुत ही कम है-2022 में कुल विकास व्यय का सिर्फ़ 0.2%. इस निवेश को न करना और भी पीड़ादायक हो जाता है, क्योंकि हमें पता है कि कैसे महिला हिंसा कम और ख़त्म करनी है, परंतु हम कर नहीं रहे हैं! हमें क़ानून और नीतियों में परिवर्तन करना है, जिससे कि महिला अधिकार को सम्मान और न्याय मिले, महिला हिंसा के ख़िलाफ़ बहादुरी से लड़ रहे लोगों को सभी मुमकिन सुरक्षा और सेवाएं मिलें, जिन प्रमाणित तरीक़ों से लैंगिक और योनिक हिंसा से बचाव होता है उनको बड़े स्तर पर लागू करें और जो महिला हिंसा के जनक हैं, उनके विरुद्ध कार्रवाई हो." संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इस महिला हिंसा उन्मूलन दिवस पर कहा कि "हम अभी भी पुरुष-प्रधान समाज में रहते हैं, जो महिलाओं को गरिमा और अधिकारों की समानता से वंचित करके उन्हें असुरक्षित छोड़ देता है. हमें ऐसे विश्व का निर्माण करना है, जो हमेशा के लिए महिलाओं के खिलाफ कहीं भी और किसी भी रूप में हुई हिंसा को बर्दाश्त करने से इनकार कर दे." दुनिया में कुल प्रवासी श्रमिकों में से, जिनकी संख्या लगभग 30 करोड़ है, 30% तो एशिया-पैसिफ़िक क्षेत्र में ही हैं और इनमें से लगभग 50% महिलाएं हैं. दक्षिण-पूर्वी एशिया और पैसिफ़िक में 1.16 करोड़ पंजीकृत श्रमिक हैं जिनमें से आधी महिलाएं हैं. फ़िलीपींस, इंडोनेशिया, कंबोडिया, लाओस, मलेशिया, वियतनाम, सिंगापुर, थाईलैण्ड आदि देशों में एक करोड़ श्रमिक हैं, जिनमें से आधी महिलाएं हैं. एशिया पैसिफ़िक क्षेत्र में ऐसी महिलाओं की संख्या बढ़ रही है, जो रोज़गार की तलाश में प्रवास करती हैं, जिससे कि उनका और उनके परिवार का भरण-पोषण सम्मानजनक ढंग से हो सके. इस प्रवास का एक बड़ा कारण है उनके मूल निवास क्षेत्र में सम्मानजनक आय वाले काम का अभाव और बाहरी देशों में मेहनतकश श्रमिकों की बढ़ती हुई आवश्यकता. अनेक विकसित देशों से कुछ ख़ास पेशों के लिए महिला श्रमिकों की मांग रहती है जैसे कि घरेलू कार्य, नर्सिंग का कार्य, आदि.

> इस हिंसा की एक बहुत महंगी क़ीमत भी हम चुकाते हैं-कुछ देशों की जीडीपी का 3.7% इस हिंसा के कारण कम हो जाता है. इसके बावजूद भी महिला हिंसा को समाप्त करने हेतु आवश्यक निवेश बहुत ही कम है- 2022 में कुल विकास व्यय का सिर्फ़ 0.2%. इस निवेश को न करना और भी पीड़ादायक हो जाता है.

मीडिया में अन्यत्र

अधिक जीवंत बनें पर्यटन क्षेत्र

श्रीलंका, थाईलैंड और मलेशिया ने पर्यटन उद्योग को प्रोत्साहित करने के वास्ते भारतीयों के लिए वीजा की आवश्यकता समाप्त कर दी है. ऐसी खबरें हैं कि वियतनाम भी ऐसी ही नीति शुरू करने पर विचार कर रहा है.थाईलैंड अपने पूर्वी आर्थिक गलियारे में भारतीय नागरिकों के लिए 10 वर्ष की अवधि का निवेशक वीजा शुरू कर सकता है. इन देशों के निर्णयों से लगता है कि वे भारतीय पर्यटकों को अधिक महत्त्व दे रहे हैं. भारतीय सैलानी कोविड महामारी के बाद आर्थिक सुधार में इन देशों के पर्यटन क्षेत्र की मदद कर रहे हैं.यात्रा वीजा मुक्त किए जाने से कई तरह की झंझट समाप्त हो जाएंगी और इसका परिणाम यह होगा कि पर्यटकों की आमद बढ़ जाएगी. चीन से आने वाले पर्यटकों की संख्या कम होने के बाद दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों ने भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करने पर ध्यान देना शुरू कर दिया है. श्रीलंका सरकार का इस संबंध में उठाया गया कदम आवश्यकता से अधिक जुड़ा हुआ है. वहां की सरकार ऋण के बोझ से कराह रही अर्थव्यवस्था को उबारना चाहती है. ऑस्ट्रेलिया और रूस ने भी वीजा संबंधित प्रक्रियाएं सरल बना दी हैं. इन देशों ने अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए ई-वीजा की शुरुआत की है.

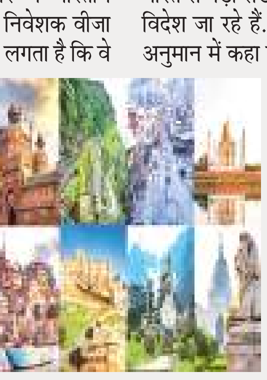

भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है और भारतीयों में विदेश यात्रा की ललक भी बढ़ती जा रही है. भारत से बड़ी संख्या में लोग घूमने या अन्य कार्यों के लिए विदेश जा रहे हैं. एक अंतरराष्ट्रीय सलाहकार संस्था के अनुमान में कहा गया है कि वर्ष 2030 तक भारत विदेश यात्रा पर खर्च करने वाला चौथा सबसे बड़ा देश बन जाएगा. भारत के लोगों में विदेश यात्रा के प्रति अति उत्साह के कई कारण हो सकते हैं. कुछ खंडों में भारतीय उपभोक्ता बाजार का बढ़ता आकार संकेत दे रहा है कि ऐसे भारतीय परिवारों की संख्या बढ़ी है जो घूमने-फिरने एवं मनोरंजन पर अधिक खर्च करने की क्षमता रखने लगे हैं. वर्ष 2019 में यात्रा एवं पर्यटन पर लगभग 15 करोड़ डॉलर खर्च हुए थे और अनुमान है कि 2030 तक यह बढ़कर 410 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है. भारतीयों ने वर्ष 2022-23 के दौरान व्यक्तिगत यात्राओं पर 21 अरब डॉलर खर्च किए. यह आंकड़ा वर्ष 2021-22 की तुलना में 90 प्रतिशत अधिक है.

(बिजनेस स्टैंडर्ड)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

अनुगृहीत/अनुग्रहीत

यदि कोई किसी का उपकार करता है तो उपकार पानेवाले व्यक्ति को अनुग्रहित कहेंगे या अनुगृहीत? यह सवाल तब दिमाग में जरूर आता है, जब इस शब्द का प्रयोग करने की नौबत आती है. दरअसल, इस शब्द को लेकर विद्वत समाज में भी भ्रम की स्थिति बनी रहती है. अनुगृहीत और अनुग्रहीत में कौन शब्द सही है, इसे जानने के लिए शब्दकोश का सहारा लेते हैं. वर्धा हिंदी शब्दकोश में अनुगृहीत शब्द को ही मान्यता दी गयी है. संस्कृत व्याकरण के नियमानुसार कुछ शब्दों में 'ईत' प्रत्यय जोड़ने से शब्द बनने पर 'र' का परिवर्तन 'ऋ' में हो जाता है. जैसे-ग्रह से गृहीत. इसी प्रकार अनुग्रह से बना शब्द है अनुगृहीत. अनुग्रह शब्द का अर्थ होता है, कृपा, दुःख दूर करने का कार्य, प्रसाद, अभीष्ट सम्पादन करना, सहायता कर कार्य पूरा करवाना, उपकार. अनु+ग्रह+अप्=अनुग्रहः यह संस्कृत शब्द है. अनुग्रह में क्त प्रत्यय लगाकर अनुगृहीत शब्द बनेगा, जिसका अर्थ होता है, उपकृत, आभारी, ऋणी, कृतार्थ, एहसानमन्द. अनुगृहीत अधिक प्रचलित शब्द है और जिस अर्थ में इस शब्द का प्रयोग होता है उसकी शुद्ध वर्तनी भी. जिसका अनुग्रह स्वीकार कर लिया गया हो, इस अर्थ में अनुगृहीत शुद्ध वर्तनी है. मोनियर विलियम्स के संस्कृत-अंग्रेजी भाषा शब्दकोश एकमात्र ऐसा स्रोत है, जो अनुग्रहीत को एक शब्द के रूप में मान्यता देता है. अनुग्रहीत में दो शब्द हैं अनु+ग्रहीत. इस शब्द का अर्थ बताया गया है, जिसपर अधिकार कर लिया गया हो. सरकार जब किसी भूमि का अधिग्रहण करती है तो उस भूमि को अधिग्रहीत भूमि कहा जाता है. शब्दकोश के अनुसार किसी काम में लगे हुए व्यक्ति को अनुग्रहीत कहा जा सकता है. इस संदर्भ को समझने के लिए गज और ग्राह की कथा का प्रयोग किया जा सकता है. इसमें ग्राह (मगरमच्छ) ने गज (हाथी) को अनुग्रहीत किया और गोविन्द (विष्णु) ने गज को अनुगृहीत किया. यहां ग्राह गज को ग्रहण करने वाला है, और गज ग्राहित है तथा अनुग्रही भी.

जितना बड़ा नेता, उतना बड़ा हार

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

सच पूछो तो राजनीति में जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य बड़े नेता के पुष्पहार में छोटे नेता का समा जाना ही है. बड़े नेता के हार का कवरेज क्षेत्र बहुत व्यापक होने के बाद भी यह जुगाड़ पर निर्भर करता है कि छोटे नेता को उसके भीतर स्थान मिले या न मिले? कई बार इस मामले में धक्का-मुक्की करनी पड़ती है. अगर कोई शर्माएगा या संकोच करेगा तो बृहदाकार-हार से बाहर रह जाएगा. पूरा शरीर न सही केवल चेहरे को ही हार के अंदर कर लो, लेकिन अपनी उपस्थिति हार के भीतर दर्ज करो. इसी में जीवन का सर्वोच्च सुख निहित है. बड़ा नेता अपने आसपास धक्का-मुक्की नहीं चाहता. अतः बाहर से शालीन, सभ्य और शांत बने रहने की एक्टिंग करते रहो. बड़े नेता को स्पर्श किए बिना जितना प्रयास कर सकते हो, हार के भीतर घुसने का करो. कल को जिले में लोग पूछेंगे कि बड़ा नेता आया और तुम कहां थे? तो फिर अगर हार में नहीं थे तो तुम्हारा होना न होना बेकार है. अपनी सत्ता को स्थापित करने के लिए हार में घुसना अनिवार्य है. इसे जीवन-मरण का प्रश्न बनाओ और हार में घुसने का पूरा-पूरा प्रयत्न करो. अधिक से अधिक तुम्हारे साथी यही तो कहेंगे कि यह आदमी अच्छा नहीं है. लेकिन उससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा. जो हार के भीतर आ गया, वह बड़ा-छुटभैया और जो बाहर रह गया वह छोटा-छुटभैया. अब यह तुम्हारी सामर्थ्य पर निर्भर करता है कि तुम बड़े बन पाते हो या छोटे रह जाते हो. कसरत करो और सफलता प्राप्त करो. आजकल पुष्पहार इतने बड़े और भारी बन रहे हैं कि उनको छह लोग लेकर आते हैं. आठ लोग हार को संभालते हैं और हार के भीतर केवल तीन लोगों के खड़े होने की जगह बनती है. जो लोग हार पकड़े हुए होते हैं अर्थात पुष्पहार को पकड़कर मंच तक लाते हैं, उन्हें सुविधा यह हो जाती है कि वे ऐन मौके पर हार के अंदर अपना चेहरा आसानी से फिट कर लेते हैं. इसलिए अगर जुगाड़ करनी है तो हार बनवाने का ठेका खुद लो और स्वयं अपने हाथों से उसे लेकर बड़े नेता के शरीर पर पहनाने का राजनीतिक-लाभ प्राप्त करो. एक जमाना था, जब हार गले में पहनाए जाते थे, लेकिन अब हार बड़े बनने लगे हैं. आइडिया जिसका भी हो, उसकी अक्ल की दाद देनी पड़ेगी. अधिक से अधिक लोग नेताजी के पुष्पहार के भीतर समा जाएं, इसके लिए फूलों के हार का आकार रोजाना बढ़ रहा है. कई बार हार के अंदर प्रविष्ट होने के लिए छुटभैया नेताओं में भारी धक्का-मुक्की होने लगती है. इसे देखकर बड़े नेता जी अगर दुबले-पतले हैं तो पीछे हट जाते हैं. फोटो का कार्यक्रम बिना बड़े नेता के ही निपट जाता है. फिर बाद में ध्यान आता है कि अरे! जिनके साथ फोटो खिंचाना था, वह तो पुष्पहार के बाहर ही रह गए. तब सम्मान सहित उनको हार के अंदर लाया जाता है.

धर्म अध्यात्म

सुख सौभाग्य को बढ़ाएगा मछली का जोड़ा

धन लक्ष्मी जल की तरह चलायमान है, शास्त्रों में लक्ष्मी को चंचला कहा गया है. मछली भगवान विष्णु के मत्स्य अवतार का स्वरूप होने के कारण धन सम्पति को शीघ्र आकर्षित करती है. मछली का जोड़ा रूके या स्थगित कार्य को पानी के बहाव की तरह पूर्ण करने लगता है.

जब इसके प्रतीक को घर, दुकान, कार्यालय में वायु तत्व, हवा में लटकाया जाता है तो वायु तत्व के माध्यम से जल तत्व से संबंधित शांति, उस जगह की उर्जा में प्रवाहित होने लगती है, जिससे वातावरण निरन्तर प्रगतिशील बना रहता है. हिन्दु धर्मशास्त्रों में वर्णित है कि भगवान नारायण श्री हरि विष्णु मत्स्य अवतार लेकर पृथ्वी पर अवतरित हुए. धन की देवी लक्ष्मी भगवान विष्णु की पत्नी हैं, इसलिए मछलियों की किसी भी प्रकार से सेवा अथवा मछलियों से सम्बन्धित उपाय करने से धन संबंधित भाग्य प्रबल होने लगता है. मछलियों के जोड़ा के शुभ प्रभाव के कारण घर-परिवार में आने वाली बाधाएं स्वतः दूर होने लगती हैं. भोजपत्र पर भगवान राम का नाम लिखकर आटे की गोली बनाकर मछलियों को खिलाने की परम्परा अनादिकाल से चली आ रही है. मछलियों का एक्वेरियम कितना शुभ माना जाता है, इसका पता लगाना हो तो बड़े संस्थानों, बैंक, निवेशकों के दफ्तर, होटल, रेस्त्रां आदि के बाहरी कमरे पर नजर डालें. आपको छोटे-बड़े टैंक/एक्वेरियम में रंग-बिरंगी मछलियां तैरती नजर आएंगीं. दरअसल फेंगशुई में घर में मछली रखने का विशेष महत्व है. मान्यता है कि इससे घर के सदस्यों के ऊपर आने वाली बलाएं दूर होती हैं. जो लोग किसी कारणवश एक्वेरियम में मछलियां न रख पाएं, उनके लिए मछलियों का प्रतीक चिन्ह फेंगशुई के अनुसार घर में रखना भी लाभप्रद माना जाता है.

आइए, मछली से जुड़े ऐसे ही उपायों की करें चर्चा-

- धातु के बने मछली को कछुए के साथ घर में रखना बहुत ही शुभ माना जाता है. अगर आप घरेलू समस्याओं से परेशान हैं, तो ये उपाय अपना कर देखें, घर से जुड़ी सभी समस्याएं खत्म होती महसूस होंगी.
- फेंगशुई के अनुसार मछली के जोड़े के प्रतीक चिन्ह को घर में लटकाने से घर के सदस्यों के ऊपर आने वाली विपत्तियां टलती हैं एवं घर में धन-संपत्ति के आगमन में निरंतरता बनी रहती है.
- परिवार में आपसी कलह हो, सदस्यों का एक-दूसरे से बनती नहीं हो, वाद-विवाद होता हो तो बृहस्पतिवार के दिन धातु की सुनहरी मछलियों के जोड़ों का प्रतीक चिन्ह पूर्व-उत्तर दिशा जिसे ईशान कोण कहते हैं, में लटकाएं. इससे परिवार के सदस्यों की सहनशक्ति बढ़ेगी, पारिवारिक झगड़े समाप्त होंगे.
- मछली सुख-समृद्धि का भी प्रतीक है. व्यवसायिक संस्थानों में इसी लिए एक्वेरियम नजर आते हैं. एक्वेरियम रखना संभव नहीं है तो मछलियों के जोड़े के प्रतीक चिन्ह को लटकाएं. सौभाग्य में वृद्धि होगी. वहीं वास्तुशास्त्र एवं फेंगशुई के अनुसार मछलियों का जोड़ा घर-कार्यालय की नकारात्मक उर्जा को सकारात्मक उर्जा में बदल देता है. इस कारण व्यक्ति की निर्णय क्षमता और मानसिक शक्ति में इजाफ होता है.
- पूर्व दिशा अथवा उत्तर दिशा अथवा पूर्व और उत्तर के मध्य की दिशा, ईशान कोण में मछली के जोड़ों को लटकाने से घर के सदस्यों का भाग्योदय, दुकान में लटकाने से दुकानदार की आय में वृद्धि होती है एवं कार्यालय में इसका प्रयोग उन्नतिकारक होता है.
- अपने कष्टों से मुक्ति के लिए प्रतिदिन भोजनपत्र पर राम का नाम लिखकर आटे की गोली बनाकर किसी आस-पास की नदी-तालाब में डालें.

हिमकर श्याम

टांगीनाथ धाम झारखंड की राजधानी रांची से करीब 165 किलोमीटर की दूरी पर गुमला जिले के डुमरी प्रखंड स्थित मंझगांव के लुचुतपाट की पहाड़ियों में बसा प्रसिद्ध धर्म स्थल है. यहां शैव, वैष्णव और शाक्य सम्प्रदाय का अनुपम संगम है. मान्यता है कि भगवान शिव इस प्राचीन मंदिर में साक्षात बसते हैं. सावन के महीने में हजारों भक्त यहां जलाभिषेक करने के लिए आते हैं. मंदिर के निकट एक वृहद आकार का त्रिशूल रूपी फरसा स्थापित है. त्रिशूल की पूजा किए बिना शिवोपासना अधूरी मानी जाती है.

जय बाबा टांगीनाथ धाम की

ऐतिहासक और पुरातात्विक महत्व

मुख्य मंदिर 12 फीट उंचा है. मंदिर के भीतर विशाल शिवलिंग हैं जो बाबा टांगीनाथ कहे जाते हैं. यह स्थान पुरातात्विक और ऐतिहासिक महत्व रखता है. यहां के पुरातात्विक अवशेषों में ओड़िशा के मंदिर स्थापत्य कला की झलक देखी जा सकती है. टांगीनाथ मंदिर के काल का निर्धारित नहीं हो पाया है. जानकारों का मानना है कि कभी यह धाम विकसित सभ्यता और संस्कृति का केंद्र रहा होगा. यहां सातवीं शताब्दी से लेकर बारहवीं शताब्दी के सैकड़ों अवशेष बिखरे पड़े हैं जिसमें अनेक शिवलिंग और देवताओं की दुर्लभ मूर्तियां, विशेषकर महिषासुर मर्दनी दुर्गा, भगवती लक्ष्मी, गणेश, विष्णु, सूर्य देव, हनुमान और नन्दी बैल आदि की मूर्तियां प्रमुख हैं. इसके साथ ही साथ पत्थर के जलपात्र, कुम्भ आदि भी हैं. इनमें से अधिकांश मूर्तियों एवं शिवलिंगों को उत्खनन से प्राप्त किया गया है. इनमें से कुछ मूर्तियां खण्डित हैं. साल 1989 में पुरातत्व विभाग ने यहां खुदाई करवाई थी, जिसमें हीरा जड़ित मुकुट समेत कई रहस्यमयी वस्तुएं मिली थीं.

किंवदंतियों में टांगीनाथ

टांगीनाथ के साथ अनेक किंवदंती तथा लोककथाएं जुड़ी हुई हैं. मान्यता है कि विश्वकर्मा भगवान ने टांगीनाथ धाम की रचना की थी. यह भी मान्यता है यह भगवान परशुराम की तपोस्थली रही है. यहां परशुराम के पदचिन्ह भी मौजूद हैं. परशुराम जी का उल्लेख रामायण और महाभारत दोनों में मिलता है. परशुराम के पिता का नाम जमदग्नि तथा इनकी माता का नाम रेणुका था. ऋषि जमदग्नि ने इनका नाम राम रखा था. उन्होंने शस्त्र का ज्ञान भगवान शिव से प्राप्त किया और शिव ने प्रसन्न होकर उन्हें अपना फरसा यानि परशु प्रदान किया. इसके बाद वह परशुराम कहलाए. पिता जमदग्नि के कहने पर परशुराम ने अपनी माता रेणुका का सिर धड़ से अलग कर दिया था. फिर पिता से मिले वरदान में उन्हें दोबारा जीवित भी करवाया, लेकिन मातृ हत्या के दोष से मुक्त होने के लिए उन्होंने टांगीनाथ में कठोर तपस्या किया.

दूसरी कथा है कि जब राम ने शिव का धनुष तोड़ा, तो उसकी आवाज परशुराम के कानों में गई और वह क्रोधित हो गए. लक्ष्मण से उनकी बहस हुई, पर राम के प्रेमपूर्वक व्यवहार से उनका क्रोध शांत हुआ. जब उन्हें ज्ञात हुआ कि राम विष्णु के अवतार हैं तो आत्मग्लानि हुई. तत्पश्चात राम की वन्दना करके तपस्या करने चले गये. घने जंगल में शिवलिंग स्थापित की और अपना फरसा जमीन में गाड़ दिया. टांगीनाथ धाम वही स्थान है. एक अन्य किंवदंती भगवान शिव और शनिदेव से जुड़ी है. कहा जाता है कि शनिदेव द्वारा किए गए एक अपराध पर भगवान शिव ने त्रिशूल फेंक कर उन पर वार किया. उस समय शनिदेव तो बच गए, लेकिन वह त्रिशूल इस पहाड़ी की चोटी पर आ धंसा. कहा जाता है कि टांगीनाथ धाम के आसपास लोहार जाति के लोग नहीं बसते. एक बार लोहार जाति के कुछ लोगों ने लोहा प्राप्त करने के लिए फरसे को काटने प्रयास किया था, पर असफल रहे. इस घटना के बाद जाति के लोगों की मौत होने लगी. इससे डर के लोहार जाति ने यह स्थान छोड़ दिया.

जमीन में गड़ा है त्रिशूल रूपी फरसा

टांगीनाथ मंदिर के उत्तर की ओर एक विशाल फरसा 60 डिग्री के कोण पर झुका हुआ जमीन में गड़ा है. इस फरसे की ऊपरी आकृति कुछ त्रिशूल से मिलती-जुलती है. इस फरसा को किसी ने काट लिया था. कटा हुआ भाग यहीं रखा है. मान्यता है कि यह फरसा भगवान परशुराम का है. फरसा को झारखंड की स्थानीय भाषा में टांगी कहा जाता है. इसलिए ये स्थल टांगीनाथ धाम से प्रसिद्ध है. एक मान्यता यह भी है कि यह विशालकाय त्रिशूल भगवान शिव का है. अनुमानतः इसकी लम्बाई 17 फीट से अधिक है. जमीन के ऊपर लगभग आठ फीट और शेष भाग जमीन के नीचे गड़ा है. कथाओं के अनुसार, भगवान परशुराम ने यहां शिव की घोर उपासना की थी. यहीं उन्होंने अपने परशु यानी फरसे को जमीन में गाड़ दिया था. लौह निर्मित यह फरसा अपने युग की लौह तकनीक के उन्नत कलाओं का प्रतीक है. यह सदियों से जस का तस है. खुले आकाश के नीचे रहने के बावजूद इस पर कभी जंग नहीं लगा.

सूर्य मंदिर आकर्षण का केंद्र

यहां का सूर्य मंदिर और सूर्यकुंड आकर्षण का केंद्र है. मंदिर में सूर्य की एक खंडित प्रतिमा है जो नौ घोड़े पर सवार हैं. अधिकाशतः सूर्य प्रतिमाओं में भगवान सूर्य सात घोड़े वाले रथ पर सवार रहते हैं. पौराणिक ग्रन्थों के अनुसार, सूर्य के ये सात घोड़े सप्ताह के सातों दिनों को दर्शाते हैं. सूर्य मन्दिर के पास ही योगीमठ है. यह पत्थरों के बड़े-बड़े टुकड़ों से बना छोटा सा मन्दिर है.

पूरी होती है मनौती

टांगीनाथ धाम में दूर-दूर से श्रद्धालु मनौती के लिए आते हैं. कहा जाता है सच्चे मन से मांगी गई मुराद पूरी होती है. सावन के महीने में हजारों भक्त जलाभिषेक करने के लिए आते हैं. झारखंड सहित अन्य राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाता है. महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में यहां तीन दिवसीय मेला भी लगाया जाता है. इस मंदिर की खासियत यह है कि यहां के पुजारी बैगा जनजाति के लोग होते हैं और नागपुरी भाषा में ही पूजा कराते हैं.

मांगलिक दोष : अष्टम भाव का मंगल

मृत्युंजय शर्मा

होरोस्कोप में अष्टम भाव में अगर मंगल हो तो (वैदिक ज्योतिष के अनुसार मांगलिक दोष) सिर्फ और सिर्फ नकारात्मक प्रभाव देता है और अगर उसपर केतु का भी प्रभाव हो तो यह और भी ज्यादा आक्रामक हो जाता है. आमतौर पर यह इफेक्टिव तब होता है जब मंगल की महादशा की शुरूआत होती है. ऐसे में सावधानी बरतने की जरुरत है. आइये इसके कुछ शुरूआती नकारात्मक प्रभाव पर नजर डालते हैं जिससे की आप संभल सकें.

- सबसे पहले व्यक्ति अपने और पराये में पहचान करने की क्षमता खो देता है और धूर्त और चालाक व्यक्ति के चंगुल में फंसकर अपने लिए कई आत्मघाती कदम उठाता है.
- निकट के कई रिश्तेदारों की मृत्यु होती है.
- बड़े भाई की या तो मृत्यु हो जाती है या व्यक्ति अपने बड़े भाई को अपना सबसे बड़ा शत्रु समझ बैठता है.
- जमीन सम्बन्धी मामला अदालत में पंहुच जाता है.
- एक आंख की रौशनी कम होने लगती है.
- मंगल और केतु का सम्बन्ध बनने पर भीषण दुर्घटना के योग का खतरा बनता है जिसमें खुद की या पत्नी की या फिर दोनों की जान जा सकती है.
- मंगल और बुध का सम्बन्ध बनने पर भी मृत्यु या मृत्युतुल्य कष्ट की आशंका बढ़ जाती है.
- धूर्त लोगों के प्रभाव से अहंकार इतना बढ़ जाता है कि

अच्छे बुरे की पहचान नहीं होती है और व्यक्ति अपने आप को शेर समझ बैठता है. ऐसे में कई ऐसे कदम उठाता है जो उसके लिए अंततः आत्मघाती साबित होते हैं.

- इन लक्षणों को देखते ही किसी अच्छे एस्ट्रोलॉजर से राय लेनी चाहिए.

कितना प्रभावी है आपका संवाद, बताता है बुध ग्रह

ऐसे व्यक्ति जो हमेशा अपनी कम्युनिकेशन स्किल के लिए जाने जाते हैं, उनकी कुंडली में बुध ग्रह प्रबल होता है. बुध ग्रह व्यक्ति की बुद्धि, सोच, रणनीति आदि के बारे में बताता है. यदि करियर की बात करें तो सेल्स, मीडिया, राइटिंग, कम्युनिकेशन, मार्केटिंग, शेयर मार्केट आदि क्षेत्र बुध ग्रह निर्धारित करता है. बुध फाइनेंस को भी बढ़ाता है. यदि व्यक्ति की जन्म कुंडली में बुध ग्रह लग्न भाव में स्थित है तो, वह व्यक्ति शारीरिक रूप से सुंदर होता. जिस व्यक्ति की कुंडली में बुध ग्रह उच्च राशि का होता है, ऐसे व्यक्ति बहुत ज्यादा विचार करते हैं और लोगों की बातों को इग्नोर नहीं करते, बल्कि उस पर विचार करते रहते हैं. इस वजह से कई बार रिश्तों में तनाव भी बढ़ जाता है. यदि बुध निचले राशि का है तो ऐसे लोग ज्यादा विचार नहीं करते और खुश रहते हैं. कुंडली में बुध ग्रह की स्थिति को मजबूत बनाने के लिए गणेश भगवान की आराधना करें. इसके अलावा एस्ट्रोलॉजर की सलाह से पन्ना पहन सकते हैं.

बिगड़ा वास्तु और कर्ज

स्वामी विमलेश
वास्तु शास्त्री

कई बार परिस्थितियां ऐसी बनती हैं कि लोग कर्ज के बोझ से दब जाते हैं. वास्तु विज्ञान की मानें तो इसके लिए बिगड़ा वास्तु भी जिम्मेवार होता है. आइए, कुछ ऐसे वास्तुदोष को समझे जो कर्ज की ओर ढकेलता है-

- यदि ईशान कोण में बाथरूम और टॉयलेट है तो आपको कारोबार बंद होने के कारण कर्ज लेना पड़ेगा.
- उत्तर दिशा की दीवार पर यदि कोई भारी सामान है अथवा कोई पहाड़ आदि की तस्वीरें तो आपको व्यर्थ के खर्च के लिए कर्ज लेना पड़ पड़ सकता है.
- यदि आपके किसी भी भवन में एक ही सीट में 3 दरवाजे हैं तो भी आपको कर्ज लेना पड़ सकता है.
- यदि आग्नेय कोण में कोई जल का कार्य अथवा कोई लोहे की सामग्री रखी है तो आपको कर्ज की समस्याएं जरूर आएंगी.
- यदि आप ईशान कोण में तिजोरी रखते हैं तो यह भी बहुत बड़ा वास्तु दोष है जिससे आप आर्थिक संकट आएगा.
- यदि आप के मुख्य द्वार के ठीक सामने कोई अन्य मुख्य द्वार है तो आपको कर्ज लेना पड़ सकता है.
- यदि आपने आग्नेय कोण में स्नानघर का निर्माण करवा दिया बहुत अशुभ फलदायक है.
- ईशान कोण में छत्त पर पानी की टंकी रखी हुई हो तो यह वजन भविष्य में आप पर कर्ज के रूप में आने वाला है. यह ऐसा कर्ज होगा जो आप कभी नहीं चुका पाएंगे.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ब्रीफ खबरें

पानी भरे गड्ढे में मिला छोटे भाई का शव

बेगूसराय । बेगूसराय में आपराधिक घटनाओं का सिलसिला लगातार जारी है. गुरुवार को भी यहां दो दिन से गायब एक युवक का शव पानी भरे गड्ढे से बरामद किया गया है. घटना बेगूसराय रेलवे मालगोदाम के सामने लोहिया नगर सहायक थाना क्षेत्र स्थित गड्ढे की है. मृतक की पहचान नगर निगम क्षेत्र के वार्ड नंबर 24 बाघा निवासी फेकन महतो के पुत्र गोविंद कुमार के रूप में की गई है. घटना का सबसे सनसनीखेज पहलू यह है कि गोविंद का शव जहां पानी भरे गड्ढे से बरामद किया गया है. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है.

बगहा में सीएसपी संचालक लापता

बगहा । बगहा में सीएसपी संचालक के लापता होने का मामला सामने आया है. जिसे लेकर उसके परिजनों ने थाने में अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई है. लिहाजा पुलिस मामले के छानबीन में जुटी हुई है. बताया जा रहा है कि सीएसपी संचालक के साथ पहले एक बार लूट की वारदात भी हो चुकी है. वहीं युवक सेंट्रल बैंक का सीएसपी संचालक है और बुधवार को दोपहर से लापता बताया जा रहा है. सीएसपी संचालक की पहचान राज कुमार के रूप में हुई है, जो नरवल गांव में सीएसपी चलाता है. परिजनों ने उसके अपहरण की आशंका जतायी है.

पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य देवमुनि का निधन

पटना । लंबे समय तक राजद के पटना जिला अध्यक्ष के रूप में काम कर चुके देवमुनि यादव अब दुनिया में नहीं रहे. उनके निधन से राजद परिवार में शोक की लहर है. राष्ट्रीय जनता दल के तमाम बड़े नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है. पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य देवमुनि यादव का निधनः आपको बता दें कि देवमुनि को पिछले दोनों पिछड़ा वर्ग आयोग का सदस्य नियुक्त किया गया था और वह अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे थे. राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव, तेजप्रताप यादव, जगदानंद सिंह समेत अन्य नेताओं ने उनके निधन पर शोक संवेदना प्रकट की है.

सत्तारूढ़ जदयू विधायक राजकुमार सिंह और सरकारी डॉक्टर भिड़े, विधायक बोले-

तुम्हारी नौकरी ले लूंगा, डॉक्टर बोला-कोई दिक्कत नहीं

संवाददाता ।पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाईटेड के विधायक राजकुमार सिंह (मटिहानी विधानसभा) और सदर अस्पताल के डॉक्टर चंदन कुमार के बीच तीखी बहस का वीडियो वायरल हो रहा है. विधायक ने डॉक्टर से गुस्से में कहा-अरे...शटअप पहले तमीज से बात करो, तुम्हारी नौकरी खत्म करुंगा मैं. डॉक्टर ने जवाब देते हुए कहा कि करवा दीजिए, कोई दिक्कत नहीं है. दरअसल, विधायक डॉ. चंदन कुमार के व्यवहार से नाराज थे. वह बार-बार तमीज से बात करने की नसीहत दे रहे थे. इतना ही नहीं विधायक ने कहा कि बेगूसराय सदर अस्पताल के डॉक्टर ही जब खुद बीमार हैं तो वह दूसरों का इलाज क्या करेंगे? विधायक ने डॉक्टर की शिकायत करने भी बात कही. बताया जा रहा है कि राजकुमार सिंह बम धमाके में घायल बच्चों से मिलने सदर अस्पताल पहुंचे थे. बच्चों की गंभीर हालत को देख कर विधायक अचानक डॉक्टर की खोज करने लगे. इस दौरान इमरजेंसी ड्यूटी में मात्र एक डॉक्टर तैनात थे. डॉक्टर ने बच्चों का इलाज करने से मना ही नहीं कर दिया. इसके बाद विधायक के समर्थकों ने मुलाकात की बात कही तो डॉक्टर ने इनकार कर दिया. वहीं अपने समर्थकों के साथ अस्पताल पहुंचे राजकुमार सिंह अपनी इस बेइज्जती को देखकर आग बबूला हो गए और डॉक्टर चंदन कुमार को खूब खरी-खोटी सुनाई.

सिविल सर्जन भी डॉ. चंदन की शिकायत से परेशान दिखे : विधायक ने सिविल सर्जन प्रमोद कुमार को फोन कर सदर अस्पताल बुलाया. सिविल सर्जन फौरन अस्पताल पहुंचे. इसके बाद विधायक ने सिविल सर्जन को पूरे हालात से अवगत कराया. सिविल सर्जन भी डॉ. चंदन की शिकायत से परेशान दिखे. लेकिन, किसी के द्वारा लिखित शिकायत नहीं करने के कारण कार्रवाई से अपनी असमर्थता जाहिर की. सिविल सर्जन के सामने भी विधायक और डॉक्टर चंदन के बीच बहस होने लगी.

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- बिहार में शेरशाह सूरी का मकबरा बिहार में कहां है – सासाराम
- सेन वंश का संस्थापक कौन था – सामंत सेन
- स्टेलनेस स्टील किसकी मिश्रित धातु है – क्रोमियम और आयरन
- बिहार में पहली बार विधानसभा चुनाव कब हुआ – 1937
- कांच के निर्माण में प्रयुक्त कच्ची सामग्रियां – बालू, सोडा, चूना-पत्थर
- थीपुसम त्यौहार किस समुदाय के द्वारा मनाया जाता है – तमिल
- गौतम बुद्ध के पिता का क्या नाम था – शुद्धोधन
- मड़ई त्यौहार किस प्रदेश का आदिवासी त्यौहार है – छत्तीसगढ़
- जोवाई हिल स्टेशन किस राज्य में स्थित है – मेघालय
- चोल वंश का अंतिम राजा कौन था – राजेंद्र तृतीय

पटना में बेखौफ अपराधियों ने की ताबड़तोड़ फायरिंग

जमीन कारोबारी को मारी गोली घायल अवस्था में पटना रेफर

संवाददाता ।पटना

राजधानी पटना में अपराधी बेखौफ हो गए हैं. ताजा मामला जिले के नौबतपुर थाना क्षेत्र का है जहां गुरुवार देर रात महमदली चक के पास शेखपुरा की ओर जाने के क्रम में अज्ञात बाइक सवार अपराधियों ने जमीन कारोबारी के वाहन पर जमकर फायरिंग की. इस घटना में जमीन कारोबारी गोली लगने से घायल हो गए हैं. जिसके बाद इलाज के लिए उन्हें पटना के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. वहीं घायल की पहचान नौबतपुर थाना के शेखपुरा गांव निवासी दिनेश सिंह के पुत्र नितेश कुमार के रूप में हुई है.

मिली जानकारी के अनुसार जमीन कारोबारी नितेश कुमार अपने फॉर्च्यूनर से लखीसराय से देर रात लौट रहे थे. इसी दौरान नौबतपुर थानाक्षेत्र के महमदली चक के पास पहले से घात लगाकर बैठे बाइक सवार अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी. जहां दो गोली नितेश कुमार को लगी, घटना की जानकारी मिलने के बाद नौबतपुर पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन तब तक सभी अपराधी फरार हो गए थे.

घायल कारोबारी का चल रहा है इलाज : वहीं इस संबंध में नौबतपुर थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार भारद्वाज ने बताया कि जमीन कारोबारी नितेश कुमार को अज्ञात अपराधियों के द्वारा गोली मारी गई है. सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई थी. घायल अवस्था में नितेश कुमार को पटना रेफर किया गया है, जहां इलाज चल रहा है. उनके फर्द बयान पर पुलिस मामला दर्ज कर आगे कानूनी कार्रवाई में जुट गई है. बता दें कि फरार अपराधियों की पहचान को लेकर पुलिस छापेमारी में जुट गई है.

बिजली को लेकर हुआ था विवाद

भाभी ने चाकू गोदकर की देवर की हत्या

मुंगेर : जिले के धरहरा थाना क्षेत्र के अदलपुर में बुधवार की देर शाम भाभी ने अपने ही 26 वर्षीय देवर अभिषेक कुमार की चाकू गोदकर हत्या कर दी. मृतक की पहचान अदलपुर निवासी उपेंद्र मंडल के 26 वर्षीय पुत्र अभिषेक कुमार के रूप में की गई है. बताया जा रहा है कि अभिषेक कुमार को परिजन थाना ले जा रहे थे. इस बीच रास्ते में ही किसी के सुझाव पर घायल अवस्था में ही उसे सदर अस्पताल ले आए, जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया. वहीं, अभिषेक कुमार की शादी इस वर्ष 30 मई को खड़गपुर थाना क्षेत्र के धपरी मोड़ निवासी वीरेंद्र सिंह की पुत्री कंचन कुमारी के साथ हुई थी. अभिषेक कुमार छह भाइयों में चैथा है, जिसे तीसरे भाई निवास मंडल की पत्नी सोनी कुमारी ने चाकू मारा है. घटना का कारण बिजली विवाद बताया जा रहा है. वहीं, मृतक के पिता उपेंद्र मंडल ने बताया कि निवास मंडल का अपना निजी बिजली कनेक्शन है. शेष पांच भाई एक साथ रहते हैं. बुधवार को अभिषेक ने अपना पंखा चलाया तो आरोपित सोनी कुमारी ने उस पर बिजली कनेक्शन बायपास कर पंखा चलाने का आरोप लगाया. इसके बाद अभिषेक किसी कारण से अपनी पत्नी के साथ गाली-गलौज कर रहा था. इस दौरान आरोपित को लगा कि अभिषेक उसे ही गाली दे रहा है. इससे नाराज ने सोनी ने चाकू निकाली और उसे चाकू मारकर जख्मी कर दिया.

सीएम नीतीश वायरल फीवर से ग्रसित, सुधार

पटना । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार चार-पांच दिनों से बीमार चल रहे हैं. बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को वायरल फीवर हुआ है, जिसके बाद से डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है. डॉक्टर लगातार सीएम नीतीश कुमार के स्वास्थ्य पर नजर बनाए हुए हैं. इसकी वजह से सीएम का गुरुवार को शिवहर दौरा रद्द कर दिया गया है. मुख्यमंत्री के स्वास्थ्य की जानकारी देते हुए मंत्री संजय झा ने गुरुवार को बताया कि मुंगेर में कार्यक्रम के दौरान ही नीतीश जी को फीवर आया था. पिछले दिन-चार दिनों से बुखार है. डॉक्टरों के अनुसार वायरल फीवर है, दो-चार दिन में ठीक हो जाएगा.

जमुई का इनामी अपराधी पप्पू मंडल ने किया सरेंडर

संवाददाता ।जमुई

जमुई कोर्ट में इनामी अपराधी सुरेंद्र मंडल उर्फ पप्पू मंडल ने आत्मसमर्पण कर दिया है. वह जिले का टॉप टेन में वांछित एवं इनामी घोषित फरार नामजद अभियुक्त है. उसपर जमुई टाउन थाने में विभिन्न धाराओं के मामले दर्ज हैं.

पुलिस लगातार बिहार और झारखंड स्थित लगभग एक दर्जन से अधिक संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही थी, लेकिन गुरुवार को अपराधी ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया. पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी. जानकारी देते हुए जमुई एसडीपीओ संतोष सुमन ने बताया कि फरार अपराधी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित की गई. पुलिस टीम लगातार बिहार और झारखंड स्थित लगभग एक दर्जन से अधिक संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही थी. पुलिस दबिश से परेशान होकर अपराधी ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया. उक्त नामजद अभियुक्त पर जमुई टाउन थाने में विभिन्न धाराओं के मामले दर्ज थे.

जिस पार्टी के लोकसभा में हैं जीरो एमपी, वो तय कर रहा कौन होगा पीएम : प्रशांत किशोर

पटना । राजद सुप्रीमो लालू यादव ने हाल ही में बयान दिया कि पीएम नरेंद्र

मोदी का खेल खत्म और नीतीश कुमार प्रधानमंत्री बनेंगे. इस पर जमकर बयानबाजी हो रही है. इसी क्रम में जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने लालू के पार्टी की संगठनात्मक क्षमता को समझाते हुए इस बयान पर तंज कसा है. उन्होंने कहा कि अगर खुद के मुंह से प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री बनना होता, तो किसी दूसरे के प्रयास करने की बात ही कहा थी. लालू की पार्टी जिसको कि बड़ा दल मानते हैं, उसके लोकसभा में जीरो एमपी हैं, लेकिन वो तय करेंगे कि प्रधानमंत्री कौन बनेगा ? नीतीश कुमार के 42 एमएलए हैं और मुख्यमंत्री बनने के लिए वे कभी लालटेन पर लटकते हैं, तो कभी कमल के फूल पर बैठते हैं, वह देश के पीएम बनेंगे?

दरभंगा के केवटी प्रखंड में पत्रकारों से बातचीत में गुरुवार को प्रशांत किशोर ने कहा कि जो इंडिया गठबंधन इन लोगों ने मिलकर बनाया है,जिसको लेकर इतना हल्ला मचा. उसमें आपको संयोजक तक तो किसी ने बनाया नहीं और आप प्रधानमंत्री बनने की बात कर रहे हैं. बिहार में कुछ चाटुकार नेता चर्चा कर रहे हैं, क्योंकि बिहार के बाहर कौन जानता है कि ये लोग कौन हैं? आज देश में सबसे बड़ा दल बीजेपी है और उसके बाद कांग्रेस है. विपक्ष का प्रधानमंत्री पद के लिए चेहरा होगा, तो वह कांग्रेस से होना चाहिए. मान लीजिए कि कांग्रेस से नहीं होगा, तो दूसरा सबसे बड़ा दल टीएमसी है उससे होना चाहिए.

कारोबार

स्टरलाइट को मिला परियोजना का ठेका

नयी दिल्ली । स्टरलाइट पावर को राजस्थान में आठ गीगावॉट हरित ऊर्जा पारेषण परियोजना का मिला ठेका मिला है. कंपनी की ओर से जारी बयान के अनुसार, उसे राजस्थान आरईजेड भाग-बी पारेषण परियोजना का ठेका मिला है. स्टरलाइट पावर के प्रबंध निदेशक प्रतीक अग्रवाल ने कहा, पारेषण आज भारत के ऊर्जा बदलाव की सफलता को रेखांकित करता है. हम इस महत्वपूर्ण परियोजना का ठेका पाकर खुश हैं जिसके जरिए आरई समृद्ध बीकानेर से करीब 8000 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश स्थित केंद्रों तक पहुंचाई जाएगी.

ओमेगा सेकी मोबिलिटी ने खोला पहला सेवा केंद्र

मुंबई । ईवी निर्माता ओमेगा सेकी मोबिलिटी (ओएसएम) ने दिल्ली-एनसीआर में अपना पहला कंपनी-स्वामित्व-कंपनी-संचालित (सीओसीओ) सेवा केंद्र (सर्विस सेंटर) स्थापित किया है. कंपनी ने कहा कि 40 करोड़ रुपये के कुल निवेश से 2025 तक ऐसी चार सुविधाएं स्थापित की जाएंगी. ओएसएम की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, चौबीसों घंटे सेवाएं देने वाली यह सुविधा यात्री व वाणिज्यिक सभी प्रकार के ओएसएम वाहनों की सभी जरूरतों को पूरा करेगी. खासकर रात के समय तत्काल सेवाएं मुहैया कराएगी.

टाटा कॉफी को विस्तार के लिए मिली मंजूरी

नयी दिल्ली । टाटा कॉफी को वियतनाम स्थित अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी का क्षमता विस्तार करने के लिए निदेशक मंडल की मंजूरी मिल गई है. इसके लिए 450 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा. कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि निदेशक मंडल ने वियतनाम में अतिरिक्त 5,500 टन फ्रीज-ड्राय कॉफी सुविधा की स्थापना को मंजूरी दे दी है. टाटा कॉफी के अनुसार, अतिरिक्त क्षमता के लिए 5.33 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया जाएगा. यह धनराशि आंतरिक संचय और बैंक वित्तपोषण से प्राप्त की जाएगी.

अब फार्मा कंपनियां चीन पर अपनी निर्भरता को कम करने की कोशिश कर रही हैं

मुश्किल में चीन का फार्मा सेक्टर, हालत खराब

भाषा ।नयी दिल्ली

अर्थव्यवस्था के मामले में पिछड़ रहे चीन के सामने मुश्किलें कम होने की बजाय बढ़ती जा रही हैं. पहले रियल एस्टेट को झटका लगा. उसके बाद बैंकिंग सेक्टर बिगड़ा. अब इसमें फार्मा सेक्टर भी शामिल हो गया है. चीन की खस्ताहाल इकॉनमी का हाल अब खुलकर सामने आ गया है. चीन की आर्थिक सेहत का खुलासा होने लगा है. कभी दुनिया की फैक्ट्री कहलाने वाला चीन अब अपनी अर्थव्यवस्था को बचाने की कोशिशों में जुटा है.

चीन की घट रही जीडीपी उसकी मुश्किलों को बढ़ा रही है. वर्ल्ड ऑफ स्टेटिस्टिक्स ने चीन के अनुमानित जीडीपी ग्रोथ को घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया है. चीन का रियल एस्टेट अब तक के सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है. रियल एस्टेट कंपनियां दिवालिया हो रही हैं. इससे बैंकिंग सेक्टर प्रभावित हुई. चीन अभी कोरोना संकट से संभल भी नहीं पाया था कि रहस्यमयी तरीके से फैल रहे माइक्रोप्लाज्मा निमोनिया और इन्फ्लूएंजा फ्लू ने इसकी परेशानी को बढ़ा दिया. वहीं अब चीन का फार्मा सेक्टर भी मुश्किलों में घिरता दिख रहा है. बड़ी दवा कंपनियों का चीन से मोह भंग हो रहा है. खासकर अमेरिका के साथ चीन को दुश्मनी भारी पड़ने लगी है.

अब फार्मा कंपनियां चीन पर अपनी निर्भरता को कम करने की कोशिश कर रही हैं. ड्रगमेकर्स चीनी कॉन्ट्रैक्टर्स पर अपनी निर्भरता को घटाने की कोशिश कर रहे हैं. बता दें कि फार्मा कंपनियों के लिए चीनी कॉन्ट्रैक्टर क्लीनिकल ट्रायल्स और प्रारंभिक चरण के निर्माण में इस्तेमाल होने वाली दवाओं का उत्पादन करते हैं. अब फार्मा कंपनियां चीनी कॉन्ट्रैक्टर पर अपनी निर्भरता को कम करने लगी हैं. कम लागत और तेज रफ्तार के कारण चीन फार्मास्युटिकल रिसर्च और मैन्युफैक्चरिंग के लिए दवा कंपनियों का पसंदीदा जगह हुआ करता था, लेकिन चीन के सख्त रवैये और अमेरिका के साथ बढ़ते ट्रेड वॉर के बाद से फार्मा कंपनियां चीन से दूरी बढ़ाने लगी है.

चीन से बढ़ती दूरी भारत के लिए अवसर से कम नहीं है. बायोटेक कंपनियां क्लिनिकल ट्रायल, रिसर्च और आउटसोर्स के लिए भारतीय मैन्युफैक्टरिंग कंपनियों के साथ काम करने पर विचार कर रही हैं. बायोटेक कंपनियां चीन से दूरी बनाने लगी हैं. डायबिटीज और मोटापे के उपचार के लिए दवा बनाने वाली फार्मा कंपनी ग्लाइसेंड थेरेप्यूटिक्स के फाउंडर आषीन निमगांवकर की मानें तो ऐसे कई फैक्टर्स हैं, जिसने चीन को बायोटेक कंपनियों के लिए कम आकर्षक बना दिया है.

कंपनियां चीन की बजाय भारतीय कंपनियों के साथ काम करने में रुचि दिखा रही है. चीनी कंपनियों के मुकाबले भारतीय कंपनियों को प्राथमिकता दी जा रही है. भारतीय कॉन्ट्रैक्ट डेवलपमेंट एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑर्गेनाइजेशन को प्राथमिकता मिल रही है. भारत के चार प्रमुख सीडीएमओ सिनजीन, एराजेन लाइफ साइंसेज, पीरामल फार्मा सॉल्यूशंस, साई लाइफ साइंसेज के मुताबिक उन्हें बायोटेक कंपनियों खासकर पश्चिमी फार्मा कंपनियों की ओर से अधिक इंटरेस्ट देखने को मिल रहा है.

कंपनियां चीन से अपना पैसा निकाल रही हैं : चीन में कोरोना के बाद से बिगड़े हालात के बाद से कंपनियां चीन से मुंह मोड़ रही हैं. कंपनियां चीन से अपना पैसा निकाल रही हैं. वहीं भारत चीन का बड़ा विकल्प बनकर उभर रहा है. चीन के बजाय भारत में विदेशी कंपनियों का निवेश बढ़ रहा है. ऐपल, फॉक्सकॉन, माइक्रॉन जैसी कंपनियों ने चीन से निवेश के बजाए भारत में निवेश बढ़ाया है. वहीं अमेरिका की दिग्गज रिटेल कंपनी वॉलमार्ट ने भी चीन को झटका दिया है. वॉलमार्ट ने कहा है कि वो अब ज्यादा से ज्यादा गुड्स भारत से इंपोर्ट कर रहा है. वॉलमार्ट ने चीन पर अपनी निर्भरता को लगातार कम कर रहा है. साल 2023 में जनवरी से अगस्त के दौरान कंपनी ने अमेरिका में किए गए इंपोर्ट्स में से एक चौथाई भारत से आयात किया है

मुश्किलें बढ़ीं

- चीन की रियल एस्टेट कंपनियां दिवालिया हो रही हैं
- बायोटेक कंपनियां चीन से दूरी बनाने लगी हैं

नंदन नीलेकणि और निखिल कामथ

फोर्ब्स एशिया की 'हीरोज ऑफ फिलैंथ्रॉपी' सूची में शामिल

एजेंसी ।नयी दिल्ली

इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि, डीएलएफ के मानद चेयरमैन केपी. सिंह और जेरोधा के सह-संस्थापक निखिल कामथ को फोर्ब्स एशिया की हीरोज ऑफ फिलैंथ्रॉपी सूची के 17वें संस्करण में शामिल किया गया है. यह सूची बृहस्पतिवार को जारी की गई. फोर्ब्स की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सूची में किसी को कोई 'रैंक' नहीं दी गई है. वार्षिक सूची में 15 परोपकारियों को शामिल किया गया है. फोर्ब्स के अनुसार, प्रौद्योगिकी दिग्गज इंफोसिस के सह-संस्थापक एवं चेयरमैन नंदन नीलेकणि ने जून में आईआईटी बॉम्बे को 3.2 अरब रुपये (3.8 करोड़ अमरीकी डालर) का दान दिया था. वहीं सिंह (92) ने अगस्त में परोपकारी कार्यों के लिए रियल एस्टेट कंपनी में अपनी शेष प्रत्यक्ष हिस्सेदारी बेच दी थी और इससे 7.3 अरब रुपये जुटाए थे. सिंह 2020 में डीएलएफ के चेयरमैन के पद से हट गए थे. ज़ेरोधा के सह-संस्थापक निखिल कामथ (37) की यूट्यूब पॉडकास्ट सीरीज डब्ल्यूटीएफ इज एक करोड़ रुपये (120,000 अमेरिकी डॉलर) तक दर्शकों द्वारा चुनी गई चैरिटी को दे रही है.

मांग मजबूत मांग के दम पर सात प्रमुख शहरों में बढ़ी मांग

अल्ट्रा-लग्जरी मकानों की बिक्री तीन गुना हुई : एनारॉक

एजेंसी ।नयी दिल्ली

मजबूत मांग के दम पर सात प्रमुख शहरों में इस साल अभी तक 40 करोड़ रुपये से अधिक कीमत वाले अल्ट्रा-लक्जरी (भव्य व आलीशान) मकानों की बिक्री तीन गुना होकर 4,063 करोड़ रुपये रही. रियल एस्टेट सलाहकार एनारॉक ने यह जानकारी दी है.

एनारॉक के अनुसार, भारत के शीर्ष सात प्रमुख शहरों दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र), मुंबई-एमएमआर (मुंबई मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र), चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे में इस साल अभी तक 4,063 करोड़ रुपये की 58 इकाइयों की बिक्री हुई है. रियल एस्टेट सलाहकार की ओर से बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2022 में 1,170 करोड़ रुपये मूल्य की 13 इकाइयां बेची गईं थी. एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा, वैश्विक महामारी के बाद से लक्जरी और अल्ट्रा-लक्जरी दोनों संपत्तियों की मांग बढ़ी है. एचएनआई (हाई नेट वर्थ इंडिविजुअल) और अल्ट्रा-एचएनआई निवेश, व्यक्तिगत इस्तेमाल या दोनों के लिए ऐसे मकान खरीद रहे हैं. देश में 2023 में अभी तक शीर्ष सात शहरों में बेची गई 58 अल्ट्रा-लक्जरी संपत्तियों में से अकेले मुंबई में 53 इकाइयां बेची गईं. गुरुग्राम में दो अपार्टमेंट और नई दिल्ली में दो बंगले बेचे गए. हैदराबाद के जुबली हिल्स में 40 करोड़ रुपये से अधिक का एक आवासीय सौदा हुआ.

गुरुग्राम स्थित क्रिसुमी कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक मोहित जैन ने रिपोर्ट पर कहा, हालिया वर्षों में विभिन्न आय वर्ग के लोगों में मकान खरीदने की इच्छा उल्लेखनीय रूप से बढ़ी है. यह मुख्य रूप से एक बेहतर आर्थिक परिदृश्य और जीवन स्तर को ऊपर उठाने की आकांक्षा से प्रेरित है.

आरईसी लि. चालू वित्त वर्ष में 1.5 लाख करोड़ जुटाएगी

एजेंसी ।नयी दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की आरईसी लि. चालू वित्त वर्ष में 1.5 लाख करोड़ रुपये जुटाएगी. कंपनी के निदेशक मंडल ने जुटायी जाने वाली राशि बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है. पहले यह राशि 1.2 लाख करोड़ रुपये थी. कंपनी ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि आरईसी के निदेशक मंडल ने 30 नवंबर को हुई बैठक में बाजार उधारी कार्यक्रम में संशोधन को मंजूरी दे दी. इसमें 2023-24 के लिए निजी/सार्वजनिक नियोजन के आधार पर बांड/डिबेंचर, सावधि ऋण, बाह्य वाणिज्यिक उधारी, वाणिज्यिक पत्र आदि के जरिये 1,50,000 करोड़ रुपये तक जुटाने की मंजूरी शामिल है. पहले यह राशि 1,20,000 करोड़ रुपये थी. इसमें कहा गया, उक्त संशोधित बाजार उधारी कार्यक्रम के तहत निदेशक मंडल द्वारा इस संबंध में सौंपी गई शक्तियों के अनुसार सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान समय-समय पर धन जुटाया जाएगा. निदेशक मंडल ने हिंदुस्तान पावर एक्सचेंज लिमिटेड (एचपीएक्स) में 14.25 करोड़ रुपये तक की राशि (यानी एचपीएक्स की 75 करोड़ रुपये की प्रस्तावित इक्विटी शेयर पूंजी का 19 प्रतिशत तक) के इक्विटी निवेश के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी.

ब्रीफ खबरें

विश्वकर्मा प्रोजेक्ट की मशीनों से डीजल की लूट

धनबाद । कुसुंडा क्षेत्र के विश्वकर्मा परियोजना में काम कर रही मशीनों से करीब एक लाख से अधिक की डीजल लूटने का मामला प्रकाश में आया है. लुटेरों ने सुरक्षा गार्ड केदार और रामचंद्र की पिटाई भी की और उनका मोबाइल छीन लिया. वारदात के उपरांत आंतरिक सुरक्षा बल के एएसआइ श्यामलाल कुमार पाठक ने धनसार व झरिया थाना में शिकायत की है. बताया कि एक दर्जन से अधिक की संख्या में हथियार से लैस अपराधी पहुंचे. इसके बाद मशीनों पर पत्थर चलाकर ऑपरेटरों को भगा दिया.

हर साल बढ़ रहे एचआईवी के मरीज

धनबाद। शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में संचालित एआरटी सेंटर में इस वर्ष 30 नवंबर तक 3600 से अधिक रजिस्टर्ड हुए हैं. नए मरीज की पहचान होना विभाग के लिए भी चिंता का विषय बना हुआ है. वर्ष 2010 में एसएनएमएमसीएच में एंटी रेट्रोवायरल थेरेपी सेंटर की शुरूआत हुई थी. जानकर आश्चर्य होगा कि उस वक्त केवल दो मरीज ही रजिस्टर्ड थे और अब 3600 हैं. बीते वर्ष 50 बच्चे भी इस लाइलाज बीमारी से पीड़ित मिले थे. हर साल करीब 2 फीसद पीड़ित अपनी जान गवां देत हैं.

80 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाता सम्मानित

धनबाद ।जिले में गुरुवार को उपायुक्त वरुण रंजन के निर्देश पर 80 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं को उनके घर पर जाकर सम्मानित किया गया. इस संबंध में उपायुक्त ने बताया कि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सह सचिव के रवि कुमार के निर्देश पर यह पहल की जा रही है. जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों के वरिष्ठ मतदाताओं को उनके घर जाकर शॉल ओढ़ाकर, फूल माला पहनाकर सम्मानित किया गया है. साथ ही 80 वर्ष से अधिक उम्र के एवं दिव्यांगजनों के निबंधन के लिए विशेष अभियान चलाया गया.

लाला हत्याकांड में गवाह पेश करने का आदेश

धनबाद । जमीन कारोबारी लाला खान की हत्या के चर्चित मामले में बुधवार सुनवाई हुई. जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने अपर लोक अभियोजक को गवाह पेश करने का आदेश दिया है. जमीन कारोबारी मोहम्मद असरफ अल हसन उर्फ लाला खान की 12 मई 21 को दोपहर करीब 3 बजे गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. जब्बार मस्जिद के पास दिनदहाड़े अपराधियों ने लाला खान को गोली मारी थी. घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई थी.

भाजपा बरटांड़ मंडल ने निकाला मशाल जुलूस

धनबाद । दो दिसंबर को भारतीय जनता पार्टी के द्वारा आयोजित जनाक्रोश यात्रा को सफल बनाने के लिए लोगों से आह्वान करने के लिए बरटांड मंडल के कार्यकर्ताओं ने 30 नवंबर को मशाल जुलूस निकाला. जुलूस गांधी चौक सिटी सेंटर से शुरू होकर रंधीर वर्मा चौक पर समाप्त हुआ. जुलूस का नेतृत्व मंडल अध्यक्ष राजकुमार मंडल ने की. उन्होंने बताया कि व्यापारियों रंगदारी, लूट आदि अपराधिक घटनाओं को लेकर भाजपा दो दिसंबर को आंदोलन की शुरुआत कर रही है.

टाइगर जवान नोट करेंगे गाड़ियों का नाम-नंबर

धनबाद। धनबाद यातायात विभाग की ओर से जारी वाहन जांच अभियान में दो दिनों के अंदर साढे. पांच लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया. हेल्मेट से लेकर सीट बेल्ट आदि की जांच के दौरान दो दिनों में अनियमितता बरतने वाले 513 वाहनों को पकड़ा गया. इनसे जुर्माने की वसूली की गई. इधर टाइगर जवानों को अब चेकिंग के साथ-साथ बाइक चालकों का मोबाइल नंबर भी लेने का आदेश दिया गया है. आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए टाइगर जवानों की जिम्मेवारी बढ़ा दी है.

इग्नू की सत्रांत परीक्षा आज से होगी शुरू

धनबाद। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) की दिसंबर सत्रांत की परीक्षा एक दिसंबर से शुरू होगी. परीक्षाएं नौ जनवरी तक चलेंगी. इसी कड़ी में धनबाद जिले में पीके राय मेमोरियल कॉलेज व एसएसएलएनटी महिला कॉलेज को परीक्षा केंद्र बनाया गया है. इग्नू की वेबसाइट पर हाल टिकट (एडमिट कार्ड) अपलोड कर दिया गया है. हाल टिकट डाउनलोड कर परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं.

लेटलतीफी : रेलवे बोर्ड की टीम ने पंक्चुएलिटी टेस्ट के बाद किया खुलासा

81 ट्रेनों में सालों भर देर से चलती है शक्तिपुंज-जम्मूतवी

संवाददाता। धनबाद

ट्रेनों की लेटलतीफी कोई नई बात नहीं, लेकिन एक-दो ट्रेन अगर सालों भर विलंब से चले तो इसमें रेलवे के परिचालन विभाग के अधिकारियों की लापरवाही उजागर होना लाजिमी है. सूत्रों के अनुसार रोजाना धनबाद से गुजरनेवाली 81 एक्सप्रेस-पैसेंजर ट्रेनों में 365 दिन जबलपुर से हावड़ा जानेवाली शक्तिपुंज एक्सप्रेस और जम्मू से कोलकाता जानेवाली जम्मूतवी एक्सप्रेस विलंब से चल रही है. गत दिनों रेलवे बोर्ड की टीम ने पंक्चुएलिटी टेस्ट के बाद खुलासा किया है. बोर्ड की टीम ने रिपोर्ट में लिखा है कि रोजाना 100 में 42 फीसदी ट्रेनें विलंब से चल रही है. यात्रियों और परिचालन विभाग के अधिकारियों व कर्मियों से फीडबैक लेने के बाद पता चला कि कभी रेल पटरियों पर मेनटेनेंस, तो कभी रूट रिले इंटरलॉकिंग, तो कभी जहां-तहां मालगाड़ियों की रुकी रहने की वजह से ट्रेनें विलंब हो जाती हैं. इसके अलावा ठंड के मौसम में दिसंबर से फरवरी तक ट्रेनें विलंब से चलती है. धनबाद रेल मंडल के भी परिचालन विभाग के अधिकारी बताते हैं कि वे लोग चाहते हैं कि कोई भी ट्रेन विलंब से न चले, लेकिन तकनीकी कारण या मालगाड़ी के जहां-तहां इंजन फेल होने की वजह से कोई-कोई ट्रेन विलंब हो जाती है.

खास बातें

- रोजाना विलंब से चल रही 42 फीसदी ट्रेनें
- कभी मेनटेनेंस, तो कभी रूट रिले इंटरलॉकिंग है हजह

धनबाद रेल मंडल से होकर गुजरते समय विलंब नहीं होती है ट्रेनें

रेलवे के अधिकारी कहते हैं कि जबलपुर से हावड़ा जानेवाली शक्तिपुंज हो या फिर जम्मू से कोलकाता जानेवाली जम्मूतवी एक्सप्रेस या फिर कोई अन्य ट्रेन. धनबाद रेल मंडल के क्षेत्र में आने के बाद ट्रेनें तय ठहराव के बाद समय पर खुलती हैं और निर्धारित समय के भीतर दूरी तय करती है. दूसरे रेल मंडल के स्टेशनों से खुलने व गुजरने वाली ट्रेनें पहले से ही 2 से 5 या 10 घंटे विलंब से चल रही है तो वे कुछ नहीं कह सकते हैं. यात्री कहते हैं कि शक्तिपुंज और जम्मूतवी रोजाना कभी 2 तो कभी 5 से 8-10 विलंब से धनबाद पहुंचती है. जरूरी काम से जाने वाले और बीमार यात्रियों को काफी परेशानी होती है. इन दो ट्रेनों के अलावा और भी कई ट्रेनें हैं, जो अक्सर विलंब से चलती हैं.

अगस्त में ही छात्रा का प्लस टू साइंस में हुआ था नामांकन

फंदे पर लटका मिला जवाहर नवोदय स्कूल की छात्रा का शव

संवाददाता। बोकारो

जवाहर नवोदय विद्यालय बोकारो तेनुघाट की एक छात्रा का शव बुधवार की रात को हॉस्टल के बाथरूम में दुपट्टे से लटका मिला. आनन-फानन में उसे अनुमंडलीय अस्पताल तेनुघाट ले जाया गया, जहां डॉक्टर शंभू कुमार ने जांचोपरांत के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. डॉक्टर शंभू कुमार ने बताया कि लड़की को मृत अवस्था में ही लाया गया था. स्कूल के प्राचार्य बिपिन कुमार ने कहा कि छात्रों ने बताया कि एक लड़की हॉस्टल के बाथरूम में दुपट्टे से लटकी हुई है, जिसे उतारकर अस्पताल ले जाया गया. अगस्त में उसका मिनी माइग्रेशन के तहत प्लस टू साइंस में नामांकन हुआ था. वह बिहार के अरवल जवाहर नवोदय विद्यालय से मिनी माइग्रेशन के तहत जवाहर नवोदय विद्यालय तेनुघाट में आई थी और सिकरिया गांव पालीगंज प्रखंड जिला पटना बिहार की रहने वाली थी. उसके परिजनों को सूचना दे दी गई है.

हॉस्टल के कैप्टन ने बताया कि बुधवार शाम सवा पांच बजे एसेंबली में गिनती के दौरान एक लड़की कम थी. खोजबीन करने पर वह बाथरूम में फंदे से लटकती देखी गयी. उन्होंने नर्स मैडम पूनम लकड़ा और अंजू पांडेय सहित अन्य शिक्षकों को घटना की जानकारी दी. वह 24 नवंबर को घर से विद्यालय आई थी. उसने कहा था कि उसका सिलेबस पूरा नहीं हुआ है और वह काफी तनाव में थी.

छात्रा रिया की मां बोली- बेटी साहसी थी आत्महत्या नहीं कर सकती, जांच कराएं

- बुधवार को स्कूल हॉस्टल के बाथरूम में फंदे पर लटका मिला था शव, मेडिकल बोर्ड ने किया पोस्टमार्टम

संवाददाता। तेनुघाट

तेनुघाट अनुमंडलीय अस्पताल में रोते-बिलखते परिजन.

जवाहर नवोदय विद्यालय, तेनुघाट की मृत छात्रा रिया के शव का मेडिकल बोर्ड की निगरानी में गुरुवार को पोस्टमार्टम कर दिया गया. इधर, छात्रा की मां ने कहा कि बेटी साहसी थी. आत्महत्या नहीं कर सकती है. प्रशासन पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराए. ज्ञात हो कि 29 नवंबर की देर शाम 11वीं की छात्रा का शव स्कूल के हॉस्टल के बाथरूम में दुपट्टा के सहारे फंदे पर लटका मिला था. मामले को गंभीरता से लेते हुए बोकारो डीसी कुलदीप चौधरी ने मेडिकल बोर्ड की निगरानी में शव का पोस्टमार्टम कराने का निर्देश दिया था. मेडिकल बोर्ड में तेनुघाट अनुमंडलीय अस्पताल के प्रभारी डॉ बिनोद तिवारी, बेरमो अस्पताल के डॉ जितेंद्र कुमार, गोमिया अस्पताल की डॉ चंचला व कसमार सीओ सुरेश कुमार सिन्हा शामिल थे.

छात्रा के परिजन गुरुवार की सुबह अनुमंडलीय अस्पताल तेनुघाट पहुंचे. उनके विलाप से माहौल गमगीन हो गया. छात्रा की माता गुडिया देवी, दादी सुषमा देवी, बड़ी बहन श्रेया कुमारी, चाचा मानवेन्द्र कुमार का रो-रोकर बुरा हाल था. पिता मनोज कुमार गुजरात की प्राइवेट कंपनी में काम करते हैं. माता गुड़िया देवी व बहन श्रेया कुमारी ने शंका जाहिर करते हुए बताया कि रिया पढ़ाई के तनाव में कभी फांसी नहीं लगा सकती है. वह मन और विचार से काफी मजबूत थी. उसके साथ कुछ गलत हुआ है. उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया है।.उन्होंने उच्चाधिकारियों से निष्पक्ष जांच की मांग की. इधर, तेनुघाट ओपी प्रभारी आशीष कुमार ने बताया कि छात्रा के कमरे से मोबाइल और कुछ सामान जप्त किए गए हैं. पुलिस मामले का अनुसंधान कर रही है.

अनुमंडलीय अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सुपुर्द किया जाएगा. अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बीएन सिंह, पेटरवार सीओ अशोक राम, जरीडीह इंस्पेक्टर भी अस्पताल पहुंचे और घटना की जानकारी ली. अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि यह प्रथम दृष्टया में आत्महत्या का मामला प्रतीत होता है. इसे जांचोपरांत ही स्पष्ट किया जा सकता है.

सीए के छात्रों ने भूमिगत माइंस का किया दौरा

धनबाद। दी इंस्टिट्यूट ऑफ़ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की धनबाद शाखा द्वारा 30 नवंबर को बीसीसीएल के मूनीडीह भूमिगत खदान का दौरा किया गया. इसमें 30 सीए छात्रों के अलावा सीए सदस्यों ने भाग लिया. इस दौरान माइंस जूता और हेलमेट पहने छात्रों को कारखाना ले जाया गया जहां कोयला उत्पादन के बारे में बताया और दिखाया गया. आईसीएआई शाखा द्वार बीसीसीएल डब्ल्यू जे क्षेत्र के अधिकारी प्रुदवी राज कुमार (मैनेजर माइनिंग) को स्मृति चिन्ह दे कर सम्मानित किया गया. इस कार्यक्रम में धनबाद शाखा अध्यक्ष सीए सौरव अग्रवाल, सिकासा चेयरमैन सीए एसएस जायसवाल शामिल थे.

माओवादी तालकेश्वर की मौत, 24 घंटे बाद हुआ पोस्टमार्टम

पलामू । प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी से जुड़े 62 वर्षीय तालकेश्वर कहार की मौत हो गयी. वह एक माह से बीमार था. मेदिनीनगर सेंट्रल जेल से उसे एमएमसीएच में भर्ती कराया गया था. शव का पोस्टमार्टम गुरुवार को हुआ. तालकेश्वर हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के घोड़बंधा बड़ेपुर का निवासी था. वह इसी वर्ष अप्रैल महीने में जेल से छुटकर आया था. उसके खिलाफ एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज थे. जेल से बाहर आते ही तालकेश्वर के खिलाफ पुराने मामले में वारंट जारी हुआ. ऐसे में उसने मई महीने में सरेंडर किया था. इससे पहले भी पूर्व के कई मामलों में उसे गिरफ्तार कर सेंट्रल जेल भेजा गया था. तालकेश्वर के पुत्र दीपक कुमार ने कहा कि गत 23 नवंबर की रात में सेंट्रल जेल से सूचना मिली कि उसके पिता की तबीयत ज्यादा खराब है.

पेज का शेष....

पनौती पर नाहक इतनी...

अलबत्ता मीडिया का कर्कश शोर तब नहीं था.

एक शेरनी, सौ लंगूर, चिकमंगलूर -चिकमंगलूर : कुछ नमूने देखिए- जनसंघ को वोट दो, काला जूता ठोंक दो, बीड़ी पीना छोड़ दो, बीड़ी में तंबाकू है, केबी बेटा डाकू है. केबी सहाय उस समय बिहार के मुख्यमंत्री थे. ऐसे ही एक और मुख्यमंत्री अब्दुल गफूर के चुनाव क्षेत्र में नारा लगा था-हाथ में लबनी, मुंह में पान, मियां गफूर की है पहचान. क्रांतिकारी समाजवादी नेता राजनारायण तो अपने चुनावी भाषणों में कहा करते थे- इंदिरा को अदालत में पटका, जनता की अदालत में पटका, चोली गई..., साड़ी गई... आजमगढ़ में लोकसभा उपचुनाव में उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी मोहसिना किदवई को मो सम हसीना ना कोई कहते हुए उन्हें सूर्पणखा के किरदार से जोड़ दिया था और कहा था कि यह हमारे प्रत्याशी राम (रामबचन यादव) को लुभा रही हैं. इसलिए हे आजमगढ़ की लक्ष्मण रूपी जनता अपने वोट रूपी बाण से इसका नाक-कान काट लो. योगी आदित्यनाथ के गुरु के गुरु दिग्विजय नाथ अपने चुनावी भाषणों में एक समुदाय के बारे में अमूमन कहा करते थे कि मुझे वोट मत देना. देना होगा तो गंगाजल में धोकर देना, अन्यथा मेरा बैलेटबॉक्स अपवित्र हो जाएगा. चिकमंगलूर में इंदिरा जी के चुनाव में नारा लगा था-एक शेरनी, सौ लंगूर, चिकमंगलूर -चिकमंगलूर.

नेता खुद को समय के हिसाब से ढाल लें, वर्ना : 1980 में कांग्रेस ने नारा लगाया था-कंधे पर हग दिया किसान, साफ करो जगजीवन राम. उस समय कंधे पर हल लिया किसान जगजीवन राम के धड़े वाली जनता पार्टी का चुनाव निशान था. इससे भी घृणित नारा विपक्ष ने उप्र में दिया था-दिल्ली में राड़राज (इंदिरा जी), यूपी में बांझराज (सुचेता कृपलानी), रो रहे हैं कामराज (कांग्रेस अध्यक्ष), कहां गया रामराज. ऐसे अनेक उद्धरणों से हमारा चुनावी इतिहास भरा पड़ा है. लेकिन जैसी तुर्शी-बतुर्शी पनौती पर मची है, वैसी तब नहीं मचती थी और न ही केस-मुकदमे होते थे. इसका मतलब यह कतई नहीं है कि पहले से जो चुनावी गंदगी चलती आ रही है, वह जारी रहनी चाहिए. अब समय बदल गया है. हम सतर्क हो गये हैं या हो रहे हैं. होली का भी रूप-रंग बदल गया है. अब सूखी होली का रिवाज आ गया है. लालू प्रसाद ने भी कपड़ा फाड़ होली खेलना छोड़ दिया है. शिक्षित समाज का दायरा बड़ा हुआ है. फूहड़ता, निर्लज्जता के विरोध तथा बहिष्कार का स्वर तेज हुआ है. इसलिए राहुल हों या मोदी या कोई अन्य, सियासी, चुनावी हमले जरूर करें, लेकिन भाषा और विचारों का स्खलन स्वस्थ और मर्यादित लोकतंत्र की जड़ को ही कमजोर करेगा. हमारी मनीशा का एक ध्येय वाक्य है-आत्मनः प्रतिकूलानि परेशां न समाचरेत. यानी जो आपको अच्छा न लगे, उसका उपयोग दूसरों के लिए न करें. समय बदल गया है. नेता खुद को समय के हिसाब से ढाल लें, तो बेहतर, वरना समय उन्हें इतिहास के कूड़ेदान में डाल देगा.

कोयलांचल में हर पखवारे...

कोयलांचल में महीनावार फायरिंग की घटनाएं

9 जनवरी–तिसरा थाना के निकट सिंह मेंशन समर्थक अविनाश सिंह पर फायरिंग

18 जनवरी–झरिया सिंह नगर में निरंजन तांती की गोली मारकर हत्या

22 जनवरी–कतरास के कैलूडीह में कोयला कारोबारी मनोज यादव की गोली मारकर हत्या

2 फरवरी–पीके रॉय कॉलेज के गेट पर रिकवरी एजेंट उपेंद्र सिंह की गोली मारकर हत्या

14 मार्च–गोविंदपुर में कोयला कारोबारी बंटी चौधरी के घर पर फायरिंग

13 अप्रैल–बरवाअड्डा में जमीन कारोबारी राज कुमार साव की गोलीमार कर हत्या

3 मई–वासेपुर में फहीम खान के बेटा इकबाल समेत दो पर फायरिंग, ढोलू की मौत

24 मई–वासेपुर में अनवर पर फायरिंग

2 जून– तोपचांची के शान-ए-पंजाब और माही होटल में बम से हमला

7 जून– धैया में मोटर पार्टस कारोबारी संजीव ठाकुर पर फायरिंग

14 जून–झरिया के चासनाला में कोल ट्रांसपोर्टर प्रवीण राय की गोली मारकर हत्या

27 जून–वासेपुर में मछली कारोबारी रसीद महाजन के घर पर फायरिंग

29 जून– वासेपुर निवासी पुराना बाजार अप्सरा ड्रेसेज के मालिक सलीम के घर फायरिंग

10 जुलाई–गोविंदपुर में बिहारीलाल चौधरी की ज्वेलर्स दुकान पर फायरिंग

ससुराल में विवाहिता की संदिग्ध स्थिति में मौत, शव बालू में गाड़ा

संवाददाता। गोड्डा

प्रेम विवाह के चार साल बाद प्रियंका कुमारी की ससुराल में संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई. घटना हनवारा थाना क्षेत्र के ग्राम विश्वसखानी की है. प्रियंका की शादी विशसखानी गांव के अजीत कुमार के साथ हुई थी. मृतका के भाई ने बहन की हत्या का आरोप उसके पति, देवर व ससुर पर लगाया है. कहा कि हत्या के बाद शव को नदी के बालू में गाड़ दिया गया. भाई ने बताया कि प्रियंका की शादी के कुछ दिनों तक सब ठीक ठाक रहा. बाद में ससुराल में दहेज के लिए उसे परेशान किया जाने लगा. पति उसे अक्सर प्रताड़ित करता था. कुछ दिन पहले उसकी बहन मायके आई थी. बाद में उसे समझा-बुझकर वापस भेज दिया गया था. घटना की सुबह सूचना मिली कि बहन की मौत हो गई है. जब वह बगल के गांव नरोत्तमपुर से बिशसखानी गांव स्थित बहन की ससुराल गया, तो घर पर कोई नहीं था. पता चला कि चुपचाप शव को नदी ले जाकर बालू में दबा दिया गया है. मेरे आने के बाद शव को निकाल कर घर लाया गया.। सूचना मिलने पर हनवारा थाना पुलिस ने पहुंचकर जांच-पड़ताल की. फिलहाल किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है.

शुरू हुआ अपराध के खिलाफ सत्याग्रह

संवाददाता। धनबाद

धनबाद में लगातार बढते आपराधिक घटनाओं व व्यवसायियों से रंगदारी मांगे जाने के विरोध में समाजसेवी कृष्णा अग्रवाल का अनिश्चितकालीन सत्याग्रह गांधी सेवा सदन में महात्मा गांधी के प्रतिमा के समक्ष गुरुवार से शुरू हो गया. उनके इस सत्याग्रह आंदोलन को आप पार्टी, भारतीय जनतंत्र मोर्चा, धनबाद जिला चैम्बर, मारवाड़ी सम्मेलन, मारवाड़ी यूथ ब्रिगेड, झारखण्ड पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन सहित कई संगठनों ने समर्थन दिया है.अनिश्चितकालीन सत्याग्रह पर बैठे कृष्णा अग्रवाल ने कहा कि धनबाद के व्यवसायियों से लगातार रंगदारी मांगी जा रही है. उनपर हमले हो रहे हैं. धमकी और गोलीबारी की जा रही है .व्यापारी आज दहशत में हैं. कई व्यापारियों ने अपनी दुकानों को अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया है. उन्होंने कहा कि मेरी मांग है कि धनबाद अपराध मुक्त हो, व्यापारियों को सुरक्षा मिले, भयमुक्त वातावरण में व्यापारी अपना व्यवसाय कर सके. उन्होंने कहा कि धनबाद में अपराधियों का मनोबल काफी बढा हुआ है और पूरे धनबाद जिले में विधि वयवस्था गिर चुकी है। सैंकड़ों व्यापारियों से आए दिन फोन कर रंगदारी की मांग की जा रही है और नहीं देने पर उनके ऊपर गोली चला दी जा रही है. जिन अपराधियों को बिल में होना चाहिए, वह सीना तान कर बाहर घूम रहे हैं, वहीं व्यपारी वर्ग के लोग बिल में दुबक कर रहने को मजबूर हैं.

आज समर्थन देने पहुंच सकते हैं सरयू राय

भारतीय जनतंत्र मोर्चा के संस्थापक व प्रमुख सरयू राय शुक्रवार को धनबाद आ सकते हैं. गांधी सेवा सदन में हो रहे सत्याग्रह को वे समर्थन देने पहुंचेंगे. धनबाद की गिरती विधि व्यवस्था से वाकिफ सरयू राय पहले भी मोर्चा संभाल चुके हैं. एके बार फिर उनके धनबाद आगमन से सत्याग्रह को बल मिलेगा.

पत्नी से विवाद के बाद नाबालिग ने की खुदकुशी

पलामू । डालटनगंज शहर थाना क्षेत्र के सुदना रेलवे क्रॉसिंग के समीप पत्नी से विवाद के बाद एक 16 वर्षीय नाबालिग किशोर ने फंदे पर लटक कर खुदकुशी कर ली. किशोर की पहचान अमन कुमार के रूप में हुई है. अमन चक मनातू का मूल निवासी था. पिछले सात वर्ष से सुदना रेलवे क्रॉसिंग के समीप किराया के मकान में रह रहा था. कुछ दिन पहले अमन ने फेसबुक से दोस्ती करके एक युवती से शादी भी की थी. अमन के भाई ने गुरुवार को एमएमसीएच में कहा कि तीन दिन पहले पति-पत्नी में विवाद हुआ था. अमन की पत्नी ने कुछ लोगों को बुलाकर उसकी पिटाई करवाई थी और घर छोड़कर चली गयी थी. इसी बीच बुधवार की देर शाम अमन ने किराये के मकान में फांसी लगा ली. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर शव को फंदे से उतारकर बाहर निकाला. गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम एमएमसीएच में किया गया.

जादूगर गोगिया सरकार का जादुई प्रदर्शन आज से

संवाददाता ।सिमडेगा

असंभव को संभव कर दर्शकों को विमोहित करने में कुशल अनेकों भारतीय जादू अवार्ड के विजेता जादूगर गोगिया सरकार अपने पच्चीस सहयोगियों के साथ सिमडेगा में 01 दिसंबर संध्या 6:15 बजे से इनका विश्व प्रसिद्ध जादूई प्रदर्शन नगर भवन में आम लोगों के मनोरंजन के लिए आरम्भ होगा. अपने शो में जादूगर गोगिया सरकार उन नये-नये खेलों का प्रदर्शन करेंगे, जिन्हें अभी तक कहीं न देखा गया है और न सुना गया है.

जादू के क्षेत्र में मील का पत्थर बने जादूगर गोगिया सरकार भारतीय जादू को विदेशी जादू की तुलना में सर्वोत्तम मानते हैं. भारतीय जादूगर पलक झपकते कबूतर मंगा सकता है और गायब कर सकता है.

एक विज्ञान है सम्मोहन : गोगिया

जादूगर गोगिया सरकार कहते हैं, म्मोहन एक ऐसा विज्ञान है जिसके द्वारा किसी भी व्यक्ति की मानसिक स्थिति को इस प्रकार परिवर्तित कर दिया जाता है कि वह सम्मोहन के सुझावों के अनुसार काम करने लगता है. सम्मोहन शक्ति का प्रयोग लोग प्राचीन काल से ही करते आ रहे हैं. पहले लोग इसे रहस्य जादू या चमत्कार दिखाने के लिए प्रयोग मे लाते थे लेकिन आज इसका अध्ययन वैज्ञानिक ढंग से किया जाने लगा है इसकी शुरूआत वियेना के एक डाक्टर फ्रेंज ए मेस्मर ने की थी. उन दिनों डा0 मेस्मर के नाम पर सम्मोहन को मेस्मेरिज्म कहा जाता था.

आदिवासी युवक की गला रेतकर हत्या

बेरमो। गोमिया प्रखंड अंतर्गत महुआटांड थाना के टीकाहारा और चटनिया टोला के बीच गुरुवार को सडक़ से लगभग 500 मीटर दूर जंगल मे एक युवक का शव मिला. ग्रामीणों ने शव का शिनाख्त टीकाहारा पंचायत के बुटगोड़वा निवासी रामेश्वर मांझी का 20 वर्षीय पुत्र सागेन सोरेन के रूप में की है. ग्रामीणों के अनुसार, युवक की हत्या गर्दन रेत व पत्थर से कूच कर की गई है. महुआटांड थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस तहकीकात में जुटी है. घटना के संबंध में बताया जाता है कि सागेन सोरेन सुबह में शौच के लिए घर से निकला था. इसके बाद नहीं लौटा. घर वालों ने अनुमान लगाया कि कहीं काम करने गया होगा. लेकिन जब शाम तक वह नहीं लौटा, तब उसकी खोजबीन शुरू की गई. उसका छोटा भाई घर से पांच मीटर की दूरी पर नाला की ओर खोजने गया, तो लहू-लुहान शव पड़ा मिला.

राष्ट्रीय ट्रैक साइकिलिंग देशभर के 600 से अधिक साइकिल राइडर ले रहे हैं भाग

पहले दिन रेलवे व सर्विसेज के खिलाड़ियों का दबदबा

खेल संवाददाता ।रांची

राष्ट्रीय टूर्नामेंट

- खेलगांव में हुआ प्रतियोगिता का शुभारंभ
- 86 स्वर्ण पदक के लिए भिड़ेंगे देशभर के खिलाड़ी

भारतीय साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया एवं झारखंड साइकलिंग संघ के संयुक्त तत्वावधान में रांची के खेलगांव स्थित सिदो कान्हु वेलोड्रम स्टेडियम में 75वी सीनियर महिला एवं पुरुष ,52 वी जूनियर व 38 वां सब जूनियर बालक एवं बालिका राष्ट्रीय ट्रैक साइकिलिंग चैंपियनशिप का विधिवत शुभारंभ हुआ. प्रतियोगिता का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि सांसद विजय हांसदा एवं विशिष्ट अतिथि साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के सेक्रेटरी जनरल सरदार मनिंदर सिंह पाल, नीरज तंवर सुदीश कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया. इस प्रतियोगिता में देश भर के लगभग 600 साइकिल राइडर जिसमें 330 पुरुष व 230 महिला खिलाड़ी 86-86 स्वर्ण ,रजत और कांस्य पदक के लिए स्पर्धा कर रहे है. पहले दिन 4000 मीटर टीम पर्सूट के सीनियर वर्ग में रेलवे और सर्विसेस के खिलाड़ियों का दबदबा रहा. उद्घाटन समारोह में जेएसएसपीएस की बालक बालिका टीम द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई.

झारखंड में प्रतियोगिता का होना गर्व की बातः विजय हांसदा

सांसद विजय हांसदा ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस राष्ट्रीय ट्रेक साइकलिंग प्रतियोगिता का आयोजन झारखंड में होना गर्व की बात है. भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का भी आयोजन झारखंड में किया जाएगा. आयोजन सचिव शैलेंद्र कुमार पाठक ने आयोजन हेतु सभी तकनीकी पदाधिकारीयों, खिलाड़ियों एवं सभी सहयोगकर्ता को धन्यवाद दिया. उक्त कार्यक्रम में मुख्य रूप से अम्लान कुसुम सिन्हा, चंदन तिवारी, एसके पांडे, केके सिंह मौजूद रहे. कार्यक्रम को सफल बनाने में

झारखंड साइकलिंग संघ के उपाध्यक्ष सुजीत कुमार, कोषाध्यक्ष रणवीर सिंह, दिवाकर सिंह, राजेश कुमार यादव, दिलीप गुप्ता, जीतेंद्र महतो, सलिल कुमार, चंद्र बहादुर सिंह, राजकुमार मेहता,सोमित्रों बोराल, सतविंदर कौर, अनीता कुमारी, मो. दानिश, प्रदीप रजक, आदि का योगदान रहा.

बीबीएमकेयू शिक्षक संघ का चुनाव 20 दिसंबर को

संवाददाता। धनबाद

बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय (बीबीएमकेयू) शिक्षक संघ का चुनाव 20 दिसंबर को होगा. यह निर्णय चुनाव को लेकर बनाए गए सात सदस्यीय चुनाव कमेटी ने विश्वविद्यालय के नए कैंपस में बैठक के बाद ली. जानकारी देते हुए चुनाव कमेटी के कोऑर्डिनेटर डॉ कृष्ण मुरारी सिंह ने कहा कि नॉमिनेशन चार से सात दिसंबर के बीच किया जा सकता है. 8 दिसंबर को नाम वापसी की तिथि निर्धारित की गई है. 9 दिसंबर को प्रत्याशियों का नाम घोषित कर दिया जाएगा. जबकि 20 दिसंबर को चुनाव कराया जाएगा. चुनाव का परिणाम भी 20 दिसंबर की शाम तक आ जायेगा.केएम सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय कैंपस में ही तीन पोलिंग बूथ बनाए जाएंगे

- ग्रुप में शीर्ष पर रहते हुए अगले दौर में पहुंचा आर्सनल
- अंतिम 16 के लिए 12 टीमों ने अपना स्थान पक्का किया

चैंपियंस लीग : लेंस को हराकर अंतिम 16 में पहुंचा आर्सनल

6-0 से जीता आर्सनल

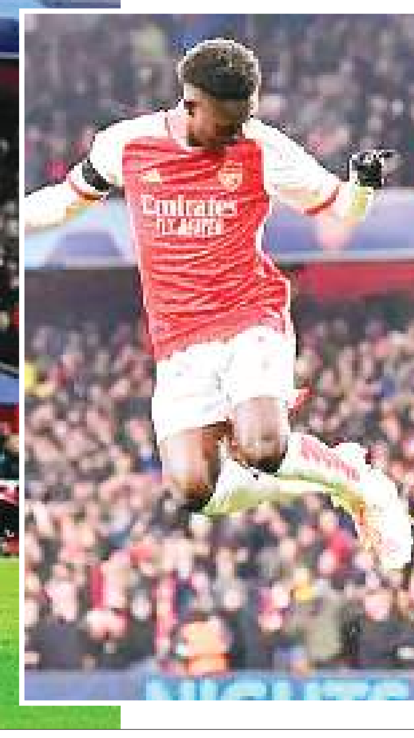

भाषा। जिनेवा

आर्सनल ने लेंस को 6-0 से हराकर ग्रुप में शीर्ष रहते हुए चैंपियंस लीग फुटबॉल के अगले दौर में प्रवेश कर लिया जबकि मैनचेस्टर युनाइटेड आखिरी स्थान पर रहा. दूसरे स्थान पर काबिज पीएसवी इंडोवेन भी ग्रुप बी से अंतिम 16 में पहुंच गई. पीएसवी ने सेविला को 3-2 से हराया. अब 16 दिसंबर से शुरू होने वाले अंतिम 16 मुकाबलों के लिये 12 टीमों की पुष्टि हो चुकी है. मैनचेस्टर युनाइटेड बाहर होने की कगार पर है. मैनचेस्टर युनाइटेड ने गालाटासारे से 3-3 से ड्रॉ खेला. उसे इससे पहले बायर्न म्युनिख और कोपेनहेगन ने हराया था. ग्रुप सी में रीयाल मैड्रिड ने नपोली को 4-2 से मात दी. बायर्न ने कोपेनहेगन से और रीयाल सोशिदाद ने साल्जबर्ग से गोलरहित ड्रॉ खेला. इंटर मिलान ने ग्रुप डी में बेनफिका से 3-3 से ड्रॉ खेला.

टी-20 शृंखला : भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथा मुकाबला आज

शृंखला जीतने पर भारत की नजरें

भाषा। रायपुर

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुक्रवार को यहां चौथे टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में उतरेगी तो ग्लेन मैक्सवेल की गैर मौजूदगी का फायदा उठाते हुए युवा गेंदबाज डैथ ओवरों में बेहतर प्रदर्शन की कोशिश करेंगे. तीसरे मैच में भारत के दूसरे दर्जे के गेंदबाज आखिरी दो ओवरों में 43 रन बनाने से भी ऑस्ट्रेलिया को रोक नहीं सके. ऑस्ट्रेलिया ने 223 रन का विशाल लक्ष्य हासिल करके मैच जीता. प्रसिद्ध कृष्णा ने चार ओवरों में 68 और आखिरी ओवर में 21 रन दे डाले. दीपक चाहर की टीम में वापसी हुई है और वह नयी गेंद से उपयोगी साबित हो सकते हैं. वहीं एक मैच के ब्रेक के बाद डैथ ओवरों के विशेषज्ञ मुकेश कुमार भी टीम में लौटे हैं. प्रसिद्ध और आवेश खान के पास विविधता और नयेपन का अभाव दिखा. दोनों ने 130 या 140 की रफ्तार से गेंदबाजी की लेकिन गेंद की लैंग्थ में विविधता नहीं ला सके जिससे बल्लेबाज के लिये उसे भांपना आसान हो गया. दोनों प्रभावी यॉर्कर डालने में भी नाकाम रहे. बल्लेबाजी में श्रेयस अय्यर की वापसी के मायने हैं कि तिलक वर्मा को बाहर रहना पड़ सकता है.

भारत को युवा गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

मैच में ओस की रहेगी भूमिका

गुवाहाटी की तरह यहां भी ओस की भूमिका अहम होगी और टॉस जीतने वाला कप्तान लक्ष्य का पीछा करना चाहेगा. इससे पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को दूसरी पारी में गीली गेंद से जूझना होगा. भारत के युवा बल्लेबाजों यशस्वी, ईशान किशन, रिंकू सिंह, तिलक वर्मा और खुद कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जरूरत के समय अच्छी पारियां खेली हैं. रूतुराज गायकवाड़ ने तीसरे मैच में 57 गेंद में 123 रन बनाये थे.

टीमें

भारत
सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, इशान किशन, यशस्वी जयसवाल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, आवेश खान, मुकेश कुमार.

ऑस्ट्रेलिया
मैथ्यू वेड (कप्तान), आरोन हार्डी, जेसन बेहरेनडोर्फ, सीन एबट, टिम डेविड, नाथन एलिस, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, तनवीर संघा, मैट शॉर्ट, जोश फिलीप, केन रिचर्डसन, बेन ड्वारशुइस, क्रिस ग्रीन, बेन मैकडरमोट.

स्मिथ व जम्पा स्वदेश लौटे

स्टीव स्मिथ और एडम जम्पा भी स्वदेश लौट चुके हैं, क्योंकि वे विश्व कप टीम में भी थे और भारत में प्रवास काफी लंबा हो गया था. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने टी-20 विश्व कप से पहले कार्यभार प्रबंधन और फिटनेस को ध्यान में रखते हुए अपने कई शीर्ष खिलाड़ियों को इस शृंखला से आराम दे दिया है. अब भारतीय गेंदबाजों के सामने टिम डेविड, जोश फिलीप और बेन मैकडरमोट की चुनौती होगी, जो पिछले पांच –छह सप्ताह में सीमित ओवरों के क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं. इनके अलावा विश्व कप फाइनल में यादगार पारी खेलने वाले ट्रेविस हेड और अनुभवी कप्तान मैथ्यू वेड भी टीम में हैं.

मैच में हेराफेरी के लिये खिलाड़ियों से संपर्क किया गया : एआईएफएफ

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने गुरुवार को कहा कि कई आई लीग खिलाड़ियों से हाल ही में मैचों में हेराफेरी के लिये संपर्क किया गया. एआईएफएफ ने मामले की जांच का वादा किया है. एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने यह नहीं बताया कि उन्हें यह सूचना कैसे मिली, किन खिलाड़ियों से और किसने संपर्क किया लेकिन कहा कि महासंघ खेल में नैतिकता बनाये रखने के लिये प्रतिबद्ध है. उन्होंने एक बयान में कहा कि हमें सूचना मिली है कि खिलाड़ियों से संपर्क किया गया. हम मामले की जांच करेंगे और जरूरी कदम उठायेंगे. उन्होंने कहा कि हम इस खूबसूरत खेल और अपने खिलाड़ियों की रक्षा के लिये प्रतिबद्ध हैं. इस तरह का कोई प्रयास बर्दाश्त नहीं किया जायेगा जिससे खिलाड़ियों या खेल को खतरा हो. आईलीग 2023 सत्र अक्टूबर में शुरू हुआ और 13 टीमों की स्पर्धा में 40 से अधिक मैच हो चुके हैं. चौबे ने कहा कि हम अपनी क्षमताओं को भी मजबूत करेंगे ताकि ऐसे खतरों का सामना करने के साथ अपने खिलाड़ियों और अधिकारियों को भी जागरूक किया जा सके. सूत्रों ने बताया कि जिन खिलाड़ियों से संपर्क किया गया, वे चार क्लबों के हैं. सूत्र ने कहा कि मिली जानकारी चार क्लबों के खिलाड़ियों के संबंध में है.

आओ जानें

टी-20 की एक पारी में सर्वाधिक गेंद खेलने वाले खिलाड़ी

खिलाड़ी	खेली गई गेंदें	रन	साल
एरोन फिंच	79	131	2018
मार्कस स्टोइनिस	79	147	2020
ब्रेंडन टेलर	78	140	2021
जुबैर अहमद	77	111	2014
मिस्बाह-उल-हक़	76	107	2006
कैलम मैकलियोड	76	104	2012
रस्सी वैन डेर डूसन	76	112	2013
एरोन फिंच	76	172	2018
पॉल स्टर्लिंग	75	115	2021
ब्रेंडन मैकुलम	73	158	2008

वेंचर स्किल क्रिकेट टूर्नामेंट

अंडर-16

गुरु गोविंद सिंह बनाम शारदा ग्लोबल

गुरु गोविंद सिंह स्कोर 315/10(32.3)

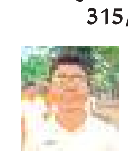

- अमन कुमार - 142
- रौनक मिश्रा- 40
- इशित तिवारी - 61-3(7)
- ऋषभ कुमार - 55-3(4)
- शारदा ग्लोबल स्कोर - 187/10(33.3)
- इशित तिवारी 76
- अतुल्य श्री 39
- आदित्य राज चौधरी - 21-4(6)
- अभिषेक कुमार - 22-2(6)
- गुरु गोविंद सिंह स्कूल 128 रन से जीता

टेंडर हार्ट बनाम सरला बिड़ला स्कूल

टेंडर हार्ट- 260/8 (30 ओवर)

- आकाश कुमार 116
- कृष्ण 38
- अविराज 24
- अक्षत 38/2
- कुमार श्रेष्ठ 45/2

सरला बिड़ला स्कूल- 105/10 (22.5 ओवर)

- अक्षत 31
- आर्य 16
- अविराज 11/4
- आकाश कुमार 19/2
- टेंडर हार्ट 155 रनों से जीता

अंडर-14

विवेकानन्द बनाम ओडीएम सफायर

- विवेकानन्द- 30 ओवर में 421/3

- प्रिंस कुमार- 303
- विक्की - 22
- **गेंदबाज -**
- सूरज- 55/1
- ऋत्विक- 44/1
- ओडीएम सैफेयर - 10.4 ओवर में 41/10
- नैतिक-4
- सूरज-3
- **गेंदबाज -**
- अनिकेत- 15/3
- अनु कृष - 4/2
- 380 रनों से जीता विवेकानन्द

साई धुर्वा बी बनाम एसएसवीएम

साई धुरवा (बी) कुल स्कोर- 207/8, 32 ओवर

- अरमान-54, आयुष कुमार-47, आयुष-16

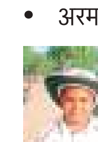

- संस्कार-3/32, नैतिक-2/43, यश-2/30
- एसएसवीएम कुल स्कोर- 176/10/28.1
- नैतिक-50, अमन-32, नीरज-12, ओम-12,
- वीर-3/44, अनुराग 2/30, प्रतीक-2/20
- साई धुरवा (बी) ने 31 रन से मैच जीत लिया

वालेंशिया में हॉकी टूर्नामेंट : पांच देशों की टीमें हिस्सा लेंगी

भारत की कप्तानी करेंगे हरमनप्रीत

भाषा। नई दिल्ली

अनुभवी ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह 15 से 22 दिसंबर तक स्पेन के वालेंशिया में होने वाले पांच देशों के टूर्नामेंट में भारत की 24 सदस्यीय टीम की अगुवाई करेंगे. टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों को शामिल किया गया है. सुमित और अमित रोहिदास उपकप्तान होंगे. यह टूर्नामेंट 2023-24 हॉकी प्रो लीग सत्र की तैयारी के लिये अहम होगा. इसमें भारत का सामना स्पेन, जर्मनी, फ्रांस और बेल्जियम से होगा. गोलकीपिंग में पी आर श्रीजेश और कृशन बी पाठक के साथ सूरज करकेरा भी होंगे. डिफेंस की कमान

हरमनप्रीत, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, रोहिदास, वरूण कुमार, सुमित, संजय और नीलम संजीप सेस के हाथ में होगी. मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा कि इस टूर्नामेंट से युवाओं को दुनिया की शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलने का दबाव अनुभव करने का मौका मिलेगा. उन्होंने एक विज्ञप्ति में कहा कि हमारे पास युवा और अनुभवी खिलाड़ियों सहित संतुलित टीम है. टूर्नामेंट में हमें विभिन्न चीजें आजमाने का मौका मिलेगा. इसके साथ ही युवा खिलाड़ियों को दुनिया की श्रेष्ठ टीमों के खिलाफ खेलने का दबाव अनुभव करने का मौका भी मिलेगा. उन्होंने कहा कि पेरिस ओलंपिक 2024 से पहले अगले चार महीने काफी अहम हैं और हमें कदम दर कदम आगे बढना होगा.

भारतीय टीम
गोलकीपर : पीआर श्रीजेश, कृशन बहादुर पाठक, सूरज करकेरा
डिफेंडर : हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, अमित रोहिदास, वरूण कुमार, सुमित, संजय और नीलम संजीप सेस
मिडफील्डर : यशदीप सिवाच, विवेक सागर प्रसाद, नीलाकांता शर्मा, राजकुमार पाल, शमशेर सिंह, रविचंद्र सिंह मोइरांगथम
फॉरवर्ड : मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, कार्ति सेल्वम, दिलप्रीत सिंह, आकाशदीप सिंह.

युगांडा ने टी-20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया

विंडहोक (नामीबिया)

युगांडा ने गुरुवार को यहां रवांडा को नौ विकेट से हराकर अगले साल वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया. युगांडा मौजूदा अफ्रीकी क्वालीफायर के जरिए मुख्य टूर्नामेंट में जगह बनाने वाली नामीबिया के बाद दूसरी टीम है. अफ्रीका क्वालीफायर के क्षेत्रीय फाइनल में युगांडा ने रवांडा को हराकर शीर्ष दो में जगह सुनिश्चित की. युगांडा की यह छह मैच में पांचवीं जीत है. रवांडा की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 18.5 ओवर में सिर्फ 65 रन पर सिमट गई. युगांडा ने इसके जवाब में सिर्फ 8.1 ओर में एक विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया. युगांडा इस तरह टी-20 विश्व कप में खेलने वाला पांचवां अफ्रीकी देश बनेगा. वहीं जिम्बाब्वे मुख्य टूर्नामेंट में जगह बनाने में नाकाम रहा.

विश्व कप में क्वालीफाई करनेवाली टीमें
अमेरिका, वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, पपुआ न्यू गिनी, कनाडा, नेपाल, ओमान, नामीबिया और युगांडा.

हॉकी : एफआईएच महिला जूनियर विश्व कप में भारतीय टीम ने की शानदार शुरुआत

भारत ने कनाडा को एकतरफा मुकाबले में हराया

भाषा। सैंटियागो

भारतीय टीम ने एफआईएच महिला जूनियर हॉकी विश्व कप में कनाडा को 12-0 से हराकर शानदार शुरूआत की. भारत के लिये मुमताज खान ने चार (26वां, 41वां, 54वां और 60वां), अन्नु (चौथा, छठा, 39वां मिनट) और दीपिका सोरेंग (34वां, 50वां और 54वां) ने तीन तीन गोल किये. डिप्पी मोनिका टोप्पो ने 21वें मिनट में और नीलम ने 45वें मिनट में गोल दागे. भारत ने आक्रामक शुरूआत की और जल्दी ही अन्नु ने पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल दागकर बढत दिला दी. दो गोल करने के बावजूद भारत ने आक्रामक खेल जारी रखा और पहले क्वार्टर तक बढत 2-0 की बनी रही.

दूसरे क्वार्टर में भी भारत का दबदबा : दूसरे क्वार्टर में भी भारत का दबदबा रहा. डिप्पी और मुमताज ने इसका फायदा उठाकर एक एक फील्ड गोल दाग दिया. इस बीच कनाडा को मिला पेनल्टी कॉर्नर बेकार गया. हाफटाइम तक भारत के पास चार गोल की बढत थी. दूसरे हाफ में दीपिका ने पेनल्टी कॉर्नर तब्दील किया जिसके बाद अन्नु ने भी हैट्रिक पूरी की. वहीं नीलम ने पेनल्टी को गोल में बदलकर भारत की बढत 8-0 की कर दी. आखिरी क्वार्टर में दीपिका और मुमताज ने गोल दागे. भारत का अगला मुकाबला शुक्रवार को जर्मनी से होगा.

खास बातें
- 12-0 से भारतीय टीम ने कनाडा को पराजित किया
- भारत की मुमताज खान ने टीम के लिए चार गोल दागे
- अन्नु व दीपिका सोरेंग ने भी दागे तीन-तीन गोल

क्रिकेटर बेन स्ट्रोक्स ने कराई पैर की सर्जरी

लंदन। अगले साल जनवरी में भारत में होने वाली टेस्ट शृंखला के लिये फिट रहने की कवायद में इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने अपने बायें पैर की सर्जरी कराई है. 32 वर्ष के स्टोक्स इस साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले तीन एशेज टेस्ट में गेंदबाजी नहीं कर सके थे और विश्व कप में भी बतौर बल्लेबाज ही खेले थे. उन्होंने इस महीने की शुरूआत में कहा था कि वह विश्व कप के बाद आपरेशन करायेंगे. स्टोक्स ने लंदन के क्रोमवेल हॉस्पिटल के बाहर बैसाखियों के सहारे खड़े अपनी तस्वीर सोशल मीडिया पर डालते हुए लिखा कि रिहैब शुरू. भारत में पांच टेस्ट मैचों की शृंखला 25 जनवरी को हैदराबाद में शुरू होगी. इससे पहले इंग्लैंड टीम यूएई में दो सप्ताह अभ्यास शिविर में भाग लेगी. स्टोक्स ने पिछले सप्ताह कहा था कि वह 2024 आईपीएल नहीं खेलेंगे.

एसएससीबी राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप

पंघाल और संजीत सेफा. में

भाषा। शिलांग

विश्व चैंपियनशिप के उपविजेता अमित पंघाल (51 किलो) और 2021 एशियाई चैंपियन संजीत (92 किलो) ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और एसएससीबी के 12 मुक्केबाजों ने पुरूषों की राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया. छह बार के एशियाई चैंपियनशिप पदक विजेता शिवा थापा भी अंतिम चार में पहुंच गए. उन्होंने दिल्ली के शशांक प्रधान को 5-0 से हराया और अब उनका सामना महाराष्ट्र के हरिवंश तिवारी से होगा. पंघाल ने जम्मू कश्मीर के मोहम्मद आरिफ को सर्वसम्मति से लिये गए फैसले पर हराया. अब उनका सामना आरएसपीबी के अंकित से होगा. संजीत ने 2018 राष्ट्रमंडल खेलों

के कांस्य पदक विजेता आरएसपीबी के नमन तंवर को 92 किलोवर्ग के क्वार्टर फाइनल में हराया. अब उनका सामना अखिल भारतीय पुलिस के विकी से होगा. एसएससीबी के बरूण सिंह (48 किलो), पवन (54 किलो), सचिन (57 किलो), आकाश (60 किलो), वंशज (63.5 किलो), रजत (67 किलो), आकाश (71 किलो), दीपक (75 किलो), लक्ष्य (80 किलो) और जुगनू (86 किलो) ने भी सेमीफाइनल में जगह बनाई.

ब्रीफ खबरें

एक परिवार ने मंदिर में चांदी का छत्र दान दिया

ऊना। हिमाचल प्रदेश के ऊना में स्थित मां चिंतापूर्णी मंदिर में दिल्ली के एक निवासी ने 30 किलोग्राम चांदी से बना 'छत्र' दान किया. ट्रस्ट के मुताबिक, दिल्ली के दविंदर भल्ला नामक व्यक्ति ने कहा कि उन्होंने इससे पहले कांगड़ा जिले में माता ज्वाला जी मंदिर में भी ऐसा ही छत्र चढ़ाया था.भल्ला का परिवार राष्ट्रीय राजधानी के जवाहर पार्क इलाके में रहता है. पुजारियों ने कहा कि वे छत्र को स्थापित करने के लिए उचित स्थान की तलाश कर रहे हैं. शक्तिपीठ चिंतपूर्णी मंदिर में पूरे साल देश भर के श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है.

100 ग्राम मादक पदार्थ के साथ दो गिरफ्तार

हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर में बड़सर इलाके से एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके पास से 100 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद किया गया. हमीरपुर की पुलिस अधीक्षक आकृति शर्मा ने कहा कि पुलिस की एक टीम ने बुधवार को छापेमारी कर चकदोआ गांव के निवासी राजीव कुमार को गिरफ्तार किया. अधिकारी के मुताबिक, पूछताछ के दौरान कुमार ने पुलिस को बताया कि मादक पदार्थ भोटा निवासी शिव कुमार भाटिया का है. उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस ने बाद में शिव कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया. शर्मा ने कहा कि दोनों आरोपियों के खिलाफ जांच जारी है.

बाघ की खाल के साथ दो लोग गिरफ्तार

गढ़चिरौली। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में दो व्यक्तियों के पास से एक बाघ की खाल जब्त की गई. वन अधिकारियों ने बताया कि बाघ की खाल की तस्करी की संभावना को लेकर एक गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर गढ़चिरौली और पड़ोसी छत्तीसगढ़ के वन प्रभागों के दलों ने बुधवार को सुबह एक संयुक्त अभियान चलाया. भामरागढ़ के सहायक वन संरक्षक अशोक पवार द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि उन्होंने यहां एट्टापल्ली-जीवनगट्टा रोड पर दो व्यक्तियों के पास से बाघ की खाल जब्त की.

जम्मू में बर्फबारी के कारण मुगल रोड बंद

जम्मू। कश्मीर घाटी के ऊंचाई वाले इलाकों में हुई ताजा बर्फबारी के बाद सोपियां को पुंछ से जोड़ने वाले मुगल रोड को वाहनों की आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया है. अधिकारियों ने बताया कि कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी तथा मैदानी इलाकों में बारिश के बाद घाटी में तीन सप्ताह का शुष्क दौर गुरुवार को समाप्त हो गया. जम्मू क्षेत्र के विभिन्न जिलों की अधिकतर पहाड़ियों पर भी ताजा बर्फबारी हुई. अधिकारियों ने कहा कि पोशाना और पीर की गली इलाके के बीच ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बर्फबारी के कारण मुगल रोड अवरुद्ध हो गया है.

जापान का 'ऑस्प्रे' उड़ान निलंबित करने पर विचार

तोक्यो। जापान में अमेरिकी वायु सेना के 'ऑस्प्रे' विमान के एक प्रशिक्षण अभियान के दौरान दक्षिणी तट के पास समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद जापान अपनी 'ऑस्प्रे' उड़ानों को निलंबित करने पर विचार कर रहा है. तोक्यो ने अमेरिकी सेना से दुर्घटना के पीड़ितों की तलाश करने वाल विमानों को छोड़कर जापान में संचालित होने वाली सभी 'ऑस्प्रे' विमानों के परिचालन रोकने के लिए भी कहा है. जापान के रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने संसद में सुनवाई के दौरान कहा कि जापान कुछ समय के लिए 'ऑस्प्रे' उड़ानें निलंबित करने की योजना बना रहा है.

पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री हेनरी किसिंजर का निधन

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री हेनरी किसिंजर का बुधवार को निधन हो गया. वह 100 वर्ष के थे. किसिंजर की परामर्श कंपनी 'किसिंजर एसोसिएट्स' ने यह जानकारी दी. किसिंजर ने अमेरिका के दो राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन और गेराल्ड फोर्ड के कार्यकाल में अपनी सेवाएं दी थीं. 1969 में तत्कालीन राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नियुक्त किया. यह एक ऐसा पद था जिससे उनकी अमेरिकी विदेश नीति पर गहरी पकड़ बनी. उन्होंने वियतनाम युद्ध को खत्म कराने तथा चीन-अमेरिका के बीच संबंध सुधारने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी.

मुंबई में फिल्म सैम बहादुर की स्क्रीनिंग पर निर्माता करण जौहर व सिद्धार्थ रॉय कपूर के साथ अभिनेता विक्की कौशल, कैटरीना कैफ, विद्या बालन और राधिका मदान. - फोटो : पीटीआई

प्रधानमंत्री ने 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के लाभार्थियों से किया संवाद, कहा-

भारत चार अमृत स्तंभों पर टिका है

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि विकसित भारत का संकल्प चार अमृत स्तंभों पर टिका है. ये अमृत स्तंभ हैं - हमारी नारीशक्ति, हमारी युवा शक्ति, हमारे किसान और हमारे गरीब परिवार. मेरे लिए सबसे बड़ी जाति है- गरीब. मेरे लिए सबसे बड़ी जाति है- युवा. मेरे लिए सबसे बड़ी जाति है- महिलाएं. मेरे लिए सबसे बड़ी जाति है- किसान. उन्होंने कहा कि इन चार जातियों का उत्थान ही भारत को विकसित बनाएगा और अगर इन चारों जातियों का उत्थान हो जाएगा तो इसका मतलब है कि सबका उत्थान हो जाएगा. प्रधानमंत्री ने यह दावा भी किया कि 10 साल तक उनके काम को देखने के बाद लोगों को उनकी सरकार पर अपार विश्वास है. उन्होंने पिछली सरकारों पर खुद को नागरिकों का 'माई-बाप' मानने और वोट बैंक को ध्यान में रखकर काम करने का आरोप भी लगाया. जाति को लेकर प्रधानमंत्री का यह बयान ऐसे समय में आया है जब आगामी लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी दल जाति आधारित जनगणना को मुद्दा बनाने की लगातार कोशिश कर रहे हैं.

प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के लाभार्थियों से संवाद किया और 'प्रधानमंत्री महिला किसान ड्रोन केंद्र' के साथ ही देश में जन औषधि केंद्रों की संख्या 10,000 से बढ़ाकर 25,000 करने की परियोजना की शुरुआत की. उन्होंने झारखंड के देवघर में 10,000वें जन औषधि केंद्र को जनता के लिए समर्पित भी किया.

आप मुझे बस आशीर्वाद दीजिए : पीएम

पीएम ने कहा कि बस, आप मुझे आशीर्वाद दीजिए ताकि मैं इतनी शक्ति से काम करूं कि इन चारों जातियों को सारी समस्याओं से मुक्त कर दूं. यह चारों जातियां जब सशक्त होंगी तो स्वाभाविक रूप से देश की हर जाति सशक्त होगी. जब यह लोग सशक्त होंगे तो पूरा देश सशक्त होगा. इसी सोच पर चलते हुए आज विकसित भारत संकल्प यात्रा गांव-गांव पहुंच रही है. 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' पूरे देश में सरकार की प्रमुख योजनाओं की संपूर्ण पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुरू की गई है ताकि इन योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से सभी लक्षित लाभार्थियों तक पहुंचे.

पीएम उवाच

- स्वरोजगार के नए अवसर देना ही हमारा प्रमुख लक्ष्य
- चार जातियों का उत्थान ही भारत को विकसित बनाएगा

जो सपने दबे पड़े हैं उनको पंख देना है

पीएम ने कहा कि इस देश का कोई भी गरीब चाहे वह जन्म से कुछ भी हो, उसका जीवन स्तर सुधारना और इसी प्रकार युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर देना ही उनका लक्ष्य है. उन्होंने कहा कि कोई भी महिला चाहे उसकी जाति कोई भी हो, मुझे उसे सशक्त करना है. उसके जीवन की मुश्किलें कम करनी है. उनके जो सपने दबे पड़े हैं, उनको पंख देना है तथा संकल्प से भरना है. इस देश का कोई भी किसान चाहे उसकी जाति कुछ भी हो, मुझे उसकी आय बढ़ानी है. उसका सामर्थ्य बढ़ाना है. खेती को आधुनिक बनाना है. मोदी ने कहा कि वह जब तक इन चार जातियों को मुश्किलों से उबार नहीं देते, तब तक वह चैन से नहीं बैठने वाले हैं.

'आप ट्रैक्टर की मालकिन हो गईं', मेरे पास तो एक साइकिल भी नहीं

केंद्र की कई योजनाओं के, ओड़िशा के एक लाभार्थी से संवाद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा 'मोदी की गारंटी' वाली गाड़ी है और गांव-गांव जा रही है. उन्होंने उक्त लाभार्थी से आग्रह किया कि उन्हें अब देश को विकसित बनाने में योगदान का संकल्प लेना चाहिए और इस अभियान में गांव के लोगों को भी जोड़ना चाहिए. जम्मू की महिला लाभार्थी ने जब उन्हें यह बताया कि उन्होंने सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर एक ट्रैक्टर खरीदा है तो मोदी ने उनसे कहा कि मेरे पास तो एक साइकिल भी नहीं है और आप ट्रैक्टर की मालकिन हो गईं.

जहां उम्मीद खत्म, वहीं से मोदी की गारंटी शुरू

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान इस यात्रा को 'मोदी की गारंटी' वाली गाड़ी बताया और कहा कि अब तक यह 12,000 से ज्यादा पंचायतों में पहुंच चुकी है तथा करीब 30 लाख लोग इसका फायदा उठा चुके हैं. उन्होंने कहा कि लोग अब इस विकास रथ को मोदी की गारंटी के कार्ड वाली गाड़ी कहने लगे हैं. आपने इसे मोदी की गारंटी वाली गाड़ी बना दिया है. मुझे यह जानकर अच्छा लगा कि आपको मोदी पर इतना विश्वास है. मैं भी आपको विश्वास दिलाता हूं कि आपको दी हुई सभी गारंटियों को मैं पूरा करूंगा. प्रधानमंत्री ने कहा कि जहां पर दूसरों से उम्मीद खत्म हो जाती है, वहीं से मोदी की गारंटी शुरू हो जाती है.

आओ जानें

2075 में दुनिया में ऐसी होगी इकोनॉमी

(गोल्डमैन का प्रोजेक्शन ट्रिलियन डॉलर में)

चीन	57.0	रूस	6.9
भारत	52.5	फिलीपींस	6.6
अमेरिका	51.5	फ्रांस	6.5
इंडोनेशिया	13.7	बांग्लादेश	6.3
नाइजीरिया	13.5	इथियोपिया	6.2
पाकिस्तान	12.3	सऊदी अरब	6.1
मिस्र	10.4	कनाडा	5.2
ब्राजील	8.7	तुर्की	5.2
जर्मनी	8.1	ऑस्ट्रेलिया	4.3
मेक्सिको	7.6	इटली	3.8
ब्रिटेन	7.6	मलेशिया	3.5
जापान	7.5	दक्षिण कोरिया	3.4

मणिपुर में शांति की एक नए युग की शुरुआत : बीरेन सिंह

भाषा। इंफाल

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा ''यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट'' (यूएनएलएफ) के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने से राज्य में शांति और प्रगति का एक नया दौर शुरू हुआ है. यूएनएलएफ मणिपुर का सबसे पुराना उग्रवादी संगठन है, जिस पर बहुसंख्यक मैतेई समुदाय का प्रभुत्व है. मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच ''एक्स'' पर लिखा कि आज नयी दिल्ली में माननीय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कुशल नेतृत्व में यूएनएलएफ के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर संभव हुआ. उन्होंने कहा कि उनकी सूझबूझ और निरंतर मार्गदर्शन से, मणिपुर में शांति और प्रगति का एक नया युग शुरू हुआ है. राज्य में वृद्धि और विकास का एक नया दौर शुरू हो रहा है, क्योंकि बहुत से लोगों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के प्रति अपना विश्वास जताया है. यूएनएलएफ के प्रतिनिधियों ने नयी दिल्ली में गृह मंत्रालय और मणिपुर सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए. कड़े गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत समूह पर प्रतिबंध के बाद इस महीने की शुरुआत में इसे पांच साल के लिए बढ़ा दिया गया था. शांति समझौते पर हस्ताक्षर के बाद लोगों के एक वर्ग ने इंफाल पूर्व और पश्चिमी जिलों के कई स्थानों पर जश्न मनाया.

राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनेगी: गहलोत

भाषा। नई दिल्ली

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गुरुवार को कहा कि चुनाव बाद सर्वेक्षणों (एग्जिट पोल) में कुछ भी आंकड़े दिखाए जाएं, लेकिन मुझे लगता है कि राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनेगी. उन्होंने कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाताओं से बातचीत में यह दावा भी किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में हारने वाली है. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने केंद्र सरकार पर लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं को नष्ट करने का आरोप लगाया तथा कहा कि आने वाले समय में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के भीतर 'समझदार लोग' विद्रोह करेंगे.

राजस्थान में विधानसभा की 199 सीटों के लिए गत 25 नवंबर को मतदान संपन्न हुआ. तीन दिसंबर को मतगणना होगी. चुनाव नतीजों की संभावना से जुड़े सवाल पर गहलोत ने कहा कि एग्जिट पोल कुछ भी आए, सटोरिये कुछ भी कह दें, मीडिया सर्वेक्षण में कुछ भी कहा जाए, मुझे लगता है कि राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनेगी. उन्होंने यह दावा भी किया कि पांच राज्यों में भाजपा कहीं भी नहीं जीत रही है. उनका कहना था कि इस बार राजस्थान में जनता कांग्रेस की सरकार फिर से बनाएगी. यह पहली सरकार है जिसके खिलाफ सत्ता विरोधी माहौल नहीं है. मुख्यमंत्री के बारे में सबकी एक राय है, यहां तक कि भाजपा का वोटर भी कहेगा कि (मुख्यमंत्री ने) काम करने में कोई कमी नहीं रखी है.

सिल्कयारा सुरंग : श्रमिकों को दिया गया है दो दिनों का आराम

ऑडिट होने तक सुरंग बंद रहेगा

भाषा। उत्तरकाशी

उत्तराखंड के सिल्कयारा सुरंग से 41 श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकाले जाने के एक दिन बाद बुधवार को घटनास्थल पूरी तरह से वीरान नजर आया. बड़े पैमाने पर चलाए गए बचाव अभियान के दौरान बंद किए गए सुरंग के आसपास के रास्तों को बुधवार को खोल दिया गया.

सुरंग पर पुलिसकर्मियों की एक टीम भी तैनात की गई थी. एक पुलिसकर्मी ने कहा कि सुरंग का निर्माण कार्य कुछ दिनों तक बंद रहेगा.

खास बातें

- सुरंग के आसपास के रास्तों को खोल दिया गया है
- हम खुश हैं, सुरक्षित हैं, यह हमारे लिए काफी है

सूत्रों ने बताया कि काम को रोक दिया गया है तथा श्रमिकों को दो दिन का आराम दिया गया है. नाम न छापने की शर्त पर एक श्रमिक ने कहा कि उसे दो दिन तक आराम करने के लिए कहा गया है, जिसके बाद ठेकेदार द्वारा उसे जानकारी दी जाएगी. एक अधिकारी ने कहा कि सुरक्षा ऑडिट होने तक काम बंद रहेगा. बचाव दल के सदस्यों को बुधवार सुबह से ही अपनी मशीनें पैक करते देखा गया. इन मशीनों को बचाव अभियान के दौरान मदद के लिए देश के अलग-अलग हिस्सों से लाया गया था. मशीन से लदे एक ट्रक के चालक ने बताया कि हम खुश हैं कि हमारे भाई सुरक्षित बाहर आ गए हैं. यह काफी है. मंगलवार को श्रमिकों को सुरंग से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया.

रूसी हमले में कई यूक्रेनी परिवार मलबे में दबे

कीव। रूसी मिसाइलों ने पूर्वी यूक्रेन के दोनेत्स्क क्षेत्र में कई आवासीय इमारतों को तबाह कर दिया, जिसमें कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई परिवार मलबे के नीचे दब गए. रूसी बल लंबी दूरी के हथियारों के साथ इस क्षेत्र पर हमला जारी रखे हुए हैं. यूक्रेन के स्थानीय अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी. यूक्रेन के आंतरिक मामलों के मंत्री इहोर क्लीमेन्को ने कहा कि रूसी सैन्य इकाइयों ने रात में एक साथ छह एस-300 मिसाइलें दागीं. मिसाइलें दोनेत्स्क क्षेत्र के तीन शहरों में गिरीं जिनमें पोकरोव्स्क, नोवोहरोदिवका और मिर्नोहराद हैं.

इजराइल और हमास के बीच अल्पकालिक युद्ध विराम में शांति भंग

गोलीबारी में तीन इजराइली की मौत

भाषा। यरुशलम

यरुशलम के एक बस स्टॉप पर फिलिस्तीनी बंदूकधारियों की गोलीबारी में तीन इजराइली मारे गए और छह अन्य घायल हो गए, जिससे क्षेत्र में हिंसा के मौजूदा दौर के फैलने के बाद से शहर में अल्पकालिक शांति भंग हो गई. इजराइल की पुलिस ने कहा कि सुबह लगभग सात बजकर 40 मिनट (स्थानीय समयानुसार) पर दो फिलिस्तीनी बंदूकधारी राजधानी के मुख्य प्रवेश द्वार की वीजमैन स्ट्रीट पर एक वाहन से बाहर निकले और एक बस स्टॉप पर मौजूद लोगों पर गोलियां चला दीं.

पुलिस और चिकित्सकों ने कहा कि यरुशलम के प्रवेश द्वार पर एक आतंकवादी गोलीबारी हमले में तीन लोग मारे गए और छह घायल हो गए, जिनमें से दो गंभीर रूप से घायल हैं. बताया जाता है कि क्षेत्र में दो ऑफ-ड्यूटी सैनिकों और एक सशस्त्र आम नागरिक ने जवाबी गोलीबारी की, जिसमें दो आतंकवादी मारे गए. सोशल मीडिया मंच पर प्रसारित वीडियो में दोनों बंदूकधारियों के अंधाधुंध गोलीबारी शुरू करने पर बस स्टॉप पर इंतजार कर रहे कुछ लोग अलग-अलग दिशाओं में भागते दिख रहे हैं. इजराइल की आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बेट ने दोनों हमलावरों की पहचान पूर्वी यरुशलम के 38 वर्षीय मुराद नाम्र और उसके भाई 30 वर्षीय इब्राहिम नाम्र के रूप में की है.

लिखा लेख भारत का दृष्टिकोण 'समावेशी, महत्वाकांक्षी, कार्रवाई उन्मुख और निर्णायक' होने से परिभाषित होता है

भारत ने जी20 की अध्यक्षता के दौरान उपलब्धियां हासिल कीं: मोदी

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत ने जी20 की अध्यक्षता के दौरान बहुपक्षवाद को पुनर्जीवित करने, वैश्विक दक्षिण की आवाज को बुलंद करने, विकास का समर्थन करने के साथ हर जगह महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए लड़ाई लड़कर असाधारण उपलब्धियां हासिल कीं.

ब्राजील के एक दिसंबर से जी20 की अध्यक्षता संभालने से पहले मोदी ने भारत की अध्यक्षता के तहत इस विशिष्ट समूह की यात्रा को रेखांकित किया और विश्वास जताया कि उनका देश इस विश्वास के साथ यह जिम्मेदारी सौंपेगा कि लोगों, धरती, शांति और समृद्धि के लिए हमारे सामूहिक कदम आने वाले वर्षों तक गूंजते रहेंगे. कई अखबारों में गुरुवार को प्रकाशित एक लेख में मोदी ने कहा कि भारत का दृष्टिकोण 'समावेशी, महत्वाकांक्षी, कार्रवाई उन्मुख और निर्णायक' होने से परिभाषित होता है और जी20 के सभी सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से अपनाया गया नयी दिल्ली घोषणापत्र इन सिद्धांतों को पूरा करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है. भारत को जी20 की अध्यक्षता मिले 365 दिन होने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वैश्विक परिदृश्य बहुआयामी चुनौतियों से जूझ रहा है.

'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना

भारत द्वारा ब्राजील को कमान सौंपे जाने के मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि यह 'वसुधैव कुटुम्बकम' - 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' की भावना को प्रतिबिंबित करने, पुनः प्रतिबद्ध करने और पुनर्जीवित करने का क्षण है. उन्होंने पिछले साल जी20 की अध्यक्षता ग्रहण करने के समय को याद करते हुए कहा कि संघर्षों और प्रतिस्पर्धा के बीच विकास सहयोग प्रभावित हुआ, जिससे प्रगति बाधित हुई. जी20 की अध्यक्षता संभालते हुए भारत ने दुनिया को यथास्थिति का विकल्प देने की कोशिश की, जो जीडीपी-केंद्रित से मानव-केंद्रित प्रगति की ओर एक बदलाव है.

भारत दक्षिण-दक्षिण सहयोग का पैरोकार

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन और दक्षिण-दक्षिण सहयोग के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में बुधवार को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया था. भारत-संयुक्त राष्ट्र विकास साझेदारी कोष की सहयोगात्मक साझेदारी के छह साल पूरे होने के मौके पर यह आयोजन किया गया. कार्यक्रम के दौरान संयुक्त राष्ट्र की उप महासचिव अमीना मोहम्मद ने कहा कि भारत लंबे समय से दक्षिण-दक्षिण सहयोग का और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के वैश्विक अनुसरण का पैरोकार रहा है जहां वह 'वसुधैव कुटुम्बकम' के अपने दर्शन को सामने रख रहा है.

मोदी सीओपी-28 में भाग लेने के लिए दुबई रवाना

विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दुबई यात्रा से पहले गुरुवार को कहा कि भारत को दुबई में चल रहे सीओपी-28 में जलवायु वित्त पोषण पर एक स्पष्ट रूपरेखा पर सहमति बनने की उम्मीद है. प्रधानमंत्री मोदी, विश्व जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में भाग लेने और तीन अन्य उच्च स्तरीय कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए गुरुवार शाम दुबई रवाना हो गए. प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार शाम दुबई से स्वदेश लौट आएंगे.

एनएससीएन (के) के एक धड़े ने दो को अगवा किया

ईटानगर। उग्रवादी संगठन नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड (के) के आंग माई धड़े ने अरुणाचल प्रदेश के लोंगडिंग जिले से एक ग्राम प्रमुख और ग्राम प्रधान (गांव बूरा) को अगवा कर लिया. पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी. लोंगडिंग के पुलिस उपाधीक्षक बांगहांग तांगजांग ने बताया कि मंगलवार रात साढ़े आठ बजे कम से कम 15 उग्रवादी चॉप गांव में आए और दो लोगों ग्राम प्रधान चोपखू गंगसा तथा गांव प्रमुख छिगसान वांघम को अगवा करके पड़ोसी देश म्यांमा की ओर ले गए. तांगजांग ने बताया कि इन लोगों ने 50,000 रुपये की रंगदारी नहीं दी थी और इस कारण उग्रवादियों ने इन लोगों का अपहरण किया. ग्राम प्रधान आधिकारिक पद है वहीं ग्राम प्रमुख पारंपरिक पद है.

एक दिसंबर विश्व एड्स दिवस पर विशेष : सूबे के जेल में बंद 15 कैदी भी संक्रमित

इस साल झारखंड में मिले 975 एचआईवी पॉजिटिव

संवाददाता। रांची

एड्स दिवस हर साल 1 दिसंबर को मनाया जाता है. एचआईवी संक्रमित लोगों के लिए सपोर्ट दिखाने और एड्स रोगियों को साहस देने के लिए हर साल इसे एक विशेष थीम भी दिया जाता है. वर्ष 2023 का थीम 'लेट कम्युनिटी लीड' है. बता दें कि झारखंड में एड्स के ज्यादा मामले वैसे जिलों में हैं, जहां पर प्रवासी मजदूर हैं और उन जिलों से राष्ट्रीय राजमार्ग गुजरते हैं. इसे ध्यान में रखते हुए उन जगहों पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है. वहीं

एलिमिनेशन ऑफ पैरेंट टू चाइल्ड ट्रांसमिशन ऑफ एचआईवी कार्यक्रम के तहत एचआईवी संक्रमित माता-पिता से 83 बच्चों को एड्स संक्रमित होने से बचाया गया है.

खास बातें

- वर्ष 2023 का थीम 'लेट कम्युनिटी लीड' है
- एचआईवी को लेकर राज्य में विभाग रहता है अलर्ट

जेलों में की गयी एचआईवी जांच : राज्य के विभिन्न जेलों में बंद 18,540 कैदियों की भी एचआईवी जांच की गयी, जिनमें से 15 कैदी एचआईवी पॉजिटिव पाए गए हैं. वहीं 25, 433 उच्च जोखिम वाले लोगों की एचआईवी जांच की गई, जिनमें से 10 लोग एचआईवी पॉजिटिव पाए गए. बेहतर इलाज एवं निःशुल्क दवा के लिए एआरटी केंद्र से जोड़ा गया है.

झारखंड में एड्स के मरीजों की संख्या 15,326

गौरतलब है कि झारखंड में एड्स के मरीजों की संख्या 15,326 है. इनमें से 9,612 के पास राशन कार्ड, 7,215 के पास आयुष्मान कार्ड है और 7,660 को पेंशन मिल रही है. इसके अलावा 175 एचआईवी संक्रमित एवं प्रभावित बच्चों को महिला बाल विकास एवं समाज कल्याण विभाग की ओर से एकीकृत बाल संरक्षण योजना के तहत चार हजार मासिक अनुदान दिया जा रहा है, ताकि बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाया जा सके. राज्य में इस वित्तीय वर्ष में अब तक 6,22,140 की एचआईवी जांच की गई. इनमें से 975 लोग एचआईवी संक्रमित पाए गए हैं.

किशन को शहादत के 8 साल बाद मिलेगा पदक

जमशेदपुर। बीएसएफ के शहीद जवान कीताडीह निवासी किशन कुमार दुबे को मरणोपरांत वीरता के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया जायेगा. शुक्रवार को यह सम्मान हजारीबाग के बीएसएफ के प्रशिक्षण केन्द्र सह विद्यालय में अलंकरण समारोह में गृह मंत्री अमित शाह उनकी मां जगमाया देवी को प्रदान करेंगे. इसका पत्र कीताडीह निवासी स्व. किशन की मां को बीएसएफ के 119 बटालियन के कमांडेंट सूरज सिंह ने भेजा है. पत्र में उन्हें 28 नवंबर को ही हजारीबाग पहुंचने के लिए कहा गया था. लेकिन देर से पत्र मिलने सेजगमाया देवी गुरुवार को हजारीबाग रवाना हुईं. किशन दुबे की मौत 9 जुलाई, 2015 में कूपवाड़ा में मुठभेड़ के दौरान हुई थी.

आओ जानें

एक दिसंबर का इतिहास

- 1761 : मैरी तुसाद, फ्रांसीसी मॉडलर और कलाकार, का जन्म, जिन्होंने लंदन में मैडम तुसाद वैक्स संग्रहालय की स्थापना की
- 1913 : फोर्ड मोटर कंपनी ने मॉडल टी फोर्ड के लिए दुनिया की पहली चलती असेंबली लाइन की शुरुआत की. 1934 : लेनिनग्राद के मेयर सर्गेई किरोव की हत्या कर दी गई.
- 1953 : ह्यू हेफनर ने प्लेबॉय पत्रिका का पहला संस्करण प्रकाशित किया, जिसमें हॉलीवुड आइकन मर्लिन मुनरो शामिल थीं.
- 1954 : मेधा पाटकर का जन्म, जो भारतीय सामाजिक कार्यकर्ता, जो नर्मदा बचाओ आंदोलन के लिए जानी जाती हैं.
- 1955 : उदित नारायण का जन्म, जिन्होंने अपनी विशिष्ट गायन आवाज से 1980 और 90 के दशक की हिंदी फिल्मों पर राज किया
- 1988 : बेनजीर भुट्टो को पाकिस्तान का प्रधानमंत्री नामित किया गया, जो मुस्लिम-बहुल देश की पहली महिला नेता बनीं.
- 1980 : भारतीय क्रिकेटर से राजनेता बने मोहम्मद कैफ का जन्म, अपने मध्यक्रम बल्लेबाजी कौशल के लिए जाने जाते हैं.
- 1988 : संयुक्त राष्ट्र द्वारा दुनिया भर में विश्व एड्स दिवस की घोषणा की गई.
- 1997 : रणवीर सेना ने बारा नरसंहार के प्रतिशोध में बिहार में 58 अनुसूचित जाति के लोगों की हत्या कर दी.
- 2014 : द हॉबिट : बैटल ऑफ द फाइव आर्मीज़, पीटर जैक्सन की द हॉबिट त्रयी की तीसरी और अंतिम फिल्म, का प्रीमियर लंदन में हुआ.

रांची-कामाख्या और चंबल एक्सप्रेस समेत अन्य ट्रेनें शामिल

कोहरे ने रोकी ट्रेनों की रफ्तार फरवरी तक रद्द रहेंगी कई ट्रेनें

खास बातें

- तीन महीने तक लाखों यात्रियों को होगी परेशानी
- कुहासे के कारण ट्रेन परिचालन में आएगी परेशानी

संवाददाता। धनबाद

ठंड की दस्तक और उत्तर भारत में कोहरे ने धनबाद व गोमो से होकर गुजरने वाली कई ट्रेनों की रफ्तार रोक दी है. रेलवे सूत्रों के अनुसार दिसंबर से फरवरी तक अलग-अलग तिथियों को कई ट्रेनें रद्द रहेंगी. जिसमें रांची-कामाख्या और चंबल एक्सप्रेस समेत अन्य ट्रेनें शामिल हैं. तीन महीने तक लाखों यात्रियों को काफी परेशानी होगी.

रद्द की गई ट्रेनें

ट्रेन नंबर	ट्रेन का नाम	तिथि
18103	टाटानगर-अमृतसर जलियांवाला बाग एक्सप्रेस	04.12.23 से 28.02.24
18104	अमृतसर-टाटानगर जलियांवाला बाग एक्सप्रेस	06.12.23 से 01.03.24
12873	हटिया-आनंद विहार झारखंड एक्सप्रेस	04.12.23 से 29.02.24
12874	आनंद विहार-हटिया झारखंड एक्सप्रेस	05.12.23 से 01.03.24
22857	संतरागाछी-आनंद विहार सुपरफास्ट एक्सप्रेस	04.12.23 से 26.02.24
22858	आनंद विहार-संतरागाछी सुपरफास्ट एक्सप्रेस	05.12.23 से 27.02.24
15662	कामाख्या-रांची एक्सप्रेस	05.12.23 से 27.02.24
15661	रांची-कामाख्या एक्सप्रेस	06.12.23 से 28.02.24
12988	अजमेर-सियालदह एक्सप्रेस	दिसंबर में 02, 05, 07, 09, 12, 14, 16, 19, 21, 23, 26, 28, 30. जनवरी में 02, 04, 06, 09, 11, 13, 16, 18, 20, 23, 25, 27, 30 और फरवरी में 01, 03, 06, 08, 10, 13, 15, 17, 20, 22, 24, 27, 29.
12987	सियालदह-अजमेर एक्सप्रेस	दिसंबर में 03, 06, 08, 10, 13, 15, 17, 20, 22, 24, 27, 29, 31. जनवरी में 03, 05, 07, 10, 12, 14, 17, 19, 21, 24, 26, 28, 31, फरवरी में 02, 04, 07, 09, 11,

आगरा से मथुरा तक जो ट्रेनें रद्द रहेंगी

ट्रेन नंबर	ट्रेन का नाम	तिथि
12177	हावड़ा-मथुरा चंबल एक्सप्रेस	01.12.23 से 23.02.24
12178	मथुरा-हावड़ा चंबल एक्सप्रेस	04.12.23 से 26.02.24

आईआईटी में असिस्टेंट माइन सर्वेयर कोर्स की हुई शुरुआत

संवाददाता। धनबाद

आईआईटी-आईएसएम में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत 16 सप्ताह का असिस्टेंट माइन सर्वेयर कोर्स की शुरुआत हुई. कोर्स में 90 युवा भाग ले रहे हैं. कार्यक्रम का उद्घाटन गोल्डन जुबली लेक्चर थियेटर में संस्थान के निदेशक प्रो जेके पटनायक व अन्य ने किया. इसमें ऑनलाइन माध्यम से राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के मुख्य कार्यक्रम अधिकारी महेंद्र पायल ने भाग लिया. निदेशक ने बताया कि बेरोजगार युवाओं को स्किल्ड बनाने के लिए यह कार्यक्रम शुरू किया गया है. इसके लिए राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के द्वारा खान सर्वेक्षक पाठ्यक्रम के लिए आईआईटी-आइएसएम को नोडल केंद्र के रूप में चुना गया है.

युवाओं को रोजगार ढूंढ़ने में नहीं होगी परेशानी

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुरली कृष्ण रमैया ने सभी युवाओं को पाठ्यक्रम से पूरा लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया. उन्होंने कहा कि धनबाद कोयला खनन का केंद्र है इसलिए प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवाओं को रोजगार ढूंढने में ज्यादा परेशानी नहीं होगी बीसीसीएल के निदेशक पर्सनल मुरली कृष्ण रामलाह ने पूर्व प्रशिक्षित 59 प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिया. जबकि 29 शिक्षकों को सम्मानित किया गया. युवाओं को समन्वयक प्रो सुनील कुमार के नेतृत्व में प्रशिक्षण दिया जाएगा. समारोह में प्रो धीरज कुमार, प्रो पीएस पाल भी मौजूद रहे.

बेरमो के अनूप बने सर्वश्रेष्ठ मानवाधिकार कार्यकर्ता

संवाददाता। बेरमो

नेशनल ह्यूमन राइट्स एंड क्राइम कंट्रोल ब्यूरो (एनएचआरसीसीबी) की ओर से नई दिल्ली में आयोजित समारोह में बेरमो के अनूप कुमार को सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कार्यकर्ता का पुरस्कार दिया गया. उनकी इस उपलब्धि पर बेरमो सहित जिले के विभिन्न संगठनों ने उन्हें बधाई दी है. बेरमो तेली साहू समाज व जरीडीह बाजार के महासचिव बिनोद कुमार साहू, उप सचिव अजय कुमार साव, दिलीप साव, गोविंदा साव, सोनू साव, निकेश साव, पंकज साव, रवि साव, सुनील साव, प्रकाश साव एवं समाज के अन्य वर्गो के लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं दी है. कहा कि यह सिर्फ साहू समाज ही नहीं, बल्कि समस्त समाज के लिए गर्व की बात है. ज्ञत हो कि अनूप कुमार पिछले चार वर्षों से लगातार मानवाधिकार के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं. इसके लिए उन्हें प्रति वर्ष सम्मानित भी किया जाता रहा है. इस अवसर अनूप कुमार ने कहा कि समाज सेवा व जनहित के कार्यों में उनकी रुचि बचपन से रही है.

कॅरियर-काउंसिलिंग

फोटोग्राफी से भी मिलेगा जॉब

बैचलर-मास्टर डिग्री कोर्स कर संवार सकते हैं कॅरियर

एजुकेशन रिपोर्टर। रांची - फोटोग्राफी एक ऐसा प्रोफेशनल है, जिसमें काम तस्वीरें खींचनी होती है. कुछ लोगों को फोटो खींचने का शौक बचपन से ही होता है, लेकिन अगर कोई इस क्षेत्र में अपना कॅरियर बनाने को इच्छुक हों तो तब उन्हें इससे संबंधित कोई कोर्स करना जरूरी है, जिससे कि वह अपना काम अच्छे तरीके से कर सकें. जानकारी के लिए बता दें कि फोटोग्राफर फोटो खींचने के लिए विभिन्न तरह के कैमरे व उपकरणों का प्रयोग करते हैं ताकि किसी भी ऑब्जेक्ट या व्यक्ति की तस्वीर बेहतरीन तरीके से ली जा सके.

अच्छे फोटोग्राफर बनने के गुण

फोटोग्राफी के क्षेत्र में काफी पेशेंस रखने की आवश्यकता होती है, क्योंकि इस क्षेत्र में आप अपने मन के मुताबिक कार्य नहीं कर सकते. इस क्षेत्र में आने के बाद आपको कई बार भयंकर जंगल में भी फोटोग्राफी करनी पड़ सकती है. आपको फोटोग्राफी के नए-नए टूल्स और लेंसों से खुद को अवेयर रखना होता है. फोटो कैप्चर करने के लिए सही एंगल का चुनाव भी बेहद जरूरी है. अच्छी फोटो के लिए इंतजार भी एक इस फील्ड में नाम कमाने का अहम हिस्सा है, जो एक दिन से लेकर सालों का हो सकता है. एक अच्छे व वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर के लिए जरूरी है कि वह प्रकृति की सुंदरता की सही प्रकार से पहचान कर सकें.

फोटोग्राफी में स्पेशलाइजेशन

- ट्रैवल फोटोग्राफी
- फैशन फोटोग्राफी
- वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी
- वेडिंग/इवेंट फोटोग्राफ
- प्रोडक्ट फोटोग्राफी
- फोटो जर्नलिज्म
- साइंटिफिक फोटोग्राफी
- स्पोर्ट फोटोग्राफी
- आर्किटेक्चरल फोटोग्राफी
- एरियल फोटोग्राफी

फोटोग्राफी के प्रकार

- लैंडस्केप फोटोग्राफी
- वन्यजीव फोटोग्राफी
- पोर्ट्रेट फोटोग्राफी
- फूड फोटोग्राफी
- शादी की फोटोग्राफी
- फैशन फोटोग्राफी
- साइंटिफिक/इंडस्ट्रियल फोटोग्राफी
- इवेंट फोटोग्राफी
- मेक्रो फोटोग्राफी
- अंडरवाटर फोटोग्राफी
- एस्ट्रो फोटोग्राफी
- एरियल फोटोग्राफी
- स्पोर्ट्स/एक्शन फोटोग्राफी
- स्ट्रीट फ़ोटोग्राफ़ी
- आर्किटेक्चरल फोटोग्राफी
- एब्स्ट्रैक्ट फोटोग्राफी
- कैंडिड फोटोग्राफी
- फोर्स्ड पर्सपेक्टिव फोटोग्राफी
- एचडीआर फ़ोटोग्राफ़ी
- लॉन्ग एक्सपोजर फोटोग्राफी
- मोबाइल फोटोग्राफी
- टिल्ट शिफ्ट फोटोग्राफी
- ट्रैवल फोटोग्राफी
- फोटोजर्नलिज्म
- स्टॉक फोटोग्राफी
- वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी

कॅरियर

- फिल्म प्रोडक्शन हाउस
- एडवरटाइजिंग एजेंसीज
- इंडस्ट्रियल एंड मेडिकल इंस्टिट्यूट
- प्रोफेशन फोटो स्टूडियो
- एनजीओ
- स्पोर्ट्स
- टीवी एंड न्यूज चैनल
- न्यूज पेपर एंड मैगजीन
- फैशन शो एंड बूटीक्वेस
- इवेंट मैनेजमेंट आर्गेनाइजेशन

लोकप्रिय फोटोग्राफी कोर्सेज

फोटोग्राफी में करियर बनाने के लिए आपको नई टेक्निक्स और इक्विपमेंट के बारे में जानना बेहद जरूरी है. दुनिया भर की विभिन्न यूनिवर्सिटीज और कॉलेज, फोटोग्राफी के अंतर्गत कई कोर्सेज उपलब्ध करते हैं. फोटोग्राफर बनने के लिए आप हाई स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद फिल्म प्रोडक्शन, जर्नलिज्म या विज़ुअल कम्युनिकेशन आदि में डिग्री हासिल कर सकते हैं. अगर आप ग्रेजुएशन के बाद शॉर्ट टर्म कोर्सेज तलाश रहे हैं, तो आप डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्सेज कर सकते हैं. जो 3 महीने से 1 साल तक की अवधि के हो सकते हैं. कुछ लोकप्रिय फोटोग्राफी कोर्सेज की लिस्ट नीचे दी गयी है.

- डिप्लोमा इन फोटोग्राफी
- एसोसिएट डिग्री इन फोटोग्राफी
- डिप्लोमा इन प्रोफेशनल फोटोग्राफी
- बैचलर इन फोटोग्राफी
- बीए ऑनर्स इन फैशन फोटोग्राफी
- बीए ऑनर्स इन फोटोग्राफी
- डिप्लोमा इन कैमरा एंड लाइटिंग टेक्निकल
- बीए विजुअल आर्ट एंड फोटोग्राफी
- एमएफए इन फोटोग्राफी
- फाउंडेशन कोर्स इन वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी
- इंट्रोडक्ट्री कोर्स इन वेडिंग फोटोग्राफी
- प्रोफेशनल डिप्लोमा इन आर्ट फोटोग्राफी

फोटोग्राफी के लिए दुनिया की टॉप यूनिवर्सिटीज

- रॉयल कॉलेज ऑफ आर्ट, यूनाइटेड किंगडम
- मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, संयुक्त राज्य अमेरिका
- रोड्स आइलैंड स्कूल ऑफ डिजाइन, यूनाइटेड स्टेट्स
- पार्सन्स स्कूल ऑफ डिजाइन, संयुक्त राज्य अमेरिका
- यूनिवर्सिटी ऑफ द आर्ट्स लंदन, यूनाइटेड किंगडम
- प्रैट इंस्टिट्यूट, संयुक्त राज्य अमेरिका
- स्कूल ऑफ द आर्ट इंस्टिट्यूट ऑफ शिकागो, संयुक्त राज्य अमेरिका
- स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका
- येल विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका
- पॉलिटेक्निक ऑफ मिलान, इटली

भारत में फोटोग्राफी की पढ़ाई लिए टॉप कॉलेज

- दिल्ली कॉलेज ऑफ फोटोग्राफी (नयी दिल्ली)
- द लाइट एंड लाइफ एकेडमी (ऊंटी)
- कॉलेज ऑफ आर्ट यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली (नयी दिल्ली)
- मास कम्युनिकेशन रिसर्च सेंटर, जामिया मिलिया इस्लामिया (नयी दिल्ली)
- एशियन एकेडमी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन (नोएडा)
- आईआईपी अकादमी, दिल्ली
- केस अकादमी ऑफ फोटोग्राफिक आर्ट्स, तमिलनाडु
- विजुअल आर्ट्स फैकल्टी बीएचयू

जानिए... भारत के विश्वविद्यालयों में आवेदन करने की क्या प्रक्रिया है

- सबसे पहले अपनी चुनी हुई यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट में जाकर रजिस्ट्रेशन करें.
- यूनिवर्सिटी की वेबसाइट में रजिस्ट्रेशन के बाद आपको एक यूजर नेम और पासवर्ड प्राप्त होगा.
- फिर वेबसाइट में साइन इन के बाद अपने चुने हुए कोर्स का चयन करें जिसे आप करना चाहते हैं.
- अब शैक्षिक योग्यता, वर्ग आदि के साथ आवेदन फॉर्म भरें.
- इसके बाद आवेदन फॉर्म जमा करें और आवश्यक आवेदन शुल्क का भुगतान करें.
- यदि एडमिशन, प्रवेश परीक्षा पर आधारित है तो पहले प्रवेश परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करें और फिर रिजल्ट के बाद काउंसलिंग की प्रतीक्षा करें. प्रवेश परीक्षा के अंकों के आधार पर आपका चयन किया जाएगा और लिस्ट जारी की जाएगी.

एम्प्लॉयमेंट सेक्टर्स

- न्यूजपेपर्स
- मैगजींस
- एडवरटाइजिंग एजेंसीज
- स्टूडियोज
- प्रेस एंड पब्लिशिंग हाउसेस
- एनजीओ इंडस्ट्रीज
- मेडिकल इंस्टीट्यूट्स
- इवेंट मैनेजमेंट आर्गेनाइजेशन
- फ्रीलांसर्स

टॉप रिक्रूटिंग

- विजुसाह
- फोटोग्राफर्स डायरेक्ट
- फ्रीलेंस इंडिया
- बेस्ट इंडिया साइट
- क्लिक इंडिया

फोटोग्राफी टिप्स

नजदीक खड़े हों : प्रसिद्ध फोटो जर्नलिस्ट रॉबर्ट कैपा का कहना है कि यदि आपकी तस्वीर पर्याप्त रूप से अच्छी नहीं आ रही है तो इसका अर्थ है कि आप अपने ऑब्जेक्ट के नज़दीक आके क्लिक करें. बेहतर फोटोग्राफी करने के लिए आप अपने ऑब्जेक्ट के थोड़ा और करीब जाकर फोटो खीचें, इससे आपकी फोटो बहुत ही बेहतर आएगी क्योंकि, इससे फोटो फ्रेम में खाली स्थान भर जाता है, जिससे फोटो भी क्लियर आने लगती है.

ट्राइपॉड अपनाएं : बेहतर फोटोग्राफर बनने के लिए आपको ट्राइपॉड के साथ इस्तेमाल करना चाहिए क्योंकि, इससे आप की फोटो पुरे फोकस के साथ बहुत ही अच्छी दिखाई देगी. इसके अलावा इसमें अपने फ़ोन के साथ कैमरा लेंस का भी प्रयोग किया जा सकता है.

रोजाना अभ्यास करते रहें : यदि आप बहुत ही अच्छी फोटोग्राफी करना चाहते हैं, तो इसके लिए आप रोजाना फोटोग्राफी का अभ्यास करते रहें.

फोटोग्राफी में एलिमेंट से दूर रहें : फोटोग्राफी करते समय बहुत सारे एलिमेंट लाये जाने का तरीका होता है, लेकिन आप अपने फोटोग्राफ में एलिमेंट बिलकुल भी न लाएं, क्योंकि यदि आप ऐसा करते है, तो आपका फोटोग्राफ बहुत अधिक भरा हुआ दिखाई देने लगेगा, .

कई तरह की फोटो खींचे : आप जब भी फोटोग्राफी करें, तो अच्छा फोटोग्राफर बनने के लिए इस बात का ख्याल रखें की आप आप अलग-अलग एंगल से फोटो क्लिक करें. इसके लिए आप अपने सामने वाले व्यक्ति को कई ढंग से खड़े होने के लिए बताये और उसकी अलग-अलग तरह की फोटो खींचे क्योंकि ऐसा करने से आपको अपने सारे तरीकों के बारे में जानकारी हो जाएगी.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)